@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 15 फरवरी 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 102 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

महाशिवरात्रि आज

एजेंसी

नई दिल्ली। 15 फरवरी को महाशिवरात्रि है। इस पर्व पर रात के चार प्रहर में शिव पूजा होती है। शिवरात्रि पूजा के मुहूर्त शाम 6.20 से शुरू हो रहे हैं। आज शिवरात्रि पर महाकाल मंदिर, उज्जैन के पुजारी शिवरात्रि की पूजा विधि बताएंगे। इस वीडियो को देखते हुए आप घर या किसी भी शिव मंदिर में वैदिक पूजा कर सकते हैं।

शिवरात्रि के व्रत में अन्न नहीं खाया जाता

- सूर्योदय से पहले उठें। पानी में गंगाजल और काले तिल मिलाकर नहाएं।
- शिव पूजन करें और व्रत का संकल्प लें।
- व्रत-उपवास में अन्न नहीं खाएं। पुराणों के अनुसार पूरे दिन पानी भी नहीं पीना
- चाहिए। इतना कठिन व्रत न कर सकें तो फल, दूध और पानी ले सकते हैं।
- झूठ न बोलें, दिन में न सोएं और विवाद से बचें। इनसे व्रत टूट जाता है।
- सुबह-शाम नहाने के बाद शिव मंदिर दर्शन करने जाएं।

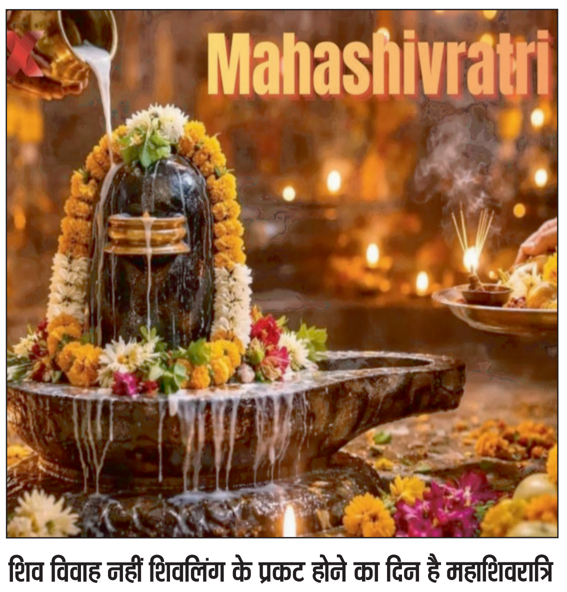

शिव विवाह नहीं शिवलिंग के प्रकट होने का दिन है महाशिवरात्रि

महाशिवरात्रि को लेकर मान्यता है कि इस दिन शिव-पार्वती का विवाह हुआ था, लेकिन शिव पुराण सहित किसी भी ग्रंथ में इस बात का कोई जिक्र ही नहीं है।शिव पुराण में लिखा है कि फाल्गुन महीने के शुक्ल पक्ष के चौदहवें दिन यानी चतुर्दशी तिथि पर पहली बार शिवलिंग प्रकट हुआ था। तब भगवान विष्णु और ब्रह्मा जी ने शिवलिंग की पूजा की। इसी दिन को शिवरात्रि कहा गया।

शिव पुराण के 35वें अध्याय में लिखा है कि शिव विवाह अगहन महीने के कृष्ण पक्ष के दूसरे दिन हुआ था। ये तिथि इस साल 26 नवंबर को आएगी। शिवरात्रि पर शिव विवाह मनाने की परंपरा कब से शुरू हुई इस बारे में लिखित जानकारी नहीं है। काशी और उज्जैन के विद्वानों का कहना है कि शिवलिंग के निचले हिस्से में पार्वती का भी स्थान होता है। शिवरात्रि पर महादेव की पूजा रात में होती है। पार्वती के बिना शिव पूजन अधूरा रहता है, इसलिए इस रात को शिव-शक्ति मिलन के पर्व के तौर पर मनाया जाने लगा।

मोदी वायुसेना के एयरक्राफ्ट से असम के हाईवे पर उतरे

- ऐसा करने वाले पहले पीएम
- बोले- देश का बुरा सोचने वाले को कांग्रेस कंधे पर बैठाती है

एजेंसी

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को असम दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने गुवाहाटी में कहा- कांग्रेस ने देश को खतरे में डालकर रखा था। कांग्रेस ने जब भी सेना के लिए हथियार खरीदे, उसका मतलब हजारों करोड़ का घोटाला था। उन्होंने कहा-आज की कांग्रेस ऐसे लोगों और विचारों का साथ दे रही है जो देश के खिलाफ सोचते हैं। जो लोग देश को तोड़ने की बात करते हैं या ऐसे नारे लगाते हैं, वे कांग्रेस के लिए सम्मानित बन गए हैं। पीएम पहले चाबुआ एयरफील्ड पहुंचे थे। इसके बाद वे वायुसेना के C-130 एयरक्राफ्ट से डिब्रूगढ़ पहुंचे। प्लेन ने यहां मोरन बाईपास पर इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी (ELF) पर लैंडिंग की। मोदी ऐसा करने वाले पहले प्रधानमंत्री बने। कांग्रेस के समय आते ही लोग सोचते थे कि छोड़ो टूटी सड़क मिलेंगी तो कब ही पहुंचेंगे।

असम को पाई-पाई के लिए तरसाया जाता था। तब टैक्स के हिस्से के रूप में सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए मिलते थे। भाजपा की सरकार में 5 गुना ज्यादा मिल रहे हैं। जब मैं प्लेन से मोरन हाईवे पर उतरा तो नया इतिहास बन गया। कभी नार्थ ईस्ट का नाम आज यहां हाईवे पर हवाई जहाज भी लैंड करते हैं। भाजपा सरकार ने 10 साल में ब्रह्मपुत्र पर 5 बड़े पुल बनाए। कांग्रेस की 70 साल की सत्ता में 3 पुल बने। यह बताता है कि कांग्रेस ने असम को समस्या दी और हमने समाधान दिए। पिछले 12 साल में जब भी कोई नई शुरुआत हुई तो उसका फायदा नार्थ ईस्ट को मिला। वंदे भारत शुरू हुई तो असम नार्थ ईस्ट कनेक्ट हो गया। स्लीपर वंदे भारत भी असम से शुरू हुई। असम के लोगों के वोट के कारण यहां लाखों परिवारों के घर बने। शौचालय बने। पीने का पानी घर तक पहुंचा। इस पुण्य का हकदार भाजपा के बूथ का कार्यकर्ता है।

पीएम ने इसके बाद ब्रह्मपुत्र नदी पर बने कुमार भास्कर वर्मन सेतु और IIM गुवाहाटी के टेंपरेरी कैंपस का उद्घाटन किया। पीएम मोदी का यह पिछले तीन महीने में तीसरा असम दौरा है। असम में इसी साल विधानसभा चुनाव है।

महाराष्ट्र के मुलुंड में मेट्रो के पिलर का हिस्सा गिरने से एक की मौत, 3 घायल

मुंबई। महाराष्ट्र के मुलुंड (पश्चिम) में एलबीएस रोड पर स्थित जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी के सामने शनिवार को दोपहर में निर्माणाधीन मेट्रो के पिलर का हिस्सा गिर जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और 3 लोग घायल हो गए। तीनों घायलों का इलाज मुलुंड के उपासना अस्पताल में हो रहा है। मुलुंड पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और इस घटना की गहन जांच जारी है। मुलुंड इलाके के पुलिस उपायुक्त ने बताया कि आज दोपहर में एलबीएस रोड पर स्थित जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी के सामने निर्माणाधीन मेट्रो के पिलर का हिस्सा एक वाहन पर गिर गया। इस घटना में वाहन में सवार चार लोग घायल हो गए थे। इन चारों को नजदीकी उपासना अस्पताल में भर्ती करवाया गया, लेकिन इनमें से एक की मौत हो गई। अन्य तीन लोगों का उपासना अस्पताल में इलाज जारी है। मृतक की पहचान रामधन यादव के रूप में हुई है जबकि घायलों में राजकुमार इंद्रजीत यादव(45) की हालत गंभीर बनी हुई ।

केंद्र ने 'पीएम राहत' योजना शुरू की, सड़क दुर्घटना पीड़ितों को 1.5 लाख रुपये का कैशलेस इलाज

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'पीएम राहत' (रोड एक्सीडेंट विक्टिम हॉस्पिटलाइजेशन एंड एश्योर्ड ट्रीटमेंट) योजना की शुरुआत की है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपना कार्यालय सेवा तीर्थ में स्थानांतरित होने के बाद अपने पहले ही फैसले में पीएम राहत योजना से जुड़ी फाइल पर हस्ताक्षर किए। यह फैसला सरकार के इस वादे को दिखाता है कि सड़क दुर्घटना के बाद तुरंत मेडिकल मदद न मिलने से किसी की जान न जाए। मंत्रालय के अनुसार, देश में हर वर्ष बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाओं में मौतें होती हैं, जिनमें से लगभग 50 प्रतिशत मामलों में यदि पीड़ित को दुर्घटना के पहले 'गोल्डन ऑवर' में अस्पताल पहुंचा दिया जाए तो जान बचाई जा सकती है। योजना के तहत किसी भी श्रेणी की सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त पात्र पीड़ित को दुर्घटना की तिथि से सात दिनों तक अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार मिलेगा। गैर-गंभीर मामलों में 24 घंटे तथा गंभीर मामलों में 48 घंटे तक स्थिरीकरण उपचार की सुविधा दी जाएगी, जिसके लिए एकीकृत डिजिटल

प्रणाली के माध्यम से पुलिस प्रमाणीकरण आवश्यक होगा।योजना को आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (ईआरएसएस) 112 हेल्पलाइन से जोड़ा गया है। दुर्घटना पीड़ित, 'राह-वीर' (गुड समैरिटन) या घटनास्थल पर मौजूद कोई भी व्यक्ति 112 पर कॉल कर निकटतम नामित अस्पताल की जानकारी प्राप्त कर सकता है और एंबुलेंस सहायता का अनुरोध कर सकता है। इससे पुलिस, आपातकालीन सेवाओं और अस्पतालों के बीच त्वरित समन्वय सुनिश्चित होगा।यह योजना तकनीक आधारित ढांचे के माध्यम से लागू की जा रही है, जिसमें सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के ई-डिटेल्ड एक्सीडेंट रिपोर्ट (ईडीएआर) प्लेटफॉर्म को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की ट्रांजैक्शन मैनेजमेंट सिस्टम (टीएमएस 2.0) से जोड़ा गया है। इससे दुर्घटना की रिपोर्टिंग से लेकर अस्पताल में भर्ती, उपचार, दावा निपटान और भुगतान तक की प्रक्रिया डिजिटल रूप से संचालित होगी।अस्पतालों को भुगतान मोटर वाहन दुर्घटना कोष (एमवीएएफ) से किया जाएगा। बीमित वाहन के मामलों में सामान्य बीमा कंपनियों के योगदान से राशि दी जाएगी, जबकि बिना बीमा या हिट एंड रन मामलों में केंद्र सरकार के बजटीय प्रावधान से भुगतान होगा। राज्य स्वास्थ्य एजेंसी द्वारा स्वीकृत दावों का भुगतान 10 दिनों के भीतर किया जाएगा।

कलानौर का गुरकीरत सिंह श्मशानघाट से नशे सहित किया काबू, बड़े कांग्रेसी नेताओं के साथ तस्वीरें आईं सामने: हरपाल चीमा

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 14 फरवरी। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज कहा कि पंजाब सरकार के युद्ध नशियां विरूद्ध अभियान को एक और बड़ी सफलता मिली है, जब गुरदासपुर जिले के कलानौर का रहने वाला गुरकीरत सिंह कथित तौर पर श्मशानघाट के अंदर नशा करते हुए पकड़ा गया। चीमा ने कहा कि इस आरोपी का सीधा संबंध कांग्रेस पार्टी से जुड़ता है और पकड़े गए व्यक्ति की कांग्रेस के विभिन्न बड़े नेताओं के साथ तस्वीरें भी सामने आई हैं। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि पंजाब जानता है कि जब राज्य में अकाली दल-भाजपा का राज था या कांग्रेस पार्टी का राज रहा, उस समय पंजाब में नशों की बाढ़ बहाई गई। आज लगातार ऐसे कई लोग पकड़े जा रहे हैं जिनका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप

से कांग्रेस, अकाली दल और भाजपा से संबंध रहा है। चीमा ने कहा कि पंजाब को बर्बाद करने वाली ये पार्टियां आज बिलबिला रही हैं। चीमा ने कहा कि मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान की सरकार द्वारा नशों के खिलाफ लगातार चलाई जा रही मुहिम को सफलता मिल रही है। नशा तस्कर या तो पंजाब से भाग रहे हैं या फिर जेलों के अंदर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति नशा करते हुए पकड़ा जा रहा है, सरकार उसका इलाज करके उसे ठीक कर रही है। वित्त मंत्री चीमा ने कहा कि हमारी इस सफलता को पंजाब के लोग भरपूर समर्थन दे रहे हैं और यह आज पंजाब में एक जन आंदोलन बन गई है। लाखों लोग पंजाब सरकार और आम आदमी पार्टी से इसलिए जुड़े हुए हैं क्योंकि सरदार भगवंत सिंह मान की सरकार पंजाब से नशों का पूरी तरह खात्मा करने पर लगी हुई है।

एपस्टीन से जुड़े कपिल सिब्बल-सैम पित्रोदा के नाम! कांग्रेस पर भाजपा हमलावर

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। अमेरिकी अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े एक कथित अवॉर्ड फंडिंग मामले को लेकर देश की राजनीति गरमा गई है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि साल 2010 में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने ऐसा अवॉर्ड लिया था, जिसे एपस्टीन से जुड़ी फंडिंग मिली थी। पार्टी ने इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी से जवाब मांगा है। वहीं कपिल सिब्बल ने इन आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद बताया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि न्यूयॉर्क में 2010 में हुए एक इंटरनेशनल अवॉर्ड्स गाला कार्यक्रम में कपिल सिब्बल को सम्मान मिला था और यह अवॉर्ड कथित रूप से एपस्टीन से जुड़े फंड से समर्थित था। भाजपा ने दावा किया कि उस कार्यक्रम की सूची में सिब्बल का नाम दर्ज था। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि उस दौर में कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार के फैसलों में कई नीतिगत बदलाव देखे गए। भाजपा ने सीधे राहुल गांधी से पूछा कि क्या यह केवल संयोग था या किसी बाहरी प्रभाव की भूमिका थी। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कपिल सिब्बल ने कहा कि भाजपा का दावा पूरी तरह बकवास है। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक आरोप है और इसका कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है। सिब्बल 2022 में कांग्रेस छोड़ चुके हैं और इस समय राज्यसभा में निर्दलीय सदस्य हैं। उन्हें समाजवादी पार्टी का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने साफ कहा कि उन्हें बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। भाजपा प्रवक्ता ने अपने बयान में कांग्रेस के ओवरसीज विभाग से जुड़े सैम पित्रोदा का नाम भी लिया। आरोप लगाया गया कि वे भी उसी कार्यक्रम से जुड़े दायरे में थे। भाजपा ने एक दस्तावेज का हवाला देते हुए कहा कि इसमें कई नाम शामिल थे। हालांकि इन दावों पर कांग्रेस की ओर से विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मामला अब राजनीतिक आरोप और प्रत्यारोप का रूप ले चुका है। एपस्टीन फाइल्स को लेकर पहले से ही राजनीतिक विवाद जारी है। कांग्रेस राहुल गांधी के बयान के आधार पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के इस्तीफे की मांग कर रही है। पुरी ने स्पष्ट किया है कि उनकी एपस्टीन से कुछ मुलाकातें हुई थीं, लेकिन उनका किसी भी आपराधिक गतिविधि से कोई संबंध नहीं था। अब भाजपा ने पलटवार करते हुए कपिल सिब्बल का नाम उठाया है। इस मुद्दे पर सियासी टकराव और तेज होने के संकेत हैं।

न धर्मो न चार्थो न कामो न मोक्षः
चिदानन्दरूपः शिवोऽहम् शिवोऽहम्॥
(मैं धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष से परे हूं। मैं आनन्दमय चेतना हूं। मैं शिव हूं, मैं शिव हूं।)

बाबा विश्वनाथ की नगरी अविनाशी काशी में

महाशिवरात्रि
पर्व का भव्य आयोजन (15 फरवरी, 2026)

प्रगति की गति अपार-डबल इंजन सरकार
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

भीषण सड़क हादसा : कोबरा बटालियन के 4 जवानों की मौत, एक गंभीर घायल

धमतरी (एजेंसी)। जिले के अर्जुनी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खपरी बायपास के पास हुए भीषण सड़क हादसे में 201 कोबरा बटालियन के चार जवानों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक जवान गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक जगदलपुर से जवानों को लेकर आ रही डिजायर कार खपरी बायपास के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और जवान वाहन के भीतर फंस गए। गैस कटर की मदद से काफी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला गया। घटना में दो जवानों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य गंभीर घायलों ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। घायल जवान का उपचार जारी है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

इंडिगो फ्लाइट में मिली बम की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। कोलकाता से शिलांग जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में बम होने की धमकी मिली है। टॉयलेट में संदिग्ध पर्चा मिलने पर यात्रियों को तुरंत उतारा गया और विमान को आइसोलेशन बे में ले जाकर सुरक्षा जांच शुरू कर दी गई। शनिवार को कोलकाता से शिलांग जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में बम की धमकी मिलने से अफरा-तफरी मच गई। यह फ्लाइट सुबह 9:15 बजे उड़ान भरने वाली थी। बोर्डिंग के दौरान क्रू मेंबर्स को विमान के टॉयलेट में एक पर्चा मिला, जिसमें विमान में बम होने की बात लिखी थी। इसके बाद तुरंत स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर लागू किया गया। सभी यात्रियों को सुरक्षित विमान से उतार लिया गया और एयरक्राफ्ट को आइसोलेशन बे में ले जाकर जांच शुरू कर दी गई। नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट के डायरेक्टर के मुताबिक, बम की सूचना पर्चे के जरिए मिली। यात्रियों को तुरंत विमान से उतारा गया। विमान को आइसोलेशन बे में शिफ्ट किया गया। सुरक्षा एजेंसियां पूरी जांच में जुटी हैं।

एयरपोर्ट से 1.64 करोड़ का गांजा बरामद

अमृतसर (एजेंसी)। अमृतसर में नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत कस्टम विभाग को सफलता मिली है। कस्टम अमृतसर की टीम ने स्पॉट प्रोफाइलिंग और बैगेज स्क्रीनिंग के दौरान एक यात्री के सामान से 1 किलो 640 ग्राम गांजा बरामद किया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1.64 करोड़ रुपए बताई जा रही है। यह यात्री बैंकॉक से फ्लाइट नंबर एसएल-214 के माध्यम से श्री गुरु राम दास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अमृतसर पहुंचा था। कस्टम अधिकारियों को उसके व्यवहार पर शक हुआ, जिसके बाद सामान की गहन जांच की गई। जांच में बैग के अंदर छिपाकर रखा गया गांजा बरामद हुआ। कस्टम अधिकारियों ने तुरंत आरोपी यात्री को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया और एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि नशे की तस्करी के खिलाफ लगातार निगरानी रखी जा रही है और किसी भी कीमत पर ऐसे अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा।

कार में मिली लड़के और लड़की की लाश, इलाके में मची अफरा-तफरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के करीब नोएडा के सेक्टर-39 क्षेत्र में शनिवार को उस समय सनसनी फैल गई जब एक खड़ी कार के अंदर युवक और युवती के शव बरामद हुए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। कार के भीतर का दृश्य बेहद विचलित करने वाला था। दोनों के शरीर पर गोली लगने के निशान मिले हैं और वाहन के अंदर खून फैला हुआ था, जिससे प्रथम दृष्टया मामला गोलीबारी का प्रतीत हो रहा है। जांच के दौरान पुलिस को कार से एक पिस्तौल भी बरामद हुई है। हथियार को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि गोली किसने चलाई और कितनी गोलियां दागी गईं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण और समय की पुष्टि हो सकेगी। घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए गए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस के अनुसार, मृत युवक और युवती की पहचान दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके के निवासियों के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक ने पहले युवती को गोली मारी और बाद में खुद को गोली मार ली। हालांकि अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यह केवल प्रारंभिक अनुमान है और जांच पूरी होने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाएगा। मामले की गंभीरता को देखकर हुए पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। तकनीकी साक्ष्यों, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और पारिवारिक पृष्ठभूमि की भी जांच की जा रही है। इस घटना ने स्थानीय लोगों को स्तब्ध कर दिया है और इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस का कहना है कि सभी तथ्यों की गहन जांच के बाद ही इस रहस्यमयी घटना की सच्चाई सामने आ सकेगी।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने ड्रग तस्कर की 1.5 करोड़ की संपत्ति की कुर्क

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने एक ड्रग तस्कर की संपत्ति कुर्क कर ली है। पुलिस के मुताबिक कुलगाम जिले में अटैच की गई प्रॉपर्टी की कुल कीमत करीब 1.5 करोड़ रुपए है। पुलिस ने बताया कि मणिगाम गांव में छह दुकानें, पांच गोदाम, एक टिन शेड और एक चबूतरा अटैच किया है। यह संपत्ति मोहम्मद अशरफ खांडे की है, जो निपोरा, कुलगाम का रहने वाला है और काजीगुंड में आता है। पुलिस ने बताया कि जांच में पता चला कि यह संपत्ति ड्रग तस्करी से कमाई गई धनराशि से बनाई गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अशरफ खांडे के खिलाफ संबंधित पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस के तहत एफआईआर दर्ज की गई। यह अटैचमेंट कुलगाम पुलिस की ड्रग तस्करों के वित्तीय नेटवर्क को खत्म करने और यह स्पष्ट संदेश देने की लगातार और रणनीतिक कोशिशों का हिस्सा है कि अपराध का अंजाम क्या होता है। एसएसपी कुलगाम ने बताया कि कुलगाम पुलिस ने ड्रग ट्रैफिकिंग और नारकोटिक्स से जुड़ी गतिविधियों के खिलाफ ज़ीरो-टॉलरेंस पॉलिसी अपनाई है। उन्होंने चेतावनी दी कि कोई भी व्यक्ति जो ड्रग पेडलिंग, फाइनेंसिंग, अपराधियों को पनाह देने या नारकोटिक्स ट्रेड के लिए सपोर्ट नेटवर्क बनाने में शामिल पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसमें प्रॉपर्टी अटैच करना, वित्तीय जांच करना और कानून के कड़े नियमों के तहत मुकदमा चलाना भी शामिल है। एसएसपी ने कहा कि ड्रग तस्करों की गैर-कानूनी धनराशि की पहचान की जाएगी, उन्हें जब्त किया जाएगा और खत्म किया जाएगा।

कई राज्यों में चुनाव से पहले आक्रामक दिख रहे राहुल गांधी... संसद से सड़क तक मोदी सरकार को घेरने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र 2026 के पहले चरण में कांग्रेस नेता राहुल गांधी विपक्ष के सबसे बड़े चेहरे के रूप में उभरे। उन्होंने सदन में करीब 50 मिनट तक प्रधानमंत्री मोदी और एनडीए सरकार की नीतियों पर बिना रुके हमला बोला। राहुल की इस नई और आक्रामक शैली ने न केवल कांग्रेस सांसदों में जोश हाई है, बल्कि विपक्षी गुट (इंडिया ब्लॉक) को भी एकजुट करने का काम कर दिया है।

उनके आक्रामक रुख और मोदी सरकार को असहज करने की क्षमता से कांग्रेस सांसद खुश दिख रहे है। वे अपने नेता के पीछे एकजुट दिखे, निलंबन झेला, धरने दिए, नारे लगाए और विपक्षी दलों से तालमेल बढ़ाया, ताकि पार्टी नेतृत्व के लिए 'फोर्स मल्टीप्लायर' की भूमिका निभा सकें।

एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर राहुल गांधी संसद के बाहर भी इसी फॉर्म में रहे, तब कांग्रेस पार्टी की स्थिति बेहतर हो सकती है, लेकिन दुर्भाग्य से अतीत में ऐसा नहीं हुआ।

राहुल गांधी ने संसद में प्रधानमंत्री मोदी पर आरोप लगाया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में आकर इंडो-यूएस समझौते पर घुटने टेक दिए हैं। राहुल गांधी ने विरोध स्वरूप सांसदों को सुझाव दिया कि प्रदर्शन के दौरान गौतम अडानी, ट्रंप और नरेंद्र मोदी की तस्वीरों वाले पोस्टर लगाए जाएं, ताकि यह स्थापित किया जा सके कि केंद्र सरकार की कॉर्पोरेट के साथ सांठगांठ है।

वहीं शुक्रवार को राहुल गांधी ने किसान नेताओं के साथ अहम बैठक की। हालांकि इसमें से कई कांग्रेस के किसान विंग से जुड़े थे, लेकिन इसका संदेश साफ था-राहुल खुद को किसान समर्थक और सरकार को किसान विरोधी के रूप में दिखाना चाहते है। उनका लक्ष्य कृषि संकट को एक बड़े चुनावी मुद्दे में बदलना है। कांग्रेस ने एप्स्टीन फाइल्स विवाद को भी राजनीतिक हथियार बनाने की तैयारी कर ली है।

इसके अलावा, पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे की किताब के संदर्भों को उठाकर राहुल गांधी राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर पीएम की 56 इंच की छाती वाली छवि को चुनौती दे रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राहुल गांधी की असली परीक्षा संसद के भाषणों में नहीं, बल्कि जमीन पर है। कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी बाधा उनके संगठनात्मक ढांचे की कमजोरी है। वोटर अधिकार यात्रा और मनरेगा के विरोध में किए गए प्रदर्शन अब तक व्यापक जन-आंदोलन का रूप नहीं ले पाए हैं।

पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और केरल में होने वाले चुनावों को देखकर राहुल गांधी अपने तीखे तेवर ढीले करने के मूड में नहीं हैं। उनका स्लोगन जो उचित समझो वही करो सीधे तौर पर सरकार की निर्णय लेने की क्षमता पर कटाक्ष है, जिसे वे चुनावी रैलियों में प्रमुखता से इस्तेमाल कर सकते है। बजट सत्र के पहले चरण में राहुल गांधी की बॉडी लैंग्वेज और आक्रामक शैली से संकेत मिलता है कि वे राजनीतिक रूप से उत्साहित हैं और मोदी सरकार पर दबाव बनाए रखने के इरादे में हैं।

पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज की जयंती पर देश के दिग्गजों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व विदेश मंत्री और पद्म विभूषण से सम्मानित सुषमा स्वराज की जयंती के अवसर पर देश के शीर्ष नेताओं ने उन्हें याद करते हुए अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनके व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को नमन किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुषमा स्वराज को याद करते हुए कहा कि संगठन से लेकर सरकार तक, जनकल्याण को अपने जीवन का मुख्य ध्येय बनाने वाली सुषमा जी राष्ट्रहित के विषयों पर अपनी निर्भीकता के लिए जानी जाती थीं। उन्होंने कहा कि देश, संस्कृति, भाषा, विदेश नीति और विशेष रूप से नारी सशक्तीकरण के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्य आने वाले कई दशकों तक देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी उन्हें विनम्र अभिवादन करते हुए एक कुशल प्रशासक के रूप में याद किया। वहीं, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने उन्हें ओजस्वी वाणी की धनी और संवेदनशीलता व सेवा की सजीव प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि उनके आदर्श सदैव जनसेवकों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी सुषमा स्वराज को एक अद्भुत वक्ता और कुशल राजनीतिज्ञ के रूप में परिभाषित किया। उन्होंने उल्लेख किया कि विदेश मंत्री के रूप में उन्होंने वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया और संकट में फंसे भारतीयों के प्रति हमेशा आत्मीयता और तत्परता का परिचय दिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि सुषमा स्वराज का जीवन भारतीय राजनीति में शुचिता, सामर्थ्य और संवेदना की एक ऐसी त्रिवेणी थी, जिसने सत्ता को सेवा के उच्चतम प्रतिमानों पर स्थापित किया। उनकी विद्वत्ता और शालीनता की अमिट छाप भारतीय राजनीति के क्षितिज पर हमेशा बनी रहेगी। सुषमा स्वराज न केवल एक ओजस्वी वक्ता थीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं से भरी एक ऐसी नेत्री थीं, जिन्होंने कूटनीति को आम जनमानस की मदद का जरिया बनाया।

प्रधानमंत्री मोदी की असम यात्रा: सीएम सरमा बोले- विकास और कनेक्टिविटी की नई शुरुआत

गुवाहाटी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अपनी असम यात्रा के दौरान राज्य को विकास की कई बड़ी सौगातें देंगे। प्रधानमंत्री के आगमन पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने उनका भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से खुशी जाहिर करते हुए कहा कि असम उन ऐतिहासिक प्रोजेक्ट्स के उद्घाटन का बेसब्री से इंतजार कर रहा है, जो कनेक्टिविटी, टेक्नोलॉजी और विकास की गति को और तेज करेंगे।

प्रधानमंत्री के व्यस्त कार्यक्रम की शुरुआत डिब्रूगढ़ के मोरान बाईपास से होगी, जहां वे नवनिर्मित आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (ईएलएफ) का जायजा लेंगे। पूर्वोत्तर भारत में अपनी तरह की यह पहली सुविधा भारतीय वायुसेना के समन्वय से तैयार की गई है। इस रनवे को विशेष रूप से आपातकालीन स्थिति में सैन्य और नागरिक विमानों के संचालन के लिए डिजाइन किया गया है। यह न केवल रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान त्वरित बचाव और राहत कार्यों में भी मील का पत्थर साबित होगी। यह रनवे 40 टन तक के लड़ाकू विमानों और भारी परिवहन विमानों का भार सहने में सक्षम है। यात्रा के अगले चरण में प्रधानमंत्री गुवाहाटी पहुंचेंगे, जहां वे ब्रह्मपुत्र नदी पर निर्मित कुमार भास्कर वर्मा सेतु का उद्घाटन करेंगे। लगभग 3,030 करोड़ रुपये की लागत से बना यह पुल क्षेत्र में यातायात और व्यापार को सुगम बनाने में बड़ी भूमिका निभाएगा। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री गुवाहाटी के लचित घाट पर आयोजित एक भव्य समारोह में 5,450 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी करेंगे।

इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य असम में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री की इस यात्रा को असम और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए एक नई औद्योगिक और तकनीकी क्रांति की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। सरकार के इन कदमों से न केवल पर्यटन को लाभ मिलेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

अखिलेश का योगी पर हमला, शंकराचार्य के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल शाब्दिक हिंसा और पाप

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल शाब्दिक हिंसा और पाप है। अखिलेश यादव ने पोस्ट में लिखा कि किसी भी व्यक्ति की वाणी की गरिमा बनाए रखना चाहिए, और शंकराचार्य पर अभद्र टिप्पणी करना गंभीर अपराध है। उन्होंने कहा कि चापलूसी करने वालों को भी पाप लगेगा।

अखिलेश ने मुख्यमंत्री योगी के बयान का आलोचनात्मक विश्लेषण करते हुए कहा कि जो लोग महाकुंभ में हुई मौतों के वास्तविक आंकड़े नहीं बताते, मुआवजा में भ्रष्टाचार करते हैं और मुकदमे हटा लेते हैं, उनके पास किसी अन्य के धर्म या पद पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, जब इंसान नहीं, अहंकार बोलता है तो यही होता है, और यह अहंकार समाज में मान-सम्मान खोने का कारण बनता है। सपा नेता ने कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा नफरत की राजनीति की है और धर्म के मामलों में भी लोगों का अपमान किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि विवादित फिल्म को बिना नाम बदले ही कर मुक्त किया जा सकता है। अखिलेश यादव ने चेतावनी दी कि अगले चुनाव में जनता अपने अपमान का जवाब वोट के जरिए देगी।

दरअसल मुख्यमंत्री योगी ने विधानसभा में कहा था कि हर कोई शंकराचार्य की उपाधि का उपयोग नहीं कर सकता और सभी कार्यक्रमों में धार्मिक मर्यादा और कानून का पालन अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी को अपने नाम के आगे शंकराचार्य नहीं लिखने का अधिकार है और माहौल खराब नहीं किया जा सकता। इस विवाद ने उत्तर प्रदेश में धार्मिक और राजनीतिक संवेदनाओं को छू लिया है। अखिलेश यादव के अनुसार, शंकराचार्य पर दिया गया अभद्र बयान सदन में हमेशा के लिए दर्ज हो गया है और इस निंदनीय माना जाना चाहिए।

प्रयागराज में माघ मेले के दौरान जिला प्रशासन और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के बीच हुए विवाद के लगभग एक महीने बाद, मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हर कोई शंकराचार्य उपाधि का इस्तेमाल नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि सभी आयोजनों में धार्मिक मर्यादा और कानून का पालन होना चाहिए। योगी ने कहा, हर कोई अपने नाम के आगे शंकराचार्य नहीं लिख सकता। हर कोई किसी पीठ का आचार्य होने का दावा नहीं कर सकता और माहौल खराब नहीं कर सकता। सभी को कुछ हद में रहना पड़ता है।

16 फरवरी तक दो विस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय... कहीं तेज गर्मी, कही बर्फबारी के आसार

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश के पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 16 फरवरी तक दो विस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय हैं। इससे अगले दो दिन में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पहाड़ों पर बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। वहीं मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ में दिन का तापमान 30 डिग्री के पार हो चुका है। मध्य प्रदेश में शुक्रवार को 15 से ज्यादा शहरों में दिन का टेम्परेचर 30 डिग्री पार पहुंच चुका है। रात में भी पारा 10 डिग्री से ज्यादा है। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में पारा 30 डिग्री के पार हो चुका है। बांदा में अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री और प्रयागराज में 30.4 डिग्री दर्ज हुआ। वहीं छत्तीसगढ़ में औसतन तापमान में 1 से 2 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश का सबसे अधिकतम तापमान 32.7 डिग्री सेल्सियस जगदलपुर में दर्ज किया गया। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में कड़ाके की ठंड का असर साफ दिख रहा है। प्रदेश के सात शहरों का न्यूनतम तापमान -10 डिग्री से नीचे है। मुनस्यारी में सबसे कम पारा -26 डिग्री, गंगोत्री में -21 डिग्री और बद्रीनाथ में -19 डिग्री दर्ज किया गया। झारखंड में पिछले 24 घंटों में चार जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम रिकॉर्ड किया गया। इसमें डाल्टेनगंज, खूंटी, लोहरदगा और गुमला शामिल है। जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में अभी हल्की बर्फबारी का दौर चल रहा है। कश्मीर को जम्मू से जोड़ने वाली मुगल रोड पर कई फीट बर्फ जमी है, इसके कारण यह अभी भी बंद है। 15 फरवरी को हिमाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर घना कोहरा। अरुणाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर आंधी-तूफान के साथ बारिश की आशंका। 16 फरवरी को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बारिश-बर्फबारी की संभावना जाहिर की गई।

एआई के वैश्विक परिदृष्य में भारत एक अहम भूमिका निभाने को तैयार

-इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 दिल्ली में

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के वैश्विक परिदृश्य में भारत एक अहम भूमिका निभाने की तैयारी में है। नई दिल्ली में 19 और 20 फरवरी को आयोजित होने जा रहा इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 एक ऐसा अंतरराष्ट्रीय मंच होगा, जहां सरकारों, बड़ी टेक कंपनियों, स्टार्टअप, शोधकर्ताओं और निवेशकों की भागीदारी रहेगी। सम्मेलन का उद्देश्य एआई के सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभावों पर ठोस और व्यावहारिक चर्चा करना है।

यह समिट 'पीपल, प्लैनेट और प्रोग्रेस' के सिद्धांत पर आधारित है। इसके तहत एआई के विकास को मानव गरिमा और समावेशन से जोड़ते हुए पर्यावरणीय संतुलन तथा साझा वैश्विक प्रगति सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाएगा। सम्मेलन में एथिकल एआई, नीतिगत ढांचा, निवेश के अवसर, डिजिटल अर्थव्यवस्था और वैश्विक सहयोग जैसे विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस एआई एक्शन सम्मिट के दौरान भारत में इस समिट के आयोजन की घोषणा की थी। माना जा रहा है कि यह ग्लोबल साउथ में आयोजित होने वाला पहला बड़ा एआई शिखर सम्मेलन होगा, जो विकासशील देशों की आवाज को वैश्विक मंच पर मजबूती देगा।

भारत में इसके आयोजन के पीछे देश की तेजी से बढ़ती डिजिटल क्षमता और एआई क्षेत्र में उभरती ताकत प्रमुख कारण हैं। डिजिटल इंडिया और इंडिया एआई मिशन जैसी पहलों ने एआई अनुसंधान, स्टार्टअप इकोसिस्टम और डिजिटल अवसंरचना को मजबूत किया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि एआई शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और शासन जैसे क्षेत्रों में व्यापक बदलाव ला सकता है। हालांकि, रोजगार में बदलाव, एल्गोरिदमिक पूर्वाग्रह और ऊर्जा खपत जैसी चुनौतियां भी सामने हैं। ऐसे में यह समिट अवसरों और जोखिमों के बीच संतुलन बनाते हुए मापनीय और ठोस परिणामों पर केंद्रित रहेगा। भारत इस आयोजन के माध्यम से स्वयं को एक जिम्मेदार, समावेशी और वैश्विक एआई हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में

शिवराज का राहुल गांधी पर आरोप, कब तक किसानों को गुमराह करने का काम करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बार-बार झूठ बोलकर किसानों को गुमराह करने में जुटे हैं और भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर जनता में भ्रम पैदा कर रहे हैं। कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता किसानों, मछुआरों, कारीगरों, स्टार्टअप्स और लघु एवं मध्यम उद्यमों के अधिकारों की रक्षा करता है।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भारत और अमेरिका के बीच हुए समझौते में देश के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। हमारे लघु एवं मध्यम उद्यमों, स्टार्टअप्स, किसानों, कारीगरों और मछुआरों के अधिकारों की रक्षा की गई है।

कृषि मंत्री ने दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते का बचाव कर कहा कि विनियमित लागत और सीमित मात्रा के कारण आयात प्रक्रियाएं किसानों के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सेब की बात कर रहे हैं। हम 55 लाख मीट्रिक टन सेब आयात करते हैं, और किस आधार पर? न्यूनतम आयात मूल्य 80 रुपये प्रति किलो है, और 25 रुपये प्रति किलो अतिरिक्त शुल्क लगता है, यानी लैंडिंग लागत 105 रुपये है। तब इससे किसानों को कैसे नुकसान हो रहा है?

वहीं कृषि मंत्री शिवराज ने कहा कि अखरोट के मामले में भी लगातार गुमराह करने के प्रयास हो रहे हैं। भारत पहले से ही 60,000 मीट्रिक टन अखरोट आयात करता है। केवल 13,000 मीट्रिक टन का सीमित कोटा ही आवंटित किया है।

उन्होंने राहुल गांधी पर तीखा प्रहार कर यह दावा कि कांग्रेस सरकार के दौरान आयात के दरवाजे पूरी तरह बंद कर दिए गए थे, गलत है। कांग्रेस शासनकाल में भी 20 अरब डॉलर मूल्य की कृषि उपज आयात की जाती थी। डेयरी उत्पाद भी आयात किए जाते थे। देश को जिस चीज की जरूरत होती है, वह आयात की जाती है।

देश में गड्ढों में गिरकर 5 साल में हुई 9 हजार 438 लोगों की मौत... इस मामले यूपी टॉप पर

-मध्यप्रदेश का दूसरा नंबर

नई दिल्ली (एजेंसी)। गड्ढों में गिरकर लोग दम तोड़ते रहे और देश भर में सरकारें तमाशबीन बनकर सब देखती रहीं। बीते 5 साल के आंकड़े देखकर कुछ ऐसा लगता है। पांच सालों में देश के 9 हजार 438 लोगों की जान गडढ़ों में गिरने से चली गई।

इन 5 सालों में लापरवाही के मामले उत्तर प्रदेश (यूपी) टॉप पर है। आप ये जानकर हैरान रह जाएंगे कि उत्तर प्रदेश में गड्ढों के कारण मरने वालों की संख्या पूरे देश के कुल आंकड़े में आधे से अधिक है। यूपी में इन 5 सालों के अंदर 5 हजार 127 लोगों की मौत हुई है। सरकारी आंकड़े में हैरान करने वाला फैक्ट भी सामने आया है, जिसके मुताबिक बिहार, गोवा, चंडीगढ़ और आंध्र प्रदेश में इन 5 सालों में गड्ढे से गिरने के कारण एक भी शख्स की जान नहीं गई है।

मृतकों की संख्या में 53 फीसदी उछाल

सड़क परिवहन और राजमार्ग मन्त्रालय की ओर से लोकसभा में बताया गया है कि 2020 की तुलना में साल 2024 में गड्ढों में गिरकर मरने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। साल 2020 में जहां 1,555 लोगों की मौत गड्ढों में गिरकर हुई थी। वहीं साल 2024 में यह संख्या बढ़कर 2,385 हो गई। आंकड़ों के हिसाब से इस तरह के मामलों में 53 फीसदी का उछाल रिकॉर्ड किया गया। इस सूची में यूपी शीर्ष पर है और दूसरे नंबर पर मध्य प्रदेश का नाम है। मध्यप्रदेश के अंदर इन 5 सालों में 969 लोगों की मौत हुई। इसके बाद 612 नंबरों के साथ तमिलनाडु तीसरे नंबर। वहीं 425 के साथ ओडिशा चौथे नंबर पर रहा। पंजाब में गड्ढों में गिरकर 414 तो असम में 395 लोगों की मौत हुई।

देश की राजधानी दिल्ली में गड्ढे में गिरकर युवक की मौत के कारण पूरे देश में चर्चा का विषय बनी। लेकिन आपको जानकार हैरानी होगी कि पिछले 5 सालों में दिल्ली के अंदर इस तरह से मौत के 50 मामले ही दर्ज हुए हैं। आंकड़ों के हिसाब से उत्तर पूर्वी राज्यों ने सूची में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। मणिपुर, नगालैंड और त्रिपुरा में गड्ढों में गिरकर हुई मौत का एक भी केस दर्ज नहीं किया गया है। आंध्र प्रदेश जैसे बड़े राज्य में भी गड्ढों में गिरकर एक भी मौत का केस नहीं आया है। हालांकि, एक भी मौत न होने के मामले में बिहार का नाम चौंकाने वाला है, जहां बेहद लंबा रोड नेटवर्क है। सड़क एवं परिवहन मंत्रालय ने जो आंकड़े पेश किए हैं, उसके मुताबिक साल 2027 की तुलना में गड्ढों में गिरकर हुई मौतों के मामले में कमी आई है। तब एक साल के अंदर 3,597 लोगों की मौत हुई थी।

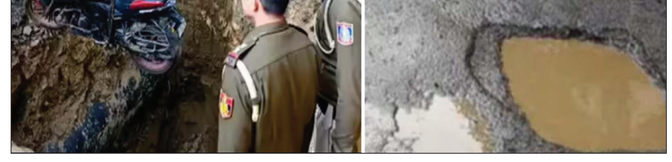

ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले 1281 टीएसआर के चालान

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने पूर्वी दिल्ली के उत्तर-पूर्वी जिले में अन्य राज्यों में रजिस्टर्ड तीन पहिया स्कूटर रिक्शा (टीएसआर) के खिलाफ कड़ा अभियान शुरू किया। ये वाहन ट्रैफिक नियम तोड़कर जाम, अवैध पार्किंग और सार्वजनिक असुविधा पैदा करते हैं। उपायुक्त ट्रैफिक पुलिस सतीश कुमार ने बताया कि शिव विहार, लोनी और खजूरी खास के आरडब्ल्यूए तथा स्थानीय निवासियों की लगातार शिकायतों पर पुलिस ने प्रमुख चौराहों, मुख्य सड़कों, बॉर्डर इलाकों और जाम वाली जगहों पर विशेष निगरानी और चेकिंग बढ़ाई। जांच में कई टीएसआर बिना वैध परमिट, फिटनेस सर्टिफिकेट, इंश्योरेंस व अन्य जरूरी दस्तावेजों के चलते पाए गए। यह वाहन ट्रैफिक नियमों का भी उल्लंघन करते पाए गए। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक अनुशासन बहाल करने के लिए विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। उल्लंघन करने वाले टीएसआर पर सख्त कार्रवाई हुई, जिसमें 1281 चालान काटे गए और गंभीर मामलों में 155 वाहन जब्त किए गए। उपायुक्त ने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा व सुगम यातायात के लिए अभियान जारी रहेगा। सभी से ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की है।

दो नाबालिगों ने एक नाबालिग की चाकू से गोदकर की हत्या, पुलिस ने आरोपियों को पकड़ा

नई दिल्ली। अपने शहर के ई-पेपर, सभी ताज़ा खबरें और ऐड फ्री अनुभव के लिए अमर उजाला प्रीमियम सब्सक्राइब करें पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त दराडे शरद भास्कर ने बताया कि रात करीब 9 बजे नाबालिग को चाकू मारे जाने की जानकारी पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल नाबालिग को तुरंत गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल ले गई। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उसके पेट में चाकू के घाव थे। सोहेल के पिता पेशे से दर्जी हैं। सोहेल अपने माता-पिता और दो भाइयों के साथ ख्याला इलाके में रहता था। पुलिस ने जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज की मदद से दो नाबालिगों को पकड़ लिया। दोनों आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि झगड़े के कारण उनलोगों ने उसपर हमला किया। जांच में पता चला कि पकड़े गए दोनों नाबालिग ने पढ़ाई छोड़ दी है।

अपराध की राह पर बचपन, राजधानी में दुष्कर्म में लिप्त नाबालिगों की संख्या में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। कभी स्कूल की घंटी और खेल के मैदान से पहचाना जाने वाला बचपन अब अपराध के आंकड़ों में दर्ज हो रहा है। राजधानी दिल्ली में नाबालिगों के हाथों दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराधों में आई 121.21 प्रतिशत की बढ़ोतरी न सिर्फ कानून व्यवस्था, बल्कि पूरे समाज के लिए गहरी चिंता का संकेत है। वर्ष 2024 में दुष्कर्म करने के आरोप में 66 नाबालिग पकड़े गए थे, जबकि 2025 में ये आंकड़ा 146 तक पहुंच गया। सभी तरह के अपराधों में नाबालिगों के शामिल होने की संख्या में 21.67 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। आंकड़ा बताता है कि बच्चों का एक हिस्सा किस तेजी से गलत राह पर फिसल रहा है और यह सवाल खड़ा कर रहा है कि आखिर हम अपने बच्चों को किस दिशा में छोड़ आए हैं। कोई ऐसा दिन नहीं जाता है, जिस दिन अखबार में बाल अपराध से जुड़ी खबर न होती हो। इस विषय में दिल्ली पुलिस, सरकार और बच्चों की बेहतरी के लिए कार्य कर रहे एनजीओ को गंभीरता से सोचना और काम करना होगा। दिल्ली पुलिस की ओर से उपलब्ध कराए गए ये आंकड़े भारतीय आचार संहिता (बीएनएस) व आईपीसी के तहत दर्ज मामलों का है। दिल्ली पुलिस एक्ट के मामलों में कुल अपराध में 17.22 फीसदी का इजाफा हुआ है। बीएनएस और आईपीसी के तहत जहां वर्ष 2024 में 2999 नाबालिग पकड़े गए थे, वहीं वर्ष 2025 में पकड़े गए नाबालिगों की संख्या 3649 हो गई। कुल अपराध में वर्ष 2024 में 3270 नाबालिग पकड़े गए थे, जबकि वर्ष 2025 में ये आंकड़ा 3833 तक पहुंच गया। साल 2025 में दिल्ली में नाबालिगों की ओर से किए जा रहे अपराध अचानक सुर्खियों में आ गए हैं। बढ़ते अपराधों ने पुलिस को सतर्क कर दिया है। दिल्ली में कई जिला पुलिस नाबालिगों को अपराध से दूर करने के लिए कार्यक्रम चला रही हैं। इसमें एनजीओ, मनोचिकित्सक की सहायता ली जा रही है। नाबालिगों को अपराध की दुनिया से निकाल कर रोजगार में लगाया जा रहा है। कई बच्चे स्कूल बीच में छोड़ देते हैं और घर पर उनकी सही निगरानी नहीं हो पाती। माता-पिता के व्यस्त जीवन और टूटती पारिवारिक संरचना का असर बच्चों के व्यवहार पर साफ दिखने लगा है। गलत संगत में पड़े बच्चे धीरे-धीरे अपराध की ओर बढ़ जाते हैं और घरवालों को इसका अंदाजा भी नहीं होता। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने कम उम्र के बच्चों को एक ऐसी दुनिया दे दी है, जहां लोकप्रियता और स्टाइल की होड़ चलती रहती है। हथियार दिखाने वाले वीडियो, गैंगस्टर जैसे रील, और 'हीरो' बनने की चाह उन्हें गलत दिशा में धकेलने लगी है। बच्चों को यह समझ ही नहीं आता कि मनोरंजन के नाम पर देखा गया कंटेंट वास्तविक दुनिया में क्या असर डाल सकता है। दिल्ली में सक्रिय

कई अपराधी गिरोह अब नाबालिगों को अपने साथ जोड़ने लगे हैं। उन्हें पैसों या नशे का लालच दिया जाता है और फिर छोटे-बड़े अपराध करवाए जाते हैं। गैंगस्टर जानते हैं कि नाबालिगों को कानून के तहत कम सजा मिलती है, इसलिए वे जोखिम भरे काम इन्हीं से करवाते हैं। बाइक चलाने वाले किशोर इन गिरोहों के सबसे आसान शिकार बन जाते हैं। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि संयुक्त परिवारों के बिखरने से बच्चों का भावनात्मक संतुलन कमजोर हुआ है। बड़े-बुजुर्गों की सीख, भाई-बहनों का सहारा और परिवार की सामूहिक देखभाल ने बच्चों को हमेशा सुरक्षित रखा था। अब बच्चों के पास न तो सही मार्गदर्शन है और न ही वह माहौल, जो उन्हें गलत कामों से दूर रख सके। किशोर उम्र में आकर्षण और जिज्ञासा स्वाभाविक है, लेकिन मोबाइल और सोशल मीडिया पर आसानी से उपलब्ध आपत्तिजनक सामग्री बच्चों के दिमाग पर गहरा प्रभाव डालती है। वे संबंधों, सफलता और प्रसिद्धि को बहुत हल्के में समझने लगते हैं और साथियों को प्रभावित करने के लिए गलत फैसले ले बैठते हैं। दिल्ली पुलिस नाबालिगों को अपराध की दुनिया से निकालने के लिए कई कदम उठा रही है। पुलिस के साथ ही साथ समाज को भी जिम्मेदारी है कि इन्हें गलत मार्ग पर जाने से रोका जाए। दिल्ली पुलिस अपनी ओर से नाबालिगों के लिए, रूरल प्रतियोगिता, एंट्री ड्रग्स क्लब, युवा कार्यक्रम, प्रहरी क्लब के साथ ही बस्तियों में जाकर संपर्क भी करती है। एनजीओ, मनोचिकित्सक और शिक्षकों की सहायता भी ली जाती है।

PLASTINDIA 2026 में सुप्रीम इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ने 'ग्रिहम' – अपने uPVC डोर्स एवं विंडोज़ वर्टिकल का किया शुभारंभ

नई दिल्ली। भारत की अग्रणी पॉलिमर प्रसंस्करण कंपनी सुप्रीम इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ने PLASTINDIA 2026 में अपने नए business वर्टिकल 'ग्रिहम' की घोषणा की। संस्कृत के 'घर' शब्द से प्रेरित यह ब्रांड आधुनिक भारतीय जीवनशैली को नवाचार, टिकाऊपन और सशक्त डिज़ाइन के माध्यम से नया आयाम देने की परिकल्पना है। ग्रिहम केवल एक उत्पाद नहीं, बल्कि एक समग्र जीवन अनुभव है, जो uPVC दरवाज़ों और खिड़कियों के माध्यम से आराम, सुरक्षा और सौंदर्य को पुनर्परिभाषित करता है। उन्नत निर्माण तकनीक, बेहतर इन्सुलेशन और विश्वसनीयता के संगम से तैयार यह ब्रांड हर उस घर की पहचान बनने को तैयार है, जो भविष्य-उन्मुख और व्यवस्थित जीवन की कल्पना करता है। यह ब्रांड न केवल तकनीकी उत्कृष्टता बल्कि हर ग्राहक संवाद में पारदर्शिता, सम्मान और जवाबदेही भी सुनिश्चित करता है। सुप्रीम की सशक्त पॉलिमर विशेषज्ञता से समर्थित ग्रिहम ने अगली पीढ़ी की सिस्टम door and विंडोज़ प्रस्तुत की हैं, जो द्वश्नह्ल-चैंबर प्रोफाइल से लैस हैं और बेहतर मजबूती, उच्च थर्मल इन्सुलेशन

तथा श्रेष्ठ ध्वनि नियंत्रण प्रदान करती हैं। बड़े स्पैन की ओपनिंग के लिए डिज़ाइन की गई ये प्रणालियाँ संरचनात्मक सुदृढ़ता से समझौता किए बिना विस्तृत दृश्य और प्राकृतिक रोशनी सुनिश्चित करती हैं। धूल, शोर, Heat जैसी रोज़मर्रा की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए ग्रिहम उत्पाद मौसमरोधी और दीमकरोधी संरचना, अग्निरोधी क्षमता, धूल एवं प्रदूषण नियंत्रण, उच्च सुरक्षा मानक, ध्वनि न्यूनीकरण और न्यूनतम रखरखाव जैसी विशेषताओं से सुसज्जित हैं। ऊर्जा दक्षता को मूल में रखकर विकसित ग्रिहम प्रणालियाँ ऊर्जा खपत में 30 प्रतिशत तक की कमी लाने में सहायक हैं, जिससे इनडोर आराम बढ़ता है और सतत जीवनशैली को बढ़ावा मिलता है। पर्यावरण-अनुकूल एवं पूर्णतः पुनर्चक्रणीय सामग्री से निर्मित ये उत्पाद प्रदर्शन और पर्यावरणीय दायित्व के बीच उत्कृष्ट संतुलन स्थापित करते हैं। ग्रिहम, ग्राहक अनुभव को एक संपूर्ण यात्रा के रूप में देखता है, जो साइट निरीक्षण और आवश्यकताओं के आकलन से शुरू होकर वैयक्तिकृत डिज़ाइन प्रस्ताव, उच्च सटीकता के साथ मापन, यूरोपीय तकनीक एवं कठोर गुणवत्ता परीक्षण के साथ निर्माण, व्यावसायिक एवं स्वच्छ स्थापना, पूर्ण प्रदर्शन एवं जानकारी के साथ हैंडओवर और अंततः आजीवन सेवा एवं विश्वसनीयता तक विस्तारित है। यह समग्र दृष्टिकोण तीव्र डिलीवरी, सटीक अनुकूलन और निरंतर गुणवत्ता सुनिश्चित करता है। ग्रिहम की विनिर्माण इकाई 34 एकड़ में फैली अत्याधुनिक सुविधा से संचालित है, जहाँ भारत का पहला डबल-स्टोरी इंटीग्रेटेड प्लांट स्थापित किया गया है, जिसमें एक्सट्रूज़न और फैब्रिकेशन एक ही छत के नीच किए जाते हैं। IoT-सक्षम मशीनरी, AI-आधारित गुणवत्ता नियंत्रण और डेटा-संचालित प्रक्रियाएँ तीव्र टर्नअराउंड, उच्च परिशुद्धता और स्केलेबल उत्पादन को संभव बनाती हैं। ग्रिहम के अंतर्गत प्रस्तुत एक महत्वपूर्ण नवाचार सुप्रीम डेको-शील्ड टेक्नोलॉजी है, जो भारतीय बाज़ार में अपनी तरह की पहली पहल है। यह तकनीक बिना लैमिनेशन फ़ॉइल के वुड ग्रेन, मार्बल फिनिश, मेटैलिक टेक्सचर और कस्टम पैटर्न जैसी अनंत डिज़ाइन संभावनाएँ प्रदान करती है। पर्यावरण-अनुकूल, जल-आधारित इंक से निर्मित यह प्रक्रिया तीव्र उत्पादन, यूवी प्रतिरोध, रंग स्थिरता, उच्च सौंदर्य अपील और पूर्णतः इको-फ्रेंडली निर्माण सुनिश्चित करती है। सुरक्षा और सुविधा को और सुदृढ़ बनाते हुए ग्रिहम दरवाज़ों और खिड़कियों में स्मार्ट डिजिटल लॉक का एकीकरण करता है, जो कीलेस एक्सेस, मोबाइल ऐप नियंत्रण, रियल-टाइम नोटिफिकेशन और वॉयस कमांड संगतता जैसी सुविधाओं से लैस हैं, जिससे आधुनिक जीवन में सुरक्षा का समावेश होता है। स्लाइड एंड फोल्ड डोर्स, स्लाइडिंग डोर्स एवं विंडोज़, केसमेंट डोर्स एवं विंडोज़, टिल्ट एंड टर्न विंडोज़, ट्विन सैश विंडोज़, आर्च विंडोज़, वर्टिकल स्लाइडर्स और पैरेलल विंडोज़ सहित विस्तृत उत्पाद पोर्टफोलियो के साथ ग्रिहम यूरोपीय तकनीक, सतत विनिर्माण प्रथाओं और ग्राहक-केंद्रित अनुकूलन का समन्वय करता है। स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग से लेकर आजीवन सेवा सहायता तक, यह ब्रांड आधुनिक घरों और वाणिज्यिक स्थानों के लिए सुरक्षित, सुंदर और सतत जीवन-स्थलों का निर्माण करता है। ग्रिहम केवल एक उत्पाद श्रृंखला नहीं, अपितु एक विचार है—सुरक्षित, सुंदर और सतत जीवन का विचार। यूरोपीय तकनीक, भारतीय परिवेश और सुप्रीम के पॉलिमर सामर्थ्य का यह संगम भारत में डोर्स एवं विंडोज़ बाज़ार को नया मुकाम प्रदान करेगा।

खतरे में भारत के पुरुष- 25 साल की उम्र में कमर दर्द को न करें नजरअंदाज

नई दिल्ली। अगर 20-30 साल की उम्र में कमर या पीठ में लगातार दर्द रहता है, तो इसे हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। स्वामी दयानंद (एसडीएन) अस्पताल ने कैस इंडिया फाउंडेशन के साथ मिलकर मंगलवार को एक जागरूकता कार्यक्रम रुमो-ऑर्थो डॉक्टॉक का आयोजन किया। इसमें युवाओं में बढ़ रही रूमेटिक और ऑर्थोपेडिक बीमारियों पर चिंता जताई। कार्यक्रम में डॉक्टरों ने बताया कि कई रूमेटोलॉजिक बीमारियां कम उम्र में ही शुरू हो जाती हैं, लेकिन जानकारी की कमी के कारण लोग समय पर इलाज नहीं कराते। एसडीएन अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. नरोत्तम दास ने कहा कि सही जानकारी और समय पर जांच गंभीर बीमारियों को बढ़ने से रोक सकती है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए बताया कि लगातार सिरदर्द को नजरअंदाज करने पर एक महिला में ब्रेन ट्यूमर पाया गया, लेकिन समय पर जांच से उसकी जान बच सकी। अस्पताल के ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. गौरव शर्मा ने बताया कि सुबह के समय कमर में अकड़न, आराम करने पर दर्द बढ़ना और लंबे समय तक पीठ दर्द रहना एंकिलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस नाम की बीमारी के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। यह बीमारी रीढ़ की हड्डी को नुकसान पहुंचा सकती है और भारत में यह पुरुषों में ज्यादा पाई जाती है। कैस इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष अंकुर शुक्ला ने कहा कि इस तरह की बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाना बहुत जरूरी है ताकि समय पर इलाज शुरू हो सके। उन्होंने यह भी बताया कि भारत में विशेषज्ञ डॉक्टरों और इलाज की सुविधा कई देशों की तुलना में ज्यादा आसानी से उपलब्ध है। कार्यक्रम के अंत में डॉक्टरों ने साफ संदेश दिया

दो दिन दिल्ली के कई इलाकों में रहेगा पानी का संकट, कहीं आपका इलाका तो इसमें शामिल नहीं ?

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड भूमिगत जलाशयों और बूस्टर पंपिंग स्टेशनों की वार्षिक फ्लशिंग कर रहा है। ऐसे में 11 और 12 फरवरी को दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के कई इलाकों में पानी नहीं आएगा। 11 फरवरी को हिरनकूदना, बक्करवाला गांव, लोकनायक पुरम, टिकरी गांव, मुंडका गांव, नीलवाल गांव, स्वर्ण पार्क सहित किशनगढ़ और महरौली, एलआईजी पुल प्रह्लादपुर और एचआर-ब्लॉक पीपी पुरम क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति बाधित रहेगी। 12 फरवरी को अर्जुन पार्क, इंद्रा पार्क, नांगली सकरावती, प्रेम विहार, निरंजन पार्क, नांगली विहार एक्सटेंशन पार्ट-1, जेमिनी पार्क, घासीपुरा गांव, राणा जी एन्क्लेव, श्याम विहार फेज-1 व 2 और उससे सटे इलाके, दीनपुर गांव, पपरावट गांव, नया बाजार, विजय पार्क, साईं बाबा एन्क्लेव, रोशन मंडी, नाथूराम पार्क, दीपक विहार, अजय पार्क, किशनगढ़-महरौली, मक्सूदाबाद, लोकेश पार्क, वीरेंद्र मार्केट, पीटीसी झौड़ादा, पंचमुखी मंदिर, लाल कुआं और चुंगी नंबर-2 लाल कुआं में जलापूर्ति प्रभावित होगी।

सरकार की आगामी नीति से उम्मीद है कि ई-रिक्शा संचालन अधिक सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की औसत मासिक आय में इस वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। नवंबर तक निगम की औसत मासिक कमाई 91 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गई। जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा करीब 68 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 में डीटीसी की टिकट आय 326.8 करोड़ रुपये रही थी। वहीं, 2025-26 में नवंबर तक 238.4 करोड़ रुपये की कमाई दर्ज की जा चुकी है। अधिकारियों का अनुमान है कि यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष से आगे निकल सकता है। औसत मासिक आय, जो पहले लगभग 68 करोड़ रुपये थी, अब बढ़कर 91.11 करोड़ रुपये हो गई है। हां, टिकट के अलावा अन्य स्रोतों से होने वाली कमाई में भी बढ़ोतरी हुई है।विशेष किराये (स्पेशल हायर) पर बस सेवाओं से पिछले वित्त वर्ष में 82 करोड़ रुपये की आय हुई थी। जबकि इस वर्ष नवंबर तक 65 करोड़ रुपये प्राप्त हो चुके हैं। इससे सरकारी विभागों और अन्य संस्थाओं की बढ़ती मांग का संकेत मिलता है। विविध आय, जिसमें किराया प्राप्ति, कबाड़ निपटान और अन्य सहायक स्रोत शामिल हैं, भी डीटीसी की आय का अहम हिस्सा रही है।पिछले वित्त वर्ष में यह आय 98 करोड़ रुपये से अधिक थी। जबकि इस वर्ष नवंबर तक यह बढ़कर 144 करोड़ रुपये पहुंच गई है। यह बढ़ोतरी निगम को वित्तीय राहत प्रदान कर रही है। परिवहन विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती आय सकारात्मक संकेत है, लेकिन केवल राजस्व वृद्धि से दीर्घकालिक वित्तीय चुनौतियों का समाधान नहीं होगा। लागत प्रबंधन और संचालन सुधार भी उतने ही जरूरी हैं।

मरीज से बात करते हुए डॉक्टरों ने किया किडनी ट्रांसप्लांट, मां ने दान की किडनी

नई दिल्ली। इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज (आईएलबीएस) में पहली बार अवेक किडनी ट्रांसप्लांट किया गया। ट्रांसप्लांट के दौरान मरीज होश में रहा, डॉक्टर उससे बात करते रहे। उसने मां का हालचाल पूछा। डॉ अभियुत्थान सिंह ने बताया कि ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया में जनरल एनेस्थीसिया की जगह एपिड्यूरल एनेस्थीसिया दिया गया। इसमें मरीज के नाभि से नीचे वाले हिस्से को सुन्न कर दिया जाता है। सुन्न करने के लिए एक कैथेटर (पतली ट्यूब) के माध्यम से रीढ़ की हड्डी के पास एपिड्यूरल स्पेस में दवा दी जाती है। इसमें एनेस्थीसिया विभाग के प्रमुख डॉ गौरव सिंधवानी ने सहयोग किया। मरीज को उसकी मां ने किडनी दान की है। ट्रांसप्लांट के दौरान मरीज ने अपनी मां की सेहत के बारे में भी पूछा। मां से किडनी निकालने में करीब ढाई घंटे का समय लगा और उसके बाद मरीज को किडनी लगाने में लगभग तीन घंटे का समय लगा। किडनी ट्रांसप्लांट होने के बाद मरीज ने यूरिन आने की जानकारी खुद से दी। ट्रांसप्लांट के अगले ही दिन मरीज ने खाना शुरू कर दिया और चलने-फिरने लगा। नई दिल्ली। एम्स ने एक साल में दस हजार सर्जरी का रिकॉर्ड बनाया है। सर्जिकल डिसिप्लिन्स विभाग ने इसमें अलग-अलग तरह की सर्जरी की है। अस्पताल मंगलवार को इस बारे में प्रेस वार्ता करेगा। बता दें कि ओपन सर्जरी, लेप्रोस्कॉपी और रोबोट की मदद से मरीजों की हर प्रकार की सर्जरी की गई। इससे पहले एम्स ने 13 महीने में एक हजार रोबोटिक सर्जरी करने का रिकॉर्ड बनाया था, जिसमें सबसे अधिक गॉल ब्लैडर की सर्जरी हुई थी।

एनजीटी ने लोनी रोड के एसटीपी पर सुधारात्मक कार्रवाई के लिए डीजेबी को दिए निर्देश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को पूर्वी दिल्ली के लोनी रोड इलाके में एक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की खराब देखभाल और इससे जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य ए. सेंथिल वेल की पीठ ने कहा कि निवासियों की शिकायत गंभीर है और इसका उचित जांच व समाधान जरूरी है। डीजेबी के वकील ने आश्वासन दिया कि उचित कदम उठाए जाएंगे। पूर्वी दिल्ली के लोनी रोड स्थित एक रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) द्वारा पत्र याचिका के माध्यम से शिकायत की गई थी कि निकटवर्ती एसटीपी की ठीक से देखभाल न होने से दुर्गंधयुक्त गैसें निकल रही हैं, जिससे इलाके के निवासियों को सांस संबंधी समस्याएं, सिरदर्द और अन्य स्वास्थ्य परेशानियां हो रही हैं। अधिकरण ने कहा कि शिकायत

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

सार्वजनिक सूचना

संगठनात्मक चुनाव एवं पदाधिकारियो की नियुक्ति की सूचना

यह सर्वसाधारण, पार्टी के सदस्यों, समर्थकों, वैधानिक प्राधिकरणों तथा समस्त संबंधित हितधारकों को सूचित किया जाता है कि **परिवर्तन राजनीतिक पार्टी** एक पंजीकृत राजनीतिक दल, का संगठनात्मक चुनाव पार्टी के संविधान, नियमों तथा लागू विधिक प्रावधानों के अनुरूप विधिवत रूप से संपन्न किया गया है।

उक्त संगठनात्मक चुनाव के परिणामस्वरूप, निम्नलिखित पदाधिकारियों का कार्यकाल **2026-2029** हेतु निर्वाचन/नियक्ति की गई है, जिन्होंने **14 फरवरी, 2026** से अपना पदभार ग्रहण कर लिया है-

1. **अध्यक्ष**-अनीथा यन्नम
2. **महासचिव**-विजय प्रताप रेड्डी तम्मा
3. **कोषाध्यक्ष**-सुधाकर रेड्डी यन्नम

चुनाव प्रक्रिया स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संपन्न की गई, तथा इसके परिणामों को पार्टी की सक्षम प्राधिकारी द्वारा विधिवत अनुमोदित एवं पुष्ठि की गई है।

यह सार्वजनिक सूचना सामान्य जानकारी, आधिकारिक अभिलेख तथा समस्त सरकारी विभागों, निर्वाचन प्राधिकरणों, बैंकों, संस्थानों, मीडिया संस्थानों एवं अन्य संबंधित निकायों को सूचित करने के उद्देश्य से जारी की जा रही है कि उपर्युक्त व्यक्ति पार्टी के अधिकृत प्रतिनिधि एवं पदाधिकारी है।

उपर्युक्त पदाधिकारियों द्वारा पार्टी की ओर से किया गया कोई भी संप्रेषण, पत्राचार अथवा लेन-देन वैध एवं पार्टी पर बाध्यकारी माना जाएगा।

जारी दिनांक: 15 फरवरी, 2026
पार्टी के आदेश से
परिवर्तन राजनीति पार्टी की ओर से

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **माणिक मजूमदार पुत्र कुमुद राजन मजूमदार** निवासी: ए-36, लोनी रोड, टीला मोड, इन्द्रप्रस्थ योजना टीला शाहबाजपुर, गाजियाबाद, उ.प्र. ने **FIR No. 06/2026 dt. 08.1.2026 U/S 318(4)/319/336(2)/336(3)/340(2)/61(2) भारतीय न्याय संहिता, थाना : अपराध शाखा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या सन्देह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त **माणिक मजूमदार** नही मिल रहा है और समाधानप्रद रूप से प्रदर्शित कर दिया गया है कि उक्त **माणिक मजूमदार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए छिपा हुआ है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 06/2026 dt. 08.1.2026 U/S 318(4)/319/336(2)/336(3)/340(2)/61(2) भारतीय न्याय संहिता, थाना : अपराध शाखा, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **माणिक मजूमदार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 30.03.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री मृदुल गुप्ता
एलडी. सीजेएम, 26 जी.एफ,
पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली

DP/1955/Crime/2026
(court notice)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हिसार में रात 10 बजे के बाद डीजे व लाउड स्पीकर बजाने पर लगा प्रतिबंध

एजेंसी

हिसार। जिलाधीश महेंद्र पाल ने हिसार उपमंडल क्षेत्र में ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के उद्देश्य से सक्षम प्राधिकारी द्वारा ध्वनि प्रदूषण कम करने के लिए अहम कदम उठाया है। जारी आदेशों केअनुसार हिसार उपमंडल की सीमा के भीतर कोई भी मैरिज हॉल, बैंक्वेट हॉल, ओपन एयर वेन्यू, डीजे संचालक अथवा कोई भी व्यक्ति रात्रि 10 बजे के बाद डीजे सिस्टम, लाउडस्पीकर या किसी भी प्रकार के एम्पलीफाइड म्यूजिक सिस्टम का संचालन नहीं करेगा या संचालन की अनुमति नहीं देगा। ध्वनि प्रणाली का उपयोग संबंधित क्षेत्र के लिए निर्धारित परिवेशीय ध्वनि मानकों के अनुरूप ही किया जाएगा तथा इससे आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा या परेशानी नहीं होनी चाहिए। संबंधित थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इस आदेश की सख्ती से पालना सुनिश्चित करें तथा उल्लंघन की स्थिति में कानून के प्रावधानों के तहत तत्काल कार्रवाई करें। इसमें ध्वनि उपकरणों की जब्ती तथा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986, बीएनएसएस की धारा 223 एवं धारा 152 के अंतर्गत कार्रवाई शामिल होगी। नगर निगम हिसार तथा जिला प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी को भी निर्देशित किया गया है कि किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम अथवा हॉल संचालन की अनुमति इन मानकों के पूर्ण अनुपालन के पश्चात ही प्रदान की जाए। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा और 60 दिनों तक प्रभावी रहेगा, जब तक कि इसे संशोधित या निरस्त न किया जाए। आदेश का उल्लंघन करने पर धारा 223 बीएनएसएस एवं संबंधित पर्यावरणीय कानूनों के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

गोरखधाम एक्सप्रेस का आदमपुर में होगा ठहराव, यात्रियों को हुई सहूलियत

हिसार। गोरखधाम एक्सप्रेस का अब आदमपुर रेलवे स्टेशन पर ठहराव होगा। इसके आदमपुर क्षेत्र के नागरिकों को सहूलियत होगी। मंत्री रणबीर गंगवा ने गाड़ी संख्या 12556/12555 बठिंडा-गोरखपुर-बठिंडा एक्सप्रेस के मंडी आदमपुर रेलवे स्टेशन पर आधिकारिक ठहराव उपरांत हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने आदमपुर वासियों को बधाई देते हुए कहा कि इससे युवाओं के लिए रोजगार और शिक्षा के अवसर आसान होंगे तथा क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि मंडी आदमपुर क्षेत्र के लोगों की यह लंबे समय से मांग थी। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि मंडी आदमपुर रेलवे स्टेशन को अमृत रेलवे योजना के अंतर्गत शामिल भी किया गया है। इस योजना के तहत स्टेशन के आधुनिकीकरण, सौंदर्यीकरण, साफ-सफाई, प्रतीक्षालयों के सुधार, पेयजल व्यवस्था, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, डिजिटल सूचना बोर्ड तथा यात्री सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल ठहराव देना ही नहीं, बल्कि स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करना भी है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि आने वाले समय में मंडी आदमपुर विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा।

स्वच्छ व सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना स्वच्छ भारत मिशन का प्रमुख उद्देश्य : सुभाष चंद्र

पलवल। कार्यकारी उपाध्यक्ष, राज्य स्तरीय कार्य बल स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा सुभाष चंद्र ने गांव कुसलीपुर स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में स्थापित शुद्ध आरओ पानी प्लांट एवं वाटर कूलर का रिबन काटकर विधिवत उद्घाटन किया। यह उद्घाटन समाजसेवी मनोज बैंसला द्वारा अपने पिता स्वर्गीय छज्जू राम बैंसला, माता स्वर्गीय मूर्ति देवी तथा धर्मपत्नी स्वर्गीय बाला देवी की पावन स्मृति में लगाया गया है। कार्यकारी उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र ने इस नेक पहल के लिए मनोज बैंसला और उनके परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना स्वच्छ भारत मिशन के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है। विद्यालयों में इस प्रकार की सुविधाएं बच्चों के स्वास्थ्य, स्वच्छता और नियमित उपस्थिति को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के शैक्षणिक संस्थानों में स्वच्छ जल की उपलब्धता से न केवल विद्यार्थियों को लाभ होता है, बल्कि शिक्षकों एवं विद्यालय स्टाफ को भी शुद्ध पेयजल मिलता है।

डिजिटल युग में भी रेडियो की लोकप्रियता बरकरार: कुलपति

सिरसा। चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय (सीडीएलयू) सिरसा के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने कहा कि मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस डिजिटल युग में भी रेडियो अपनी प्रासंगिकता बनाए हुए है और सामाजिक परिवर्तन में निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए रेडियो अब पॉडकास्ट, ऑनलाइन स्ट्रीमिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से नई पहचान बना रहा है। कुलपति विश्व रेडियो दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कुलपति ने कहा कि रेडियो के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वजह से एक नए युग का सूत्रपात हुआ है। रेडियो जनसंचार का सशक्त माध्यम है, जिसने देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत एक ग्रामीण प्रधान देश है, जहां आज भी दूर-दराज़ के गाँवों में रेडियो सूचना और जागरूकता का सबसे विश्वसनीय माध्यम बना हुआ है। उन्होंने कहा कि देशभर में संचालित सामुदायिक रेडियो स्टेशन महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास, सामाजिक जागरूकता और सरकारी जन-कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। रेडियो आज भी समाज को जोडऩे और सकारात्मक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम है।

आम आदमी पार्टी की विधायक द्वारा लगाए गए आरोप मनगढ़ंत : नायब सैनी

'पंजाब में कानून-व्यवस्था बिगड़ी, किसानों की हालत दयनीय'

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब में आम आदमी पार्टी की विधायक द्वारा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी पर ऑपरेशन लोटस चलाने तथा उन्हें प्रलोभित करने के आरोप लगाए जाने के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस पर पलटवार करते हुए कहा है कि कांग्रेस अगर धोखा है तो आम आदमी पार्टी महा धोखा है।पत्रकारों से बातचीत में नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस के राज में देश लगातार भ्रष्टाचार के दलदल में फंसता चला गया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आम आदमी पार्टी की विधायक द्वारा लगाए गए सभी आरोप मनगढ़ंत है। आम आदमी पार्टी अपने को छिपाने के लिए ऐसा कर रही है। आम आदमी

पार्टी ने पहले दिल्ली की जनता को सब्ज-बाग दिखाए और दिल्ली की जनता को धोखा दिया। इसके बाद उन्होंने पंजाब में ऐसे वायदे किए जो आज तक पूरे नहीं किए गए।

इसके लिए पंजाब के लोगों में पीड़ा है। पंजाब की जनता ने पहले कांग्रेस पार्टी को वोट दिया लेकिन कांग्रेस ने उन्हें धोखा दिया। इसके बाद आप को वोट दिया लेकिन आप ने उनके साथ महाधोखा किया।

आज पंजाब में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है, किसानों की हालत दयनीय है। पंजाब में बाढ़ आई तो केजरीवाल पंजाब में किसानों को 20 हजार रुपये मुआवजा देने की बात कर रहे थे लेकिन गुजरात गए तो वहां कहा कि पंजाब के किसानों को 50 हजार रुपये मुआवजा दिया। उन्होंने किसानों के साथ धोखा किया। आम आदमी पार्टी की विधायक के सभी आरोप तथ्यहीन है और अपनी कमियों को छिपाने का काम कर रहे हैं।

आम आदमी पार्टी पंजाब में दबाव की राजनीति कर रही है। उन्हें जनता से किए वायदे पूरे करने चाहिए।

नायब सिंह सैनी ने पंजाब से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि पंजाब हमारा घर है। पंजाब में उन्हें कोई बुलाता है तो वहां जरूर जाते हैं। पंजाब गुरुओं की धरती है और हमारे लिए यह सौभाग्य की बात है कि गुरुओं ने अपने चरणों से हरियाणा की धरती को भी पवित्र किया है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन 28 फरवरी तक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति योजना के शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए पात्र विद्यार्थियों से 28 फरवरी 2026 तक पंजीकरण करवाने का ऐला किया है। इस योजना के तहत अनुसूचित जाति व पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए छात्रवृति प्रदान की जाती है, ताकि वे आर्थिक तंगी वजह से उच्च शिक्षा ग्रहण करने से वंचित न रहें। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि ज्यादा से ज्यादा पात्र छात्रों का नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर पंजीकरण करवाना सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि योजना के तहत दसवीं कक्षा उत्तीर्ण करने के उपरांत सरकारी अथवा निजी शिक्षण संस्थाओं में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे अनुसूचित जाति व पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी इस योजना का लाभ उठा सकें। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग, विमुक्त जनजाति के छात्रों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति योजना (पीएम यशस्वी घटक-2) के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं।

उन्होंने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार यह प्रावधान किया गया है कि इस योजना का लाभ उठाने के लिए पंजीकरण करने वाले विद्यार्थियों का संबंधित संस्था के नोडल अधिकारी द्वारा वेरिफिकेशन की जाएगी। इसके बाद जिला नोडल अधिकारी व नगराधीश इन्हें वेरीफाई करेंगे, जिसके उपरांत संबंधित विभागों के स्टेट नोडल अधिकारी योजना की राशि पंजीकरण करवाने वाले विद्यार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित करेंगे। उन्होंने बताया कि छात्र को पीएमएस-एससी के लिए अनुसूचित जाति श्रेणी और पीएम-यशस्वी घटक-2 के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग या विमुक्त जनजाति से संबंधित श्रेणी से होना चाहिए। छात्र की वार्षिक पारिवारिक आय 2 लाख 50 हजार रुपये से ज्यादा न हो।

सीएम ने गैरतपुर बास गांव में मास्टर छबीलदास को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम के गांव गैरतपुर बास में पहुंचकर गावड़ कंस्ट्रक्शन समूह से जुड़े राजेंद्र गावडिय़ा के पिता मास्टर छबीलदास श्योराण के निधन पर शोक व्यक्त किया और परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह भी उनके साथ उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि पिता का जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान होता है। वे परिवार की नींव, मार्गदर्शक और संस्कारों के स्रोत होते हैं। उनके साये में ही संतान जीवन के मूल्यों, अनुशासन और जिम्मेदारियों को सीखती है। ऐसे में पिता के जाने के बाद जो खालीपन आता है, उसे किसी भी रूप में भरा नहीं जा सकता। इस

अवसर पर राव नरबीर सिंह ने भी परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। बता दें कि मास्टर छबीलदास श्योराण का 5 फरवरी की सांय निधन हो गया था। वे 86 वर्ष के थे। उनका अंतिम संस्कार श्री गोरखनाथ गौशाला पंडाला में किया गया। उनके परिवार में तीन सुपुत्र–राजेंद्र गावडिय़ा, राकेश गावडिय़ा, रविंदर श्योराण–तथा एक सुपुत्री सुनीता हैं। वे मूल रूप से हिसार जिले के गांव चिड़ोद के निवासी थे।

ग्रीवेंस कमेटी बैठक में मंत्री अनिल विज व एसपी उपासना के बीच हुई तीखी नोंक-झोंक

एजेंसी

कैथल।एक बार फिर से मंत्री अनिल विज व पुलिस अधिकारी के बीच में नोंक-झोंक की घटना हुई है। यहां आरकेएसडी कॉलेज के सभागार में आयोजित जिला कष्ट निवारण समिति (ग्रीवेंस कमेटी) की बैठक में यह घटना हुई। ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज और एसपी उपासना के बीच जमीन खरीद में कथित धोखाधड़ी के मामले को लेकर तीखी बहस हो गई। बैठक में मौजूद लोगों के सामने हुई इस नोकझोंक का वीडियो भी सामने आया है। बैठक में कुल 15 शिकायतों (नौ पुरानी व छह नई) पर सुनवाई की गई। गांव तितरम निवासी संदीप मलिक व अन्य की शिकायत पर मंत्री विज ने एक पुलिस कर्मचारी संदीप कुमार को जांच पूरी होने तक सस्पेंड करने के आदेश दिए। शिकायतकर्ताओं का आरोप था कि

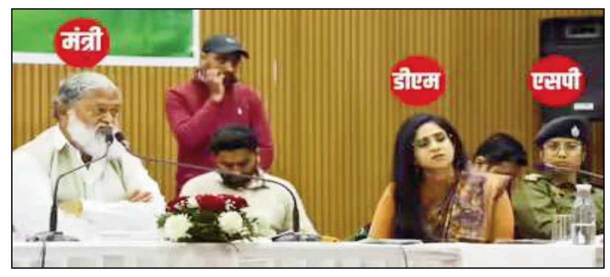

जमीन खरीद से जुड़ा केस उनकी अनुमति के बिना करनाल ट्रांसफर कर रद्द कर दिया गया और उनकी शिकायत पर उचित कार्रवाई नहीं हुई।सुनवाई के दौरान एसपी उपासना ने कहा कि संबंधित पुलिसकर्मी कुरुक्षेत्र में तैनात है, इसलिए उनके पास उसे सस्पेंड करने का अधिकार क्षेत्र नहीं है। इस पर मंत्री विज ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि जब वे सस्पेंशन का आदेश दे रहे हैं, तो कार्रवाई क्यों नहीं हो रही। उन्होंने निर्देश दिए कि डीजीपी या कुरुक्षेत्र के एसपी को तुरंत लिखा जाए और नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जवाब में एसपी ने लिखित पत्राचार करने की बात कही। कुछ समय के लिए बैठक का माहौल तनावपूर्ण रहा, जिसे अंततः डीसी अपराजिता के हस्तक्षेप से शांत कराया गया। इसी बैठक में मंत्री विज ने ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग के बदले रिश्वत मांगने की शिकायत पर संबंधित जेई के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए।राजौंद निवासी राकेश राणा द्वारा नगर पालिका राजौंद में पिछले साढ़े तीन साल में करोड़ों रुपये की कथित वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत पर मंत्री ने मामले की जांच हरियाणा विजिलेंस से करवाने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि यदि शिकायत झूठी पाई गई तो शिकायतकर्ता के खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

हरियाणा में यूरोपीय संघ वर्किंग ग्रुप की होगी स्थापना: नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा भारत और यूरोपियन संघ के साथ हुए भारत-यूरोपियन मुक्त व्यापार समझौते ने प्रदेश के लिए व्यापार के नए अवसर खोल दिए हैं। उन्होंने हरियाणा के उद्यमियों से इस समझौते का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा-यूरोपियन संघ वर्किंग ग्रुप की स्थापना करने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री नई दिल्ली में हरियाणा यूरोपियन व्यापार संघ की बैठक में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच उभरता आर्थिक और रणनीतिक सहयोग केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं है। यह हमारी सभ्यताओं, सशक्त लोकतांत्रिक परंपराओं और दूरदर्शी विकास यात्राओं के बीच विश्वास, साझेदारी और साझा भविष्य का सेतु है। यह समझौता हमारे संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने

वाला एक ऐतिहासिक अध्याय है। यूरोपीय संघ के 27 देशों का यह विशाल और समृद्ध बाजार विश्व के सर्वोच्च गुणवत्ता मानकों और क्रय-शक्ति के लिए जाना जाता है। इस ऐतिहासिक समझौते के माध्यम से अब हरियाणा और भारत के उत्पादों के लिए यूरोप के द्वार पूरी तरह खुल चुके हैं। हमारे उद्यमों, हमारे किसानों और हमारे युवाओं के लिए यह एक नया बाजार ही नहीं, बल्कि नए अवसरों का महासागर है। इसमें संभावनाओं की अनंत लहरें समाहित हैं। हमें इसका लाभ उठाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अपने सामान की गुणवत्ता पर ध्यान दें, ताकि हमारे सामान पर विश्वास जमें। इससे दुनिया भर में हमारे सामान की विश्वनीयता बढ़ेगी। भारत-ईयू समझौता से आईटी सेवाएं, डेटा विज्ञान और सप्लाई चेन मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में यूरोप में आपके कौशल की मांग बढ़ेगी। लाखों उच्च-स्तरीय रोजगार के अवसर आपके लिए उपलब्ध होंगे। हमारे किसान भाई-बहनों के लिए भी यह समझौता आशा की नई किरण है। अब हरियाणा के फल, सब्जियां और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद सीधे यूरोप के प्रमुख बाजारों तक पहुंचेंगे। ब्रुसेल्स, बर्लिन और पेरिस के सुपरमार्केट में जब हमारे किसानों की मेहनत दिखाई देगी। हमारे राज्य की वास्तविक शक्ति हमारे सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों में निहित है। यूरोपीय तकनीक और हरियाणा के कुशल श्रम मिलकर हमारी उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता को वैश्विक स्तर तक पहुंचाएगा।

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि वर्ष 2026 में हुआ भारत-यूरोपियन मुक्त व्यापार समझौता हमारे इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ने जा रहा है। हरियाणा जिसे देश का उद्योगिक इंजन माना जाता है, इस ऐतिहासिक समझौते के तहत यूरोप के लिए रेड कारपेट बिछाने के लिए तैयार है।

नर्सिंग कॉलेज छात्राओं ने माइग्रेशन की मांग पर विधायक आवास के बाहर शुरू किया अनिश्चितकालीन धरना

एजेंसी

हांसी। नारनौंद उपमंडल स्थित एक निजी नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं माइग्रेशन की मांग पर तीसरी बार विधायक विनोद भ्याना के आवास पर पहुंचीं। दो बार आश्वासन के बाद भी माइग्रेशन में हो रही देरी के विरोध में छात्राओं ने विधायक के आवास के बाहर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शुक्रवार से अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। छात्राओं का कहना था कि वो रात को भी धरने पर रहेंगी।छात्राओं ने कहा कि जब तक माइग्रेशन सर्टिफिकेट उन्हें नहीं मिल जाता है तब तक उनका अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के नेता भी बड़ी संख्या में छात्राओं को समर्थन देने पहुंचे। उन्होंने छात्राओं की मांग को उचित बताया। नर्सिंग कॉलेज छात्राओं द्वारा धरना शुरू किए जाने पर भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के नेता सुरेश कोथ सहित काफी संख्या किसान छात्राओं को समर्थन देने पहुंचे। उन्होंने छात्राओं की मांग को उचित बताते हुए सरकार द्वारा की जा रही अनावश्यक देरी की निंदा की। किसान नेताओं ने कहा कि माइग्रेशन नहीं होने के चलते छात्राओं की पढ़ाई बाधित हो रही है।धरने पर बैठी छात्राओं को समझाने पहुंचे विधायक विनोद भयाना ने बताया कि माइग्रेशन की फाइल पर एजुकेशन डायरेक्टर के साइन हो चुके हैं तथा कालेजों की फाइनल लिस्ट पर एजुकेशन डायरेक्टर व सीएम नायब सिंह सैनी के हस्ताक्षर होने बाकी हैं। हस्ताक्षर होते ही माइग्रेशन सर्टिफिकेट उपलब्ध करवाए जाएंगे। विधायक विनोद भयाना ने बताया कि एजुकेशन डायरेक्टर के बीमार हो जाने के कारण माइग्रेशन में विलंब हो रहा है। उन्होंने कि छात्राओं की पढ़ाई बाधित ना हो इसके लिए वह स्वयं दो दिन चंडीगढ़ में रह कर फाइल को एजुकेशन डायरेक्टर व सीएम आफिस तक पहुंचा कर आएं हैं।

मलेरिया, डेंगू और अन्य बीमारियों को रोकने के लिए नियम अधिसूचित

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया और जापानी इंसेफेलाइटिस जैसे रोगों की रोकथाम के लिए हरियाणा महामारी अधिनियम संशोधन 2024 को नोटिफाई किया है। अब बदले हुए नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सज़ा का प्रावधान किया गया है।

स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ.सुमिता मिश्रा ने जारी जानकारी में कहा कि मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया और जापानी इंसेफेलाइटिस के फैलने से लगातार बढ़ते हुए खतरे के मद्देनजर महामारी एक्ट, 1897 के सेक्शन 2 के तहत नोटिफिक़ेशन जारी किया गया है। यह नियम तुरंत प्रभाव से लागू हो गए और 31 मार्च, 2027 तक प्रभावी रहेंगे। नए नियमों के तहत सभी सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों, क्लीनिकों एवं लैबोरेटरी को अब वेक्टर-बोर्न बीमारियों के प्रत्येक कंफर्म केस की रिपोर्ट पता चलने के 24 घंटे के अंदर रोगी की जानकारी संबंधित सिविल सर्जन को देना अनिवार्य है। अधिसूचना में सख्त डायग्नोस्टिक प्रोटोकॉल बनाए गए हैं। मलेरिया का केस माइक्रोस्कोपी या एंटीजन और बेस्ड रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट से कन्फर्म होने के बाद ही पॉजिटिव बताया जा सकता है तथा भारत सरकार की ड्रग पॉलिसी के अनुसार पूरा मेडिकल

ट्रीटमेंट दिया जाना चाहिए। इसी प्रकार डेंगू के केस की पुष्टि सिर्फ एलिसा बेस्ड एनएस 1 एलजीएम या आरटी एवं पीसीआर टेस्ट से ही की जा सकती है। एनएसआई एंटीजन टेस्ट उन मरीज़ों का किया जाना है जिन्हें पाँच दिन से कम बुखार रहा हो, जबकि एलजीएम एंटीबॉडी टेस्ट उन लोगों के लिए ज़रूरी है जिन्हें पाँच दिन से ज़्यादा बुखार रहा हो। किसी भी मरीज़ को कन्फर्म टेस्ट किए बिना डेंगू पॉज़िटिव घोषित नहीं किया जा सकता। सरकार द्वारा बीमारी फैलने पर मरीज़ों को ज़्यादा मेडिकल चार्ज से बचाने के लिए डेंगू टेस्ट की कीमत निर्धारित कर दी गई है। प्राइवेट अस्पतालों और लैब को एलिसा बेस्ड एनएस 1 और एलजीएम टेस्ट के लिए 600 रुपये से ज़्यादा चार्ज करने की अनुमति नहीं है। इसके अलावा प्राइवेट अस्पतालों को निर्देश दिये गये हैं कि अगर आवश्यकता हो, तो वे सिंगल डोनर प्लेटलेट्स के लिए हर मरीज़ से 11,000 रुपये से ज़्यादा चार्ज न करें। उन्होंने कहा कि जो अस्पताल या लैब स्वीकृत डायग्नोस्टिक प्रोटोकॉल या नियमों का पालन नहीं करते, कन्फर्म मामलों की रिपोर्ट नहीं देते, बिना कन्फर्मेशन टेस्टिंग के मामलों को घोषित करते हैं, या मरीज़ की अधूरी जानकारी देते हैं तो उन पर जुर्माना लगाया जाएगा। पहली बार नियम का उल्लंघन करने पर 1,000 रुपये, दूसरी बार नियम तोडऩे पर 5,000 रुपये और तीसरी या उसके बाद नियम तोडऩे पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पेड़ से टकराई, चार की मौत, खुशियां मातम में बदली

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत जिले में देर शाम सड़क हादसे में चार युवकों की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी युवक गोहाना क्षेत्र के गांव भावड़ में भात भरने के बाद रोहतक लौट रहे थे। हादसे के बाद संबंधित गांवों में शोक की लहर फैल गई और शादी समारोह की खुशियां मातम में बदल गईं। प्राप्त जानकारी के अनुसार काली स्कॉर्पियो घड़वाल से भावड़ मार्ग पर तेज गति से जा रही थी। इसी दौरान चालक संतुलन खो बैठा और गाड़ी सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और परखच्चे उड़ गए। कई युवक गाड़ी के अंदर ही फंस गए।

सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। बाद में पुलिस दल भी पहुंचा और कड़ी मशक्कत के बाद शवों व घायलों को बाहर निकाला। हादसे में गोलू निवासी घुसकानी, अकुश, दीपक और साहिल निवासी खिडवाली की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की आयु 25 से 28 वर्ष के बीच बताई गई है। इनमें एक युवक विवाहित था, जबकि तीन अविवाहित थे। घायल अंकित और सागर को पहले खानपुर चिकित्सा

महाविद्यालय में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें पंडित भगवत दयाल शर्मा आयुर्विज्ञान संस्थान रोहतक भेजा गया। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है और विशेषज्ञ चिकित्सक दल निगरानी कर रहा है। एक अन्य युवक मोहित को मामूली चोटें आईं और वह सुरक्षित है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और क्षतिग्रस्त वाहन को भी जब्त कर लिया है। गांव भावड़ में जोहरी नंबरदार के परिवार में दो बेटियों का विवाह समारोह चल रहा था।

सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए संचालित कर रही कई योजनाएं : डा. मिड्ढा

एजेंसी

जींद। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। महिलाएं इन योजनाओं का लाभ उठा कर आत्मनिर्भर बन सकती हैं और परिवार व समाज की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभा सकती हैं। महिलाओं की भागीदारी केवल परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि वे खेल, शिक्षा, प्रशासन और समाज सेवा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। डिप्टी स्पीकर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्थानीय अर्जुन स्टेडियम में करवाए जा रहे जिला स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता में बतौर मुख्यअतिथि शिरकत कर उपस्थित महिलाओं को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी सीमा रोहिल्ला, सीडीपीओ सुलोचना कुंडू, कांता यादव, सुमन, महिला सुपरवाइजर डा. सीमा, ममता, रीना, कौशल्या, मीनाक्षी, संतरो, रितू, कविता, मनीषा आंगनवाडी कार्यकर्ता तथा महिला खेल प्रतिभागी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न

खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

डिप्टी स्पीकर ने कहा कि माता बच्चे की प्रथम शिक्षक होती है और उसके संस्कारों की नींव घर से ही पड़ती है। बच्चों के सर्वांगिण विकास में माता की भुमिका सबसे अहम होती है। माता केवल जन्म देने वाली नहीं बल्कि बच्चे का चरित्र निर्माण करने में भी उनकी जिम्मेदारी अति महत्वपूर्ण होती है। आजकल की भाग दौड़ की जिंदगी में माता-पिता द्वारा बच्चों को उचित समय नहीं दिया जाता। महिला खेल कूद प्रतियोगिता में 30 वर्ष से कम आयु की महिलाओं की 100 मीटर रेस में इक्कस गांव की सीमा ने प्रथम, धनखड़ी की नीरू दूसरे तथा रधाना गांव की वंदना तीसरे स्थान पर रही। इसी प्रकार 400 मीटर रेस में उझाना गांव की आरती प्रथम, डिडवाड़ा की नेहा दूसरे तथा हथवाला की प्रियंका तीसरे स्थान पर रहीं।

हरियाणा का पैसा पंजाब में विधायक खरीदने पर खर्च कर रहे सीएम :अनुराग ढांडा

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब की एक महिला विधायक द्वारा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी पर प्रलोभन का आरोप लगाए जाने के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा है कि हरियाणा के मुख्यमंत्री जनता के खून-पसीने की कमाई का पैसा पंजाब में विधायक खरीदने की कोशिशों में लगाया जा रहा है।चंडीगढ़ में जारी बयान में अनुराग ढांडा ने कहा कि हरियाणा आज बेरोजगारी, बदहाल

अपनी नाकामियों से ध्यान हटाने के लिए पंजाब में साजिश रच रही है भाजपा

कानून व्यवस्था, टूटी सडक़ों, नशे के फैलते जाल और खिलाडिय़ों की अनदेखी जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। नौ महीनों से खिलाडिय़ों को उनकी डाइट का पैसा नहीं मिला। बुजुर्गों की पेंशन काटी जा रही है। महिलाओं की योजनाओं में कटौती की जा रही है। युवा नौकरी के लिए दर-दर भटक रहे हैं। लेकिन मुख्यमंत्री नायब सिंह को इन समस्याओं की कोई चिंता नहीं है। वे जनता की सेवा छोडक़र राजनीतिक साजिशों में व्यस्त हैं।उन्होंने कहा कि यदि हरियाणा सरकार के पास इतना पैसा और ऊर्जा है,तो उसे अपने प्रदेश की व्यवस्था सुधारने में लगाना चाहिए, न कि पंजाब जाकर विधायकों को तोडऩे की कोशिश में। अनुराग ढांडा ने कहा कि पंजाब में भगवंत मान के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी की सरकार ने मात्र चार वर्षों में 62,000 से अधिक युवाओं को बिना सिफारिश और बिना भ्रष्टाचार के सरकारी नौकरियां दी हैं।

भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह भर उतार-चढ़ाव, शुरुआती तेजी के बाद गिरावट

- वैश्विक कमजोर संकेत और एआई से जुड़ी चिंताओं ने सप्ताह के आखिर में बाजार की तेजी पर ब्रेक लगाया

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार तक समाप्त हुए सप्ताह में मिश्रित रुझान दिखाया। सप्ताह की शुरुआत में सकारात्मक आर्थिक संकेत और भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौतों की उम्मीद से निवेशकों का मनोबल ऊंचा रहा, लेकिन सप्ताह के अंत तक वैश्विक कमजोर संकेतों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी संभावित व्यवधानों की चिंताओं के कारण बाजार ने गिरावट दर्ज की। सप्ताह के पहले दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। विदेशी निधियों के प्रवाह और एशियाई बाजारों की मजबूती ने निवेशकों के मनोबल को बढ़ाया। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 415.97 अंक बढ़कर 83,996.37 पर पहुंचा, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.05 अंक बढ़कर 25,819.75 पर पहुंच गया।

दिन के अंत में सेंसेक्स 485.35 अंक की बढ़त के साथ 84,065.75 पर और निफ्टी 173.60 अंक की बढ़त के साथ 25,867.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी बाजार की गति बनी रही। एशियाई बाजारों के सकारात्मक रुझान और अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार ढांचे पर आशावाद ने निवेशकों का उत्साह बनाए रखा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 247.01 अंक बढ़कर 84,312.76 पर और निफ्टी 80.25 अंक बढ़कर 25,947.55 पर पहुंच गया। बुधवार को बाजार में शुरुआती तेजी देखी गई, सेंसेक्स 213.42 अंक बढ़कर 84,487.34 पर और निफ्टी 74.25 अंक बढ़कर 26,009.40 पर पहुंच गया। हालांकि, उच्च स्तर पर मुनाफा लेने की प्रवृत्ति ने दोनों सूचकांकों में अस्थिरता ला दी। दिन के अंत में सेंसेक्स 40.28 अंक गिरकर 84,233.64 पर और निफ्टी 18.70 अंक बढ़कर 25,953.85 पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को बाजार में तेज गिरावट देखी गई। कमजोर वैश्विक संकेतों और एआई से जुड़े व्यवधानों की बढ़ती चिंताओं के कारण निवेशकों की भावना नकारात्मक रही। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 883.4 अंक गिरकर 82,791.52 पर और निफ्टी 262.60 अंक गिरकर 25,544.60 पर पहुंच गया। साप्ताहिक तौर पर देखा जाए तो सप्ताह की शुरुआत में बाजार में मजबूती थी, लेकिन वैश्विक और तकनीकी चिंताओं ने सप्ताह के अंत में बाजार की तेजी को रोक दिया।

अडानी की झोली में आई 2 रुपये के शेयर वाली कंपनी, एनसीएलटी को हरी झंडी

मुंबई ।

कभी देश की दिग्गज इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों में गिनी जाने वाली पुंज लॉयड के अधिग्रहण को लेकर बड़ी खबर आई है। दरअसल, नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने कंपनी को लिक्विडेशन के दौरान गोइंग कंसर्न के रूप में बेचने को मंजूरी दे दी है। एनसीएलटी ने साफ किया है कि कंपनी को मौजूदा हालत में ही लिया जाएगा। पुरानी देनदारियां, कानूनी विवाद और दावे अपने-अपने कानूनी प्रावधानों के तहत निपटाए जाएंगे। दरअसल हाल ही में दिल्ली के नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की प्रिंसिपल बेंच ने आदेश पारित करते हुए कहा कि पुंज लॉयड का अधिग्रहण अडानी इंफ्रा (इंडिया) लिमिटेड द्वारा किया जाएगा।

यह पूरा मामला आईसीआईसीआई बैंक द्वारा दायर की गई दिवालिया याचिका से जुड़ा है। पहले कंपनी के खिलाफ कॉरपोरेट इनसॉल्वेंसी रेजोल्यूशन प्रोसेस शुरू हुआ था लेकिन कोई समाधान योजना सफल नहीं हो सकी। इसके बाद लिक्विडेशन का आदेश दिया गया। यह आदेश जून 2022 में आया था। लिक्विडेशन के दौरान कई ई-ऑक्शन हुए। इसके बाद अडानी समूह की कंपनी अडानी इंफ्रास्ट्रक्चर की बोली को मंजूरी मिली।

अंबानी को वेनेजुएला के कच्चे तेल की सीधी खरीद का मिला लाइसेंस

- कंपनी रियायती दर पर भारी कच्चे तेल का आयात कर सकेगी

मुंबई ।

मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) को वेनेजुएला से कच्चा तेल सीधे खरीदने का अमेरिकी लाइसेंस मिल गया है। इस अनुमति से कंपनी रियायती दर पर भारी कच्चे तेल का आयात कर सकेगी। वेनेजुएला का तेल गुजरात के जामनगर रिफाइनरी के लिए उपयुक्त माना जाता है, जो रिफाइनिंग मार्जिन को बेहतर कर सकता है। जनवरी के अंत में अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को यह अनुमति दी थी। इससे पहले अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण वेनेजुएला से तेल केवल बीचौलियों के माध्यम से उपलब्ध था। जामनगर रिफाइनिंग परिसर दुनिया का सबसे बड़ा है। रिलायंस पहले भी वेनेजुएला से तेल खरीदार रही है। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण 2019-20 में आयात रुका था, लेकिन 2024 में मिली अस्थायी राहत के दौरान कंपनी ने वेनेजुएला से तेल खरीदा। इस साल कारोबारियों के माध्यम से विटॉल कंपनी से 20 लाख बैरल तेल खरीदा गया। सरकारी तेल कंपनियां इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) ने भी इस छूट का लाभ उठाया और कुल 20 लाख बैरल कच्चा तेल वेनेजुएला से खरीदा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस से तेल आयात घटाने और अमेरिका सहित अन्य स्रोतों से तेल आयात बढ़ाने पर सहमति जताई है। वेनेजुएला का ओरिनोको बेल्ट क्षेत्र भारी और बहुत-भारी ग्रेड के तेल के लिए प्रसिद्ध है, और यह रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी के लिए पूरी तरह उपयुक्त है। इस कदम से भारत की रणनीति में कच्चे तेल के स्रोतों में विविधता और ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी।

रेलवे ने ई-टिकटिंग में फर्जी बुकिंग और साइबर अपराधों पर लगाई रोक

- दिसंबर तक के पिछले छह महीनों में 60.43 अरब फर्जी बुकिंग प्रयास रोके गए

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने 2025 में ई-टिकटिंग प्रणाली को सुरक्षित बनाने के लिए 3.03 करोड़ संदिग्ध यूजर आईडी बंद कर दी हैं। दिसंबर तक के पिछले छह महीनों में 60.43 अरब फर्जी बुकिंग प्रयास रोके गए। इससे असली यात्रियों को पहले आधे घंटे में टिकट आसानी से मिलना शुरू हुआ। पहले दलाल आधे घंटे में सारी बुकिंग कर लेते थे, जिससे आम यात्रियों को समस्या होती थी। रेलवे ने बुकिंग प्रणाली में आधार लिंकिंग और ओटीपी को अनिवार्य किया है। बुकिंग शुरू करने से पहले आधार नंबर डालना होता है और लिंक्ड मोबाइल पर ओटीपी आता है। केवल सही ओटीपी डालने पर बुकिंग प्रोसेस आगे बढ़ता है। इससे एक व्यक्ति के 10-20 फर्जी अकाउंट बनाना लगभग असंभव हो गया। जुलाई 2025 से यह सिस्टम कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण लगा चुका है। ई-टिकटिंग वेबसाइट पर कई स्तरों पर कैपटेक लगाया गया है, जिसे कंप्यूटर प्रोग्राम क्रैक नहीं कर सकते। अकामाई एंटी-बॉट टूल फर्जी ट्रैफिक तुरंत पकड़ता है। वेबसाइट तेज लोड के लिए सीडीएन का इस्तेमाल है। साथ ही नेटवर्क फायरवॉल, आईपीएस और डब्ल्यूएफ 24 गुणित 7 सतर्क हैं। आईएसपी स्तर पर 30 जीबीपीएस डीडीओएस मिटिगेशन मौजूद है। रेलटेल डार्क वेब स्कैनिंग करता है। चाणक्यपुरी डेटा सेंटर सीसीटीवी और आईएसओ 27001 सर्टिफाइड है। सीईआरटी-इन 24म7 निगरानी रखता है और नियमित ऑडिट करता है। शक के आधार पर 12,819 ईमेल डोमेन ब्लॉक किए गए और 3.99 लाख फर्जी बुकिंग पकड़ी गईं।

भारतीय आईटी सेक्टर को फरवरी में भारी झटका, निवेशक चिंतित

- आईटी कंपनियों की मार्केट कैप में लगभग 4.5 लाख करोड़ की गिरावट

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार के भरोसेमंद माने जाने वाले आईटी सेक्टर के लिए फरवरी कोई अच्छा महीना नहीं रहा। मात्र 13 कारोबारी दिनों में आईटी कंपनियों की मार्केट कैप में लगभग 50 अरब डालर (4.5 लाख करोड़) की गिरावट दर्ज हुई। शुक्रवार को समाप्त हुए सप्ताह में निफ्टी आईटी इंडेक्स 8.2 फीसदी टूट गया, जो अप्रैल 2025 के बाद की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट है। इस दौरान टीसीएस, इंफोसिस और एचसीएल टेक के शेयरों में क्रमशः 2.1 फीसदी, 1.2 फीसदी और 1.4 फीसदी की गिरावट आई। पिछले महीने एंथ्रोपिक ने नया एआई टूल लॉन्च किया, जिसने वैश्विक टेक जगत में हलचल मचा दी।

निवेशकों का डर है कि जेनरेटिव एआई भारत की 283 अरब डॉलर की आईटी सर्विस इंडस्ट्री के पारंपरिक बिजनेस मॉडल को प्रभावित कर सकता है। कोडिंग और टेस्टिंग जैसी बुनियादी सेवाओं के ऑटोमेशन से कंपनियों की आमदनी पर असर पड़ने की संभावना है। जेपी मोरगन ने चेतावनी दी कि ग्लोबल क्लाइंट्स अब आईटी बजट का पुनर्वितरण कर सकते हैं और पारंपरिक सॉफ्टवेयर सेवाओं से हटकर एआई-आधारित समाधानों की ओर ध्यान देंगे। बाजार में शुक्रवार को हल्की रिकवरी हुई, जिसे बो यिंग द डिप से जोड़ा गया। कुछ निवेशकों ने गिरावट के बाद शेयरों को आकर्षक मूल्य पर खरीदा। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार ने एआई से उत्पन्न खतरों पर जरूरत से ज्यादा और जल्दी प्रतिक्रिया दी।

डाबर इंडिया दक्षिण भारत में पहली विनिर्माण इकाई लगाएगा

चेन्नई । दैनिक उपयोग के उत्पाद बनाने वाली कंपनी डाबर इंडिया विल्लुपुरम जिले के टिंडीवनम में अपनी पहली दक्षिण भारत स्थित विनिर्माण इकाई स्थो पित करेगी, इसके इलिए कंपनी ने हाल ही में यहां भूमिपूजन किया। इस परियोजना की लागत 400 करोड़ रुपये है और यह संयंत्र टूथपेस्ट के अलावा व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों जैसे डाबर गुलाबारी, वाटिका हेयर ऑयल और अनमोल हेयर ऑयल का निर्माण करेगा। कंपनी का कहना है कि यह संयंत्र प्रत्यक्ष रूप से 250 से अधिक लोगों को रोजगार देगा और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों के लिए अवसर सृजित करेगा। संयंत्र में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग होगा, यह पूरी तरह से नवीकरणीय ऊर्जा पर संचालित होगा और मुख्य रूप से महिला कामगारों के साथ एक समावेशी कार्यस्थल होगा। भूमिपूजन समारोह में मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने डिजिटल रूप से भाग लिया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री टीआरबी राजा, उद्योग मंत्रालय के प्रधान सचिव अरुण रॉय और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.711 अरब डॉलर घटा, स्वर्ण भंडार में भी गिरावट

- सोने का भंडार 14.208 अरब डॉलर घटकर 123.476 अरब डॉलर पर आ गया

नई दिल्ली । भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी ताज़ा आंकड़ों के अनुसार 6 फरवरी को समाप्त हुए सप्ताह में भारत का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 6.711 अरब डॉलर घटकर 717.064 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले यह 723.774 अरब डॉलर पर था, जो अब तक का सर्वाधिक स्तर था। विशेषज्ञों के अनुसार यह गिरावट वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव के कारण एक सामान्य करेक्शन मानी जा रही है। सबसे बड़ी चर्चा गोल्ड रिजर्व में हुई गिरावट को लेकर है। पिछले सप्ताह जहां सोने के भंडार में 14.595 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी, वहीं इस सप्ताह यह 14.208 अरब डॉलर घटकर 123.476 अरब डॉलर पर आ गया। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक सोने की कीमतों में बदलाव और आरबीआई की रणनीतिक खरीद-बिक्री इसका मुख्य कारण हैं। यह 2 जनवरी के बाद पहली बार इतनी बड़ी गिरावट है। वहीं फॉरेन करेंसी असेट्स (एफसीए) में इस सप्ताह 7.661 अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई, जो इसे 570.053 अरब डॉलर पर ले गई। एफसीए में यूरो, पाउंड और येन जैसी मुद्राओं के मूल्य परिवर्तन का असर देखा गया। पिछले चार हफ्तों में कुल 36.97 अरब डॉलर की बढ़ोतरी भी रही, जिसे व्यापारिक सौदों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जोड़कर देखा जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की स्थिति और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में भी मामूली कमी दर्ज की गई है। एसडीआर 132 मिलियन डॉलर और आईएमएफ स्थिति 32 मिलियन डॉलर घट गई।

जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए 2,000 करोड़ रुपये का कोष

नई दिल्ली । केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने जैव द्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद- अनुसंधान, विकास एवं नवाचार (बाइरैक-आरडीआई) कोष की शुरुआत की। इस कोष के माध्यम से जैव प्रौद्योगिकी (बायोटेक) क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए पांच साल की अवधि में 2,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस कोष का उद्देश्य प्रयोगशाला अनुसंधान और औद्योगिक विनिर्माण के बीच के अंतर को पाटना है। इसके तहत टीआरएल-4 से टीआरएल-9 तक की प्रौद्योगिकियों को इक्विटी, परिवर्तनीय उपकरणों और दीर्घकालिक ऋण के माध्यम से सहायता दी जाएगी। पात्र स्टार्टअप, एसएमई और उद्योग भागीदार आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से प्रस्ताव जमा कर सकते हैं। पहले चरण के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2026 है।

इंडिगो को 1.27 करोड़ के जुर्माने का नोटिस

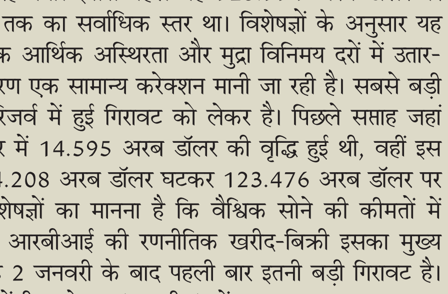

नई दिल्ली । इंडिगो पर जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित 1.27 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। एयरलाइन ने यह जानकारी दी। इंडिगो ने कहा है कि वह इस आदेश को चुनौती देगी। बीएसई को दी गई जानकारी में, एयरलाइन की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने कहा कि उसे जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित नोटिस मिला है। साथ ही, मुंबई के बांद्रा स्थित संयुक्त राज्य कर आयुक्त कार्यालय (अपील) ने ब्याज और जुर्माने के साथ राशि वसूलने का आदेश भी भेजा है। कंपनी का मानना है कि अधिकारियों द्वारा पारित आदेश त्रुटिपूर्ण है और उसका पक्ष मजबूत है। कुल 1.27 करोड़ रुपये का जुर्माना जुलाई 2017 से मार्च 2018 की अवधि के लिए है।

सेबी ने पांच कंपनियों को आईपीओ लाने की मंजूरी दी

- सभी शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे

नई दिल्ली । बाजार नियामक सेबी ने प्रीमियर इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन, ड्यूरोफ्लेक्स, विरुपाक्ष ऑर्गेनिक्स, हेक्सागॉन न्यूट्रिशन और ओम पावर ट्रांसमिशन को आईपीओ लाने की मंजूरी दे दी है। ये कंपनियां 2026 में अपने शेयर आम जनता के लिए जारी करेंगी और सभी शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे। प्रीमियर इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन का प्रस्तावित आईपीओ 2.25 करोड़ शेयर के नए निर्गम और 54 लाख शेयर की बिक्री पेशकश पर आधारित है। वहीं, गद्दे बनाने वाली कंपनी ड्यूरोफ्लेक्स का आईपीओ 183.6 करोड़ रुपये के नए शेयर निर्गम और प्रवर्तकों तथा मौजूदा निवेशकों द्वारा 2.25 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश का मिश्रण है। दवा कंपनी विरुपाक्ष ऑर्गेनिक्स का आईपीओ पूरी तरह से नया निर्गम है और यह 740 करोड़ रुपये के शेयरों के जारी करने पर केंद्रित है। इसके विपरीत, हेक्सागॉन न्यूट्रिशन का प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश है, जिसमें प्रवर्तकों द्वारा 3.08 करोड़ से अधिक शेयर बेचे जाएंगे। ओम पावर ट्रांसमिशन ने भी आईपीओ के लिए आवेदन किया है। हालांकि, इसकी संरचना का विवरण अभी सार्वजनिक नहीं हुआ है। इन कंपनियों ने सितंबर और अक्टूबर 2025 के बीच आईपीओ दस्तावेज़ सेबी के पास दाखिल किए थे। सेबी ने इन्हें मंजूरी दे दी।

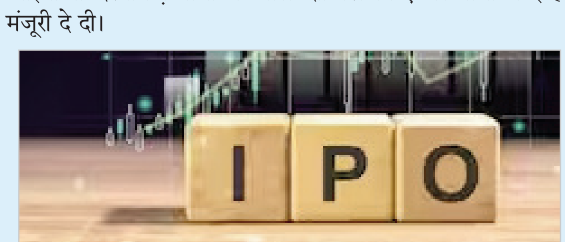

सोमवार से शेयर बाजार में बड़ी कंपनियां होंगी लिस्ट, दो नए आईपीओ भी खुलेंगे

मुंबई।

सोमवार से शेयर बाजार में आईपीओ का अच्छा माहौल होने वाला है। कुछ बड़ी कंपनियां लिस्ट होने वाली हैं और दो नई आईपीओ खुलने वाले हैं। ये आईपीओ एआई, फाइनेंस, टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर और सप्लाई चेन जैसे सेक्टर में हैं, जो निवेशकों को कमाई का मौका दे सकती हैं। बाजार में इस हफ्ते ज्यादा आईपीओ तो नहीं आ रहे हैं, लेकिन लिस्टिंग और नए इश्यू से हलचल रहेगी। बता दें 16 फरवरी को दो बड़ी कंपनियां एनएसई और बीएसई पर लिस्ट होंगी। पहली है फैक्टल एनालिटिक्स, जो डेटा और एआई सॉल्यूशंस में लीडर है। इसका आईपीओ 2833.90 करोड़ रुपए का था और ये फैक्टल, एआई और फैक्टल अल्फा ब्रांड्स के तहत काम करती है। सब्सक्रिप्शन 2.66 गुना हुआ, मतलब अच्छी मांग रही।

वहीं दूसरी कंपनी है आय फाइनेंस, जो मिडिल लेयर एनबीएफसी है और माइक्रो तथा स्मॉल बिजनेस को लोन देती है। इसका आईपीओ 1010 करोड़ का था और सब्सक्रिप्शन 97 फीसदी रहा। दोनों में निवेशकों की मजबूत दिलचस्पी दिखी। इसके अलावा 19 फरवरी को मारुशिका टेक्नोलॉजी एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होने जा रही है। नई आईपीओ की शुरुआत भी हो रही है। फैक्टल इंडस्ट्रीज का आईपीओ 16 से 18 फरवरी तक खुलेगा। ये बीएसई एसएमई पर लिस्ट होगी। इश्यू साइज 49 करोड़ रुपए का फ्रेश इश्यू है1 प्राइस बैंड 205 से 216 रुपये प्रति शेयर है। लॉट साइज 600 शेयर है, मतलब रिटेल निवेशक के लिए कम से कम 1200 शेयर। कंपनी गारमेंट्स डिजाइन, सोर्सिंग और मैन्युफैक्चरिंग करती है। ई-कॉमर्स कंपनियों जैसे

अजियो और मिंत्रा के लिए वेयरहाउसिंग और सप्लाई चेन हैंडल करती है। आईपीओ का पैसा वर्किंग कैपिटल, जनरल पर्पज और खर्चों में लगेगा। बुक रनिंग लीड मैनेजर फिनैक्स कैपिटल एडवाइजर्स है और रजिस्ट्रार केफिन टेक्नोलॉजीज।

इसके बाद गौडियम आईवीएफ का आईपीओ 20 से 24 फरवरी तक खुलेगा। ये एनएसई और बीएसई पर होगा। कंपनी 2015 से चल रही है और हब-एंड-स्पोक मॉडल से कई राज्यों में आईवीएफ सेंटर्स चलाती है। प्राइस बैंड, लॉट साइज और पूरी डिटेल्स जल्द आने वाली हैं। ये हेल्थकेयर सेक्टर में महिलाओं की हेल्थ पर फोकस करती है। आय फाइनेंस फाइनेंशियल सेक्टर को मजबूती देगी। एसएमई आईपीओ जैसे फैक्टल इंडस्ट्रीज और मारुशिका से छोटे निवेशकों को मौका मिलेगा। गौडियम आईवीएफ हेल्थकेयर में नई संभावनाएं लाएगी। निवेश से पहले अच्छे से रिसर्च करें, क्योंकि बाजार में उतार-चढ़ाव रहता है। सब्सक्रिप्शन और जीएमपी देखकर ही पैसे लगाएं।

कई राज्यों के रेरा प्राधिकरण वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित नहीं कर रहेः एफपीसीई

नई दिल्ली ।

घर खरीदारों के संगठन 'फोरम फॉर पीपल्स कलेक्टिव एफर्ट्स' (एफपीसीई) ने चेतावनी दी कि कई राज्यों के रेरा प्राधिकरण अपने वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करने के वैधानिक दायित्व को पूरा नहीं कर रहे हैं। संगठन ने रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 की धारा 78 के उल्लंघन की ओर ध्यान आकर्षित किया। एफपीसीई के अनुसार देशभर में 75 प्रतिशत से अधिक रेरा प्राधिकरणों ने या तो कभी वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित नहीं की, या उनका प्रकाशन बंद कर दिया, या रिपोर्ट अपडेट नहीं की गई। कर्नाटक, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और गोवा ने कोई रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की। वहीं महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना ने शुरुआत में रिपोर्ट दी लेकिन अब रिपोर्ट देना बंद कर दी है। संगठन ने आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय से अनुरोध किया है कि सभी रेरा प्राधिकरणों को निर्धारित प्रारूप में रिपोर्ट प्रकाशित करने के नए निर्देश जारी किए जाएं। इसके साथ ही धारा 82 और 83 के तहत दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए राज्य सरकारों को निर्देश देने की मांग की गई है।

क्रिप्टो मार्केट का सबसे बड़ा कॉइन बिटकॉइन में बड़ी गिरावट

आधी हुई वैल्यू, अभी 55 फीसदी और गिरावट का अनुमान

नई दिल्ली।

बिटकॉइन की कीमतों में इस हफ्ते भी गिरावट तेज रही, लेकिन शनिवार को इसमें 4 फीसदी की तेजी रही और इसकी कीमत लगभग 68,864 डॉलर पर आ चुकी है। हालांकि एक्सपर्ट्स को इस तेजी पर कुछ खास भरोसा नहीं हो रहा है। उनका कहना है कि इस बड़ी गिरावट के बीच यह एक छोटी सी उछाल है और गिरावट अभी भी हावी है।

बिटकॉइन अभी भी अपने रिकॉर्ड स्तर से करीब आधा गिर चुका है। क्रिप्टोकरेंसी अक्टूबर में अपने उच्चतम स्तर से लगभग 44 प्रतिशत गिर चुकी है, जो पिछले कई महीनों में हुए करेक्शन के कारण हुआ है। शुक्रवार को बिटकॉइन लगभग 69,180 पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले साल के अंत में आई तेजी के दौरान देखे गए स्तरों से काफी नीचे है।

अभी और गिर सकता है बिटकॉइन

मिड टर्म को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, नेड डेविस रिसर्च (एनडीआर) के रणनीतिकारों ने चेतावनी दी है कि भारी बिकवाली के बाद भी आगे और गिरावट आ सकती है। इस महीने की शुरुआत में ग्राहकों को जारी एक नोट में, एनडीआर ने कहा कि अगर मौजूदा मंदी एक पूरे बिटकॉइन विंटर में बदल जाती है, तो कीमतें मौजूदा स्तरों से काफी नीचे तक गिर सकती हैं।

55 फीसदी तक टूट सकता है बिटकॉइन

नेड डेविस रिसर्च के मुख्य रणनीतिकार पैट त्सचोसिक और विश्लेषक फिलिप मौल्स के अनुसार, गंभीर मंदी की स्थिति में बिटकॉइन की कीमत गिरकर 31,000 डॉलर तक जा सकती है। इस तरह की गिरावट का मतलब मौजूदा कीमतों से लगभग 55 प्रतिशत की और गिरावट होगी, जिससे हाल के उच्चतम स्तर के करीब निवेश करने वाले निवेशकों को और अधिक ज्यादा नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

75 फीसदी तक टूट चुका है बिटकॉन

एक्सपर्ट्स का कहना है कि बिटकॉइन की ऐतिहासिक गिरावट विश्लेषण पर आधारित है।

उन्होंने बताया कि पिछली बड़ी बिकवाली के दौरान, बिटकॉइन में आमतौर पर लगभग 70 प्रतिशत से 75 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है, जब गिरावट लंबे समय तक मंदी के दौर में बदल गई। अगर इतिहास खुद को दोहराता है, तो मौजूदा गिरावट अभी भी जारी रह सकती है।

बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट के अनुसार, नेड डेविस रिसर्च ने यह भी बताया कि 2011 से लेकर अब तक बिटकॉइन की मंदी के दौर में औसतन लगभग 84 प्रतिशत की गिरावट आई है। ये गिरावटें न केवल गहरी थीं, बल्कि लंबी भी रहीं।

आध्यात्मिक ऊर्जा से जुड़ने का दिव्य अवसर है महाशिवरात्रि

योगेश कुमार गोयल

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति व्यक्त करने का विशेष अवसर है महाशिवरात्रि, जो भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन का दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूरी होती हैं और महाशिवरात्रि का व्रत रखने से पापों का नाश होता है, मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। प्रतिवर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व इस वर्ष 15 फरवरी को मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। यह आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने का सुअवसर है। महाशिवरात्रि को शिव तत्व को आत्मसात करने, नकारात्मक ऊर्जाओं को समाप्त करने और आध्यात्मिक उत्थान प्राप्त करने का सबसे उत्तम अवसर माना जाता है।

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। इस रात्रि को जागरण करने वाले भक्तों को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शिव पुराण के अनुसार, इस दिन विधिपूर्वक व्रत रखने और रात्रि जागरण करने से समस्त पापों का नाश होता है और भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि महाशिवरात्रि की रात्रि में चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है, जिसमें हर प्रहर में शिवलिंग का अलग-अलग द्रव्यों से अभिषेक किया जाता है, पहले प्रहर में जल, दूसरे प्रहर में दही, तीसरे प्रहर में घी और चौथे प्रहर में शहद से अभिषेक करने का विधान है।

धर्मग्रंथों में भगवान शिव को ह्यकालों का कालह्न और ह्यदेवों का देवह्न अर्थात ह्यमहादेवह्न कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है?

इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ है, ह्यह्यजिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से ह्यसगुण ईश्वरह्न और ह्यनिर्गुण ब्रह्मह्न कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं।ह्नह्न

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे ह्यनीलकंठह्न के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव ह्यचन्द्रशेखरह्न भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

संपादकीय

बांग्ला जनादेश के मायने

बांग्लादेश ने तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी को प्रचंड जनादेश दिया है। बेशक यह अभूतपूर्व, अप्रत्याशित और ऐतिहासिक जनादेश है। संसद की कुल 300 सीटों में से 212 सीटों पर बीएनपी के उम्मीदवार जीते हैं। जिस शख्स ने निर्वासन के 17 लंबे साल लंदन में काटे हों, अचानक वक्त और परिस्थितियां बदल गईं और आज उसका प्रधानमंत्री बनना महज औपचारिकता भर है। बांग्ला लोगों ने एक लोकतांत्रिक, समावेशी, प्रगतिशील, महिला सशक्तिकरण वाले और विकासशील देश के लिए जनादेश दिया है, लिहाजा तारिक रहमान की यही सबसे गंभीर चुनौती है। जिन इस्लामवादी ताकतों ने ऐलान किया था कि अब बांग्लादेश एक मुस्लिम देश होगा और अल्लाह के कानून, यानी शरिया, से देश चलेगा। 'कठपुतली' यूनुस इन्हीं कट्टरपंथियों की हुकूमत का हिमायती था। जनता ने उन जेहादी किस्म की कट्टरपंथी और भारत-हिंदू-विरोधी ताकतों को लगभग खारिज कर दिया है। जमात-ए-इस्लामी के 11 दलों के गठबंधन को 74 सीटें ही नसीब हुई हैं। पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई, जनरल मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज का 'इस्लामिक एजेंडा' और 'मुस्लिम ब्रदरहुड' धरे-धराए रह गए हैं, क्योंकि बीएनपी भी पाकिस्तान को फासले पर रखने की पक्षधर रही है। यह जनादेश छात्रों, युवाओं की बगावत की आड़ में कट्टरपंथी ताकतों के आंदोलन के 18 माह बाद सामने आया है। तब 'जुलाई चार्टर' तय किया गया था और शेख हसीना को देश छोड़ कर भागने को विवश किया गया था, इसके पक्ष में भी 70 फीसदी से अधिक लोगों ने मतदान किया है। तख्तापलट प्रधानमंत्री शेख हसीना के बाद एक लोकतांत्रिक सरकार 'नया बांग्लादेश' बनाएगी और भारत उस देश के साथ खड़ा रहना चाहता है, प्रधानमंत्री मोदी ने तारिक रहमान को बधाई देते हुए यह अपेक्षा की है और भरोसा दिया है। यह गौरतलब है कि करीब 20 साल बाद बीएनपी बांग्लादेश की सत्ता में लौटी है। यकीनन यह चुनाव आसान नहीं था। मतदान के दौरान 14 इलाकों में जमकर हिंसा हुई, लाठियां चलीं, बूथ पर बम धमाके किए गए, बूथ छापे गए, आधी रात में फर्जी मतदान के वीडियो ने सब कुछ बेनकाब कर दिया। इसके अलावा, अल्पसंख्यक हिंदुओं पर 4000 से अधिक हमले किए गए, उनके मंदिर, देवी-देवताओं की प्रतिमाएं खंडित की गईं, फिर भी एक करोड़ से अधिक हिंदुओं ने, लोकतंत्र और बंगाली देश की खातिर, मतदान किए। उन्होंने 'अवामी लीग' पर पाबंदी के बावजूद बीएनपी को वोट दिए और 'मुस्लिम देश' बनाने की साजिशों की बाजी ही पलट दी। भारी संख्या में महिलाओं ने भी बीएनपी को जनादेश दिया, जो पार्टी सत्ता में रही है और कमोबेश उनकी सोच संकीर्ण और जेहादी नहीं है।

चिंतन-मनन

खुद को दूसरों से श्रेष्ठ मानकर अहंकार न करें

ईश्वर ने जब संसार की रचना की तब उसने सभी जीवों में एक समान रक्त का संचार किया। इसलिए मनुष्य हो अथवा पशु सभी के शरीर में बह रहा खून का रंग लाल है। विभिन्न योनियों की रचना भी इसलिए की ताकि मनुष्य कभी इस बात का अहंकार न करें कि वह दूसरों से श्रेष्ठ है क्योंकि जीवन और मरण के चक्र में कौन कब किस योनि में जाएगा यह किसी को पता नहीं।

समानता के पीछे ईश्वर की यही इच्छा थी कि संसार में आपसी प्रेम और सद्भाव बना रहे, लोगों में छोटे अथवा बड़े का भेद पैदा नहीं हो। लेकिन समय के साथ मनुष्य की बौद्धिक क्षमता बढ़ती गयी किन्तु व्यवहारिक ज्ञान का लोप होता चला गया। मनुष्य ईश्वर की इच्छा को समझ नहीं पाया और आपस में भेद-भाव करने लगा। शास्त्रों में लिखा है कि जो ईश्वर की इच्छा का सम्मान नहीं करता है ईश्वर उससे नाराज होते हैं परिणामस्वरूप व्यक्ति का पतन हो जाता है। एक कथा इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। महाभारत युद्ध के बाद काफी समय तक पांचों पाण्डवों ने कुशलता पूर्वक शासन करते हुए राज सुख का आनंद लिया। इसके बाद अपने उत्तराधिकारी को शासन का कार्य भार सौंप कर सभी ने सशरीर स्वर्ग की ओर प्रस्थान करने की योजना बनायी। निश्चित समय पर द्रौपदी समेत पांचों पाण्डव स्वर्ग की यात्रा पर निकल पड़े। मार्ग में उन्हें एक काला कुत्ता मिला। कुत्ता भी इनके पीछे-पीछे चल पड़ा। युधिष्ठर को छोड़कर सभी भाई एवं द्रौपदी को यह अच्छा नहीं लगा कि कुत्ता उनके साथ सशरीर स्वर्ग प्राप्त करे। सभी भाईयों ने कुत्ते को धक्का देकर पर्वत से नीचे गिराना चाहा। लेकिन, कुत्ता पर्वत से नहीं गिरा बल्कि बारी-बारी से सभी भाई और द्रौपदी पर्वत से गिर पड़े और सशरीर स्वर्ग नहीं पहुंच पाये। युधिष्ठर के पीछे-पीछे कुत्ता चलता रहा लेकिन युधिष्ठर ने इसका एतराज नहीं किया। स्वर्ग के पास पहुंचने पर एक विमान सामने नजर आया। युधिष्ठर इसमें बैठ गये तो कुत्ता भी साथ में आकर बैठ गया, इस पर भी युधिष्ठर ने एतराज नहीं किया। युधिष्ठर की दयालुता और समानता के भाव को देखकर कुत्ता बनकर साथ में चल रहे धर्मराज अपने वास्तविक रूप में प्रकट हो गये और युधिष्ठर से कहा कि वास्तव में तुम धर्म के प्रतीक हो और तुम सशरीर स्वर्ग में प्रवेश करने की योग्यता रखते हुए। इस तरह समानता के भाव की वजह से युधिष्ठर सशरीर स्वर्ग में स्थान प्राप्त करने में सफल हुए और असमानता का भाव रखने वाले शेष पाण्डव अपने उद्देश्य में असफल हुए।

रहमान के नेतृत्व वाले बांग्लादेश से खासी उम्मीदें

डॉ हिदायत अहमद खान

बांग्लादेश के आम चुनाव परिणामों ने दक्षिण एशिया की राजनीति में एक नया अध्याय लिखने के लिए एक कोरी डायरी पेश कर दी है। इसमें नई सरकार के काम-काज के साथ ही उनके असर को बिंदुवार रेखांकित किया जा सकेगा। दरअसल तारिक रहमान की 17 वर्ष बाद स्वदेश वापसी और उनकी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की निर्णायक जीत ने सत्ता संतुलन बदल दिया है। यह चुनाव जुलाई 2024 की हिंसक उथल-पुथल और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के लंबे शासन के अंत के बाद हुआ। स्वाभाविक है कि अब सबकी नजर नई सरकार की कथनी और करनी के साथ ही साथ विदेश नीति पर है। सवाल यही कि क्या ढाका नई दिल्ली के करीब आएगा या बीजिंग और इस्लामाबाद की ओर झुकेगा? वैसे भी भारत के लिए यह सवाल केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और रणनीतिक महत्व का है। याद करें जब 1971 में पूर्वी पाकिस्तान के दमन के खिलाफ मुक्ति संग्राम छिड़ा, तब भारत ने निर्णायक भूमिका निभाई। भारतीय सेना के हस्तक्षेप, शरणार्थियों को आश्रय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समर्थन ने स्वतंत्र बांग्लादेश के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। इसलिए भारत-बांग्लादेश संबंध केवल पड़ोसी देशों का रिश्ता नहीं, बल्कि साझा इतिहास, बलिदान और सांस्कृतिक निकटता से जुड़ा है। आखिर यह कौन नहीं जानता कि तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की दृढ़ कूटनीतिक और सैन्य रणनीति ने पाकिस्तान को 13 दिनों के युद्ध में घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। वक्त बदला और हालात भी बदले लेकिन भारत ने कभी भी बांग्लादेश के साथ दोयम दर्जे का बर्ताव कभी नहीं किया। हर समय कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ाने का काम किया, आर्थिक मदद प्रदान करने से भी पीछे नहीं हटा। यही वजह रही कि जैसे ही बीएनपी की बंपर जीत सामने आई नई दिल्ली ने तेजी से पहल करते हुए बधाई संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रगतिशील बांग्लादेश की कामना की। यह संदेश औपचारिक जरूर था, लेकिन इसके निहितार्थ स्पष्ट थे, भारत पिछले डेढ़ वर्ष की अस्थिरता, चीन-पाकिस्तान की बढ़ती सक्रियता और अल्पसंख्यकों पर हमलों जैसी चिंताओं को पीछे छोड़ स्थिर संबंध चाहता है।

गौरतलब है कि बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान एक प्रभावशाली राजनीतिक परिवार से आते हैं। वे पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे हैं। निर्वासन के लंबे काल के बाद उनकी वापसी ने जनता में उत्साह पैदा किया है। चुनाव प्रचार के दौरान उनका मेरे पास बांग्लादेश के लिए एक योजना है वाला संदेश नई शुरूआत का संकेत था। उन्होंने यह भी कहा है कि वे भारत के हितों का सम्मान करेंगे, यह बयान उनकी मां की बांग्लादेश पहले नीति से थोड़ा संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण दर्शाता है। बावजूद इसके बांग्लादेश को लेकर भारत की चिंताएं तीन आयामों में केंद्रित हैं। पहला, कहीं पाकिस्तान-चीन-बांग्लादेश का कोई त्रिकोणीय समीकरण न उभर आए। दूसरा, सीमा और आंतरिक सुरक्षा, विशेषकर अवैध घुसपैठ और पूर्वोत्तर भारत में अस्थिरता। तीसरा, आर्थिक हित। भारत को बांग्लादेश के साथ व्यापार में उल्लेखनीय लाभ है; वह वहां के वस्त्र उद्योग को बड़े पैमाने पर कच्चा कपास निर्यात करता है। स्थिर संबंध दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए लाभकारी होंगे। शेख हसीना के काल में संबंध अपेक्षाकृत स्थिर रहे। सीमा समझौते, यातायात संपर्क और सुरक्षा सहयोग में प्रगति हुई। हालांकि अवामी लीग इस बार चुनावी मैदान से बाहर रही और हसीना पर कानूनी संकट भी मंडरा रहा है, लेकिन यह भी सच है कि सत्ता परिवर्तन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। भारत को बदलती राजनीतिक वास्तविकताओं के साथ तालमेल बिठाना ही होगा। एक सकारात्मक संकेत यह है कि कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी सरकार का हिस्सा नहीं बन रही। यदि ऐसा होता तो भारत की सुरक्षा चिंताएं और गहरी हो सकती थीं। चीन की बढ़ती आर्थिक मौजूदगी, विशेषकर बंदरगाह और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में नई दिल्ली के लिए चिंता का विषय है। श्रीलंका और पाकिस्तान में चीनी निवेश के रणनीतिक आयाम पहले से स्पष्ट हैं। बांग्लादेश में भी ऐसी संभावनाएं भारत को सजग रहने को बाध्य करती हैं। फिलहाल भारत रुको और देखो की नीति अपनाए हुए है। उसे भावनात्मक प्रतिक्रिया के बजाय व्यावहारिक कूटनीति अपनानी होगी। ढाका की नई सरकार भी समझती है कि भारत से दूरी बनाना आसान विकल्प नहीं। भौगोलिक, आर्थिक और सांस्कृतिक निकटता दोनों देशों को सहयोग की दिशा में ही ले जाती है। आखिरकार, 1971 की साझी विरासत आज भी दोनों देशों के रिश्तों की आधारशिला है। यदि तारिक रहमान उस ऐतिहासिक सच्चाई को ध्यान में रखते हुए संतुलित विदेश नीति अपनाएंगे तो बांग्लादेश और भारत मिलकर दक्षिण एशिया में स्थिरता और समृद्धि का नया अध्याय लिख सकते हैं। उम्मीदें खासी हैं और अब परीक्षा नई सरकार की है।

दाढ़ी पर नहीं, सोच पर बहस जरूरी

डॉ. सत्यवान सौरभ

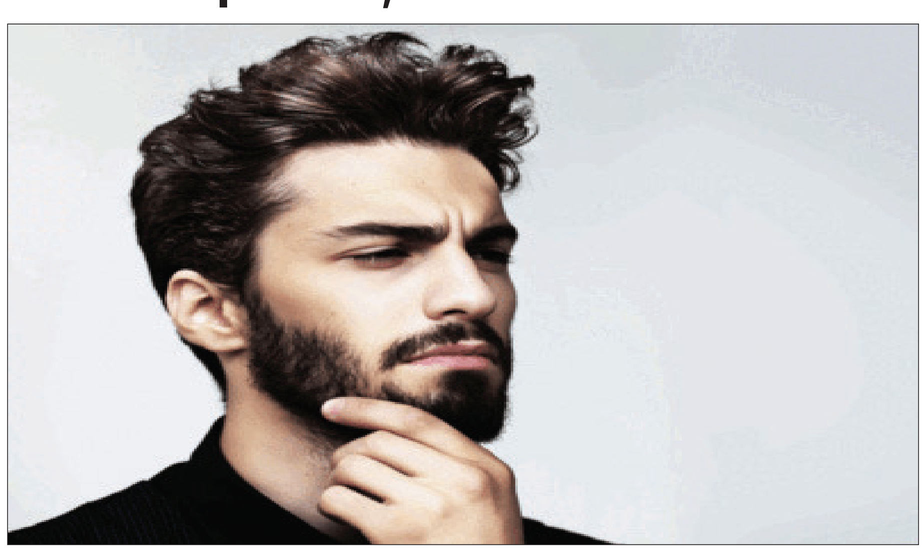

फैशन, पहचान और भ्रमः आज के युवाओं के सामने असली चुनौती...

हर दौर की अपनी पहचान होती है। यह पहचान केवल कपड़ों, हेयर-स्टाइल या चेहरे पर उगे बालों से नहीं बनती, बल्कि उस सोच से बनती है जो व्यक्ति और समाज–दोनों को दिशा देती है। आज के समय में युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वे कैसे दिखते हैं यह कम, और क्या सोचते हैं तथा किसका अनुकरण करते हैं–यह अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। बाहरी आकर्षण, सोशल मीडिया की चमक और तात्कालिक लोकप्रियता ने पहचान की परिभाषा को सतही बना दिया है।

बीते कुछ वर्षों में दाढ़ी को लेकर एक तीखी बहस उभरी है। कुछ लोग इसे आधुनिक फैशन का प्रतीक मानते हैं, तो कुछ इसे सांस्कृतिक भ्रम और अंधानुकरण का उदाहरण। यह बहस तब और जटिल हो जाती है जब इसे धर्म, राजनीति या साज़िश से जोड़ दिया जाता है। ऐसे में जरूरी है कि हम भावनाओं से ऊपर उठकर, शोर से दूर रहकर, विवेकपूर्ण और तथ्यपरक दृष्टि से इस विषय को देखें। क्योंकि जब मुद्दे विचार के बजाय पहचान की लड़ाई बन जाते हैं, तब समाधान नहीं, विभाजन पैदा होता है।

इतिहास गवाह है कि दाढ़ी और क्लीन शेव–दोनों ही भारतीय समाज का हिस्सा रहे हैं। वैदिक काल के ऋषि-मुनि जटाधारी थे, तो राजदरबारों में सुसज्जित, साफ-सुथरे व्यक्तित्व भी दिखाई देते थे। मध्यकाल हो या आधुनिक काल–हर युग में दोनों प्रकार के रूप साथ-साथ मौजूद रहे। स्वतंत्रता संग्राम के समय महात्मा गांधी, सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह, पंडित नेहरू–सभी का रूप अलग था, पर उद्देश्य एक। स्पष्ट है कि दाढ़ी कोई नई या बाहरी चीज नहीं है, और न ही क्लीन शेव कोई विदेशी अवधारणा। दोनों ही समय, परिस्थिति और व्यक्तिगत पसंद के अनुसार बदलते रहे हैं।

आज दाढ़ी का चलन केवल भारत तक सीमित नहीं है। यह एक वैश्विक फैशन का हिस्सा बन चुका है। हॉलीवुड, यूरोपीय फैशन, खेल जगत, संगीत उद्योग और डिजिटल इन्फ्लुएंसर्स–हर जगह दाढ़ी अलग-अलग शैलियों में दिखाई देती है। सोशल मीडिया ने इन रुझानों को और तेज कर दिया है। एक तस्वीर, एक वीडियो या एक रील के जरिये ट्रेंड पल भर में दुनिया भर में फैल जाते हैं। ऐसे में यह मान लेना कि कोई एक उद्योग, समूह या विचारधारा ही किसी फैशन को 'फैला' रही है, वास्तविकता का सरलीकरण होगा।

लेकिन यह भी उतना ही सच है कि अंधानुकरण एक गंभीर समस्या बन चुका है। जब युवा किसी भी ट्रेंड को बिना सोचे-समझे केवल इसलिए अपनाते हैं क्योंकि वह लोकप्रिय है या 'कूल' माना जा रहा है, तब उनका व्यक्तित्व उधार का हो जाता है। फैशन तब समस्या बनता है जब वह सोच पर हावी हो जाए और पहचान को केवल बाहरी प्रतीकों तक सीमित कर दे। सवाल दाढ़ी रखने या न रखने का नहीं है; सवाल यह है कि क्या हम अपने चुनाव के कारण जानते हैं, या सिर्फ.भीड़ के साथ चल रहे हैं?

इस संदर्भ में सिनेमा और डिजिटल मीडिया की भूमिका पर चर्चा जरूरी है। मनोरंजन उद्योग न केवल कहानियाँ सुनाता है, बल्कि जीवन-शैली के मानक भी गढ़ता है। बार-बार एक ही तरह के 'लुक', 'स्टाइल' और 'हीरोइज्म' को आदर्श बनाकर प्रस्तुत करने से युवाओं के सामने विकल्प सीमित हो जाते हैं। इससे विविधता कम होती है और एकरूपता बढ़ती है। जिम्मेदार मीडिया वही है जो समाज की बहुलता को दिखाए–जहाँ सादगी भी आकर्षक हो, और अलग-अलग व्यक्तित्व भी स्वीकार्य हों। लेकिन दर्शक के रूप में हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम दिखावे और मूल्य में अंतर करना सीखें।

ईश्वर, संस्कृति और सौंदर्य की चर्चा में भी संतुलन आवश्यक है। हमारी परंपराएँ अत्यंत विविध रही हैं। कहीं जटाधारी तपस्वी हैं, तो कहीं सुसज्जित देव-प्रतिमाएँ; कहीं वैराग्य है, तो कहीं श्रृंगार। सौंदर्य का अर्थ केवल बाहरी रूप नहीं, बल्कि आचरण, करुणा, संयम और विवेक है। यदि हम सौंदर्य को केवल चेहरे, दाढ़ी या फैशन तक सीमित कर दें, तो हम अपनी ही सांस्कृतिक गहराई को कम कर देते हैं।

आज के युवाओं के सामने असली खतरा किसी एक फैशन से नहीं, बल्कि आत्मबोध की कमी से है। जब युवा अपने इतिहास, मूल्यों और सांस्कृतिक बहुलता को समझते हैं, तब वे किसी भी ट्रेंड को अपनाएँ–या न अपनाएँ–वह उनका सजग और स्वतंत्र निर्णय होता है। लेकिन जब पहचान केवल बाहरी प्रतीकों पर टिक जाती है, तब भ्रम पैदा होता है और व्यक्ति आसानी से प्रभावित हो जाता है।

समाधान डर, आरोप या साज़िश की भाषा में नहीं है। समाधान शिक्षा, संवाद और आत्मविश्वास में है। युवाओं को यह समझाना जरूरी है कि फैशन क्षणिक होता है, लेकिन चरित्र स्थायी। आज जो ट्रेंड है, कल बदल जाएगा; पर जो मूल्य आप अपनाते हैं, वही जीवन भर साथ रहते हैं। इसलिए चयन सोच-समझकर होना चाहिए–न दबाव में, न डर में, और न ही अंधानुकरण में।

समाज को विभाजन की भाषा से भी सावधान रहना चाहिए। जब हम किसी चलन को डर या साज़िश के चश्मे से देखते हैं, तो संवाद बंद हो जाता है और ध्रुवीकरण बढ़ता है। इसके विपरीत, जब हम प्रश्न पूछते हैं–'क्यों?', 'कैसे?' और 'किस हद तक?'–तब समझ विकसित होती है। स्वस्थ समाज वही है जो असहमति को जगह देता है, लेकिन सम्मान और तथ्य के साथ।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम युवाओं को आलोचनात्मक सोच सिखाएँ–ताकि वे हर ट्रेंड को आँख बंद करके न अपनाएँ। उन्हें अपने शरीर, समय और पहचान पर अधिकार का बोध हो। फैशन अपनाना गलत नहीं; गलत है फैशन के पीछे खुद को खो देना। व्यक्तित्व की असली सुंदरता बाहरी सजावट में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और विवेक में होती है।

अंततः, यह बहस दाढ़ी की नहीं, दिशा की है। हम अपनी पहचान किस पर बना रहे हैं–दिखावे पर या विचार पर? यदि हम युवाओं को शिक्षा, अवसर और आत्मसम्मान देंगे, तो वे किसी भी फैशन में सुरक्षित रहेंगे–क्योंकि उनकी जड़ें मजबूत होंगी। समाज का भविष्य बाहरी रूपों से नहीं, सोच की मजबूती से तय होता है। और वही सोच हमें यह सिखाती है कि ट्रेंड आते-जाते रहते हैं, लेकिन मूल्य वही होते हैं जो समय की कसौटी पर टिकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

एपस्टीन मामले में नॉर्वे के पूर्व पीएम के घर पर छापा

नॉर्वे, एजेंसी। कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के साथ संबंधों की जांच के सिलसिले में नॉर्वे की पुलिस ने बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री थोरबजोर्न जगलैंड के घरों की तलाशी ली। नॉर्वे में आर्थिक अपराधों के मामले में जांच करने वाली राष्ट्रीय एजेंसी ओकोक्रिम ने जगलैंड के ओस्लो स्थित आवास और अन्य संपत्तियों पर यह छापे मारे। एक दिन पहले ही काउंसिल ऑफ यूरोप ने उनकी राजनयिक छूट हटाई थी। जगलैंड पर गंभीर भ्रष्टाचार के भी आरोप हैं। जगलैंड नॉर्वे के विदेश मंत्री और नोबेल शांति पुरस्कार समिति के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उनके वकील एंडर्स ब्रोसवीत ने कहा कि यह जांच का एक सामान्य हिस्सा है। जगलैंड ने इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि वे चाहते हैं कि इस मामले में स्थिति स्पष्ट हो।

पाकिस्तान का चीन से पृथ्वी अवलोकन उपग्रह लॉन्च

बीजिंग, एजेंसी। पाकिस्तान ने चीन के यांगजियांग सीशोर प्रक्षेपण केंद्र से अपने दूसरे स्वदेशी पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओ-2 का बृहस्पतिवार को प्रक्षेपण किया। यह उपग्रह देश की पृथ्वी अवलोकन व उच्च-रिजॉल्यूशन इमेजिंग क्षमताएं बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। यह उपग्रह राष्ट्रीय विकास योजना, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पर्यावरण निगरानी और शहरी विस्तार में सहयोग देने के लिए डाटा प्रदान करेगा, जो रणनीतिक निर्णय लेने की क्षमता मजबूत करेगा।

लोगों का सोशल मीडिया का क्लीनिकल आदी होना संभव नहीं : इंस्टाग्राम प्रमुख

वाशिंगटन, एजेंसी। मेटा व गूगल के स्वामित्व वाले इंस्टाग्राम-गूगल पर चल रहे एक ऐतिहासिक मुकदमे में इंस्टाग्राम प्रमुख एडम मोसेरी ने सोशल मीडिया से जुड़े एक मामले में गवाही दी। वह बोले, इस विचार से सहमत नहीं हुआ जा सकता कि लोग सोशल मीडिया मंचों के क्लीनिकल आदी हो सकते हैं। यह केस उन आरोपों पर आधारित है जिनमें वादियों ने सोशल मीडिया मंचों का उपयोग करने वाले बच्चों को हुई क्षति के लिए कंपनियों को जिम्मेदार ठहराने की मांग की है। मोसेरी ने कहा, क्लीनिकल आदी होने और समस्या पैदा करने वाले उपयोग के बीच अंतर करना जरूरी है। वह बोले, क्लीनिकल एडिक्शन ऐसी लत है जिसे मेडिकली एक मानसिक विकार कहा जाता है। मोसेरी ने कहा, मैं चिकित्सा विशेषज्ञ होने का दावा नहीं कर रहा, लेकिन उनके बहुत करीबी को गंभीर क्लीनिकल लत का अनुभव हुआ है, इसलिए अपने शब्दों को लेकर सावधानी रखता हूं। उन्होंने कहा, मैं और मेरे सहयोगी समस्या पैदा करने वाले शब्द का उपयोग उस स्थिति के लिए करते हैं, जब कोई इंस्टाग्राम पर उतना अधिक समय बिताता है, जितना वह खुद उचित नहीं मानता। वह बोले, हम अधिकतम सुरक्षा का प्रयास करते हैं, लेकिन न्यूनतम सेंसरशिप भी रखना चाहते हैं।

ट्रंप मानहानि मामले में कोर्ट ने खारिज की बीबीसी की याचिका

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मानहानि मामले में अमेरिकी की एक अदालत ने बीबीसी की याचिका खारिज कर दी है। बीबीसी ने 10 अरब डॉलर के मुकदमे में जांच प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की थी। यह मुकदमा बीबीसी की ओर से एक भाषण के संपादन को लेकर दायर किया गया है, जिसमें ऐसा प्रतीत होता है कि ट्रंप ने समर्थकों को अमेरिकी कैपिटल भवन पर धावा बोलने का निर्देश दिया था। ट्रंप ने ब्रिटेन के सार्वजनिक स्वामित्व वाले प्रसारक पर 6 जनवरी, 2021 के भाषण के कुछ हिस्सों को जोड़कर उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाया है। फ्लोरिडा के दक्षिणी जिले के लिए संयुक्त राज्य जिला अदालत के जज रॉय ऑल्टमैन ने बुधवार को कहा, बीबीसी का आवेदन समय से पूर्व प्राप्त हुआ है। इसमें उसने यह बताने की कोशिश भी नहीं की कि स्थगन न मिलने पर उसे क्या नुकसान होगा।

पाकिस्तानी सेना के पूर्व चीफ बाजवा आईसीयू में भर्ती ; फिसलकर गिरे, सिर में लगी गंभीर चोट

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल कमर जावेद बाजवा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वो घर में फिसलकर गिर गए थे और उन्हें काफी चोट आई थी। पाकिस्तान के प्रमुख मीडिया हाउस डॉन ने बताया कि बाजवा अपने घर में फिसल गए थे और काफी चोट आई थी। उन्हें इलाज के लिए कंबाइंड मिलिट्री हॉस्पिटल (सीएमएच) ले जाया गया और बताया जा रहा है कि फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। पाकिस्तानी सेना के पूर्व अध्यक्ष को अस्पताल के इंटेंसिव केयर यूनिट में भर्ती कराया गया। हालांकि उनकी चोटें कितनी गहरी हैं इसको लेकर कुछ स्पष्ट नहीं किया गया है।

बांग्लादेश की राजनीति का नया चेहरा तारिक रहमान: मां पूर्व पीएम तो पिता पूर्व राष्ट्रपति

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के 2026 के आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की ऐतिहासिक जीत में तारिक रहमान की रणनीतिक और करिश्माई भूमिका ने केंद्रबिंदु की तरह काम किया। लंबे निर्वासन और राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद, उन्होंने पार्टी को एकजुट किया, युवा मतदाताओं को आकर्षित किया और जनसमर्थन की नई लहर खड़ी की। यह जीत सिर्फ बीएनपी की नहीं, बल्कि तारिक रहमान की नेतृत्व क्षमता और राजनीतिक दृष्टि का प्रतीक बनकर उभरी है। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि बांग्लादेश की राजनीति दशकों से दो मुख्य पारिवारिक-राजनीतिक धारणाओं के बीच घूमती रही है। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत खालिदा जिया की विरासत के बीच। ऐसे में 2026 के चुनावों में बीएनपी की जीत और तारिक रहमान की उभरती भूमिका यह संकेत देती है कि अब देश का नेतृत्व एक नए राजनीतिक दौर में प्रवेश कर सकता है।

पहले तारिक रहमान के बारे में जानिए : 20 नवंबर 1965 को जन्मे तारिक रहमान बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ नेता और पार्टी के चेयरमैन हैं। वह पार्टी की सर्वोच्च राजनीतिक इकाई का नेतृत्व करते हैं। उन्होंने ढाका यूनिवर्सिटी से शिक्षा प्राप्त की और राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाना शुरू किया। वे बांग्लादेश के इतिहास में एक राजनीतिक परिवार से आते हैं। उनके पिता जिया उर रहमान बांग्लादेश के

राष्ट्रपति और स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे, जिनकी 1981 में हत्या हो गई थी। उनकी मां बेगम खालिदा जिया 1991 से 1996 व 2001 से 2006 तक बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री रहीं और बीएनपी की प्रमुख चेयरपर्सन थीं। अपने राजनीतिक जीवन के शुरुआती दिनों से ही तारिक अपने परिवार की राजनीति में शामिल रहे हैं और बीएनपी के भीतर स्थायी भूमिका निभाई है।

अब तारिक रहमान की मां खालिदा जिया के बारे में जानिए : तारिक रहमान की मां और बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया ने 3 जनवरी 1982 को पहली बार बीएनपी के सदस्य के तौर पर अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की। बाद में वे बीएनसपी की अध्यक्ष बनीं और अपनी मौत तक वह इस पद पर रहीं। बांग्लादेश में सैन्य शासन के खिलाफ खालिदा जिया एक प्रमुख आवाज बनकर उभरीं। लोगों को सैन्य शासन के खिलाफ एकजुट करने में खालिदा जिया ने अहम भूमिका निभाई।

जिया 1991 में पहली बार बनीं पीएम : खालिदा जिया साल 1991 में पहली बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनीं। इसके साथ ही बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने का गौरव भी हासिल किया। इसके बाद साल 2001 से 2006 तक दूसरी बार भी बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनीं। बताते चले कि खालिदा जिया का जन्म 15 अगस्त 1946 को अविभाजित भारत के दिनाजपुर जिले में हुआ। उनकी माता का नाम तैयबा और पिता का नाम इसकंदर मजूमदार था। खालिदा का परिवार जलपाईगुड़ी में चाय का व्यापार करता था और वहां से पलायन करके दिनाजपुर पहुंचा था। साल 1960 में खालिदा जिया की शादी आर्मी कैप्टन जिया उर रहमान के साथ हुई, जो बाद में बांग्लादेश के राष्ट्रपति बने। साल 1983 में जब खालिदा बीएनपी चीफ बनीं तो उनकी पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने खालिदा की काबिलियत पर शक जताते हुए पार्टी छोड़ दी।

तारिक रहमान के पिता और पूर्व बांग्लादेशी राष्ट्रपति : अब तारिक रहमान के पिता के बारे में जानते हैं। तारिक रहमान के पिता जिया उर रहमान ने बांग्लादेश के स्वतंत्रता सेनानी और देश के सैनिक-राजनीतिक नेता थे। वे 1975 में सैनिक हस्तक्षेप के बाद सत्ता में आए और 1977 से 1981 तक बांग्लादेश के राष्ट्रपति रहे। उन्होंने बीएनपी की स्थापना की और लोकतांत्रिक बहुदलीय राजनीति को मजबूती दी। 1981 में उनकी हत्या हुई, लेकिन उनकी राजनीतिक विरासत आज भी बीएनपी और देश की राजनीति में जीवित है।

तारिक रहमान की पत्नी जुबैदा कौन हैं : जुबैदा रहमान तारिक रहमान की पत्नी हैं और पेशे से चिकित्सक। वे अपने पति के राजनीतिक जीवन में समर्थक और साथ देने वाली भूमिका निभाती रही हैं। चुनावी अभियानों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में अक्सर उनके साथ नजर आती हैं। निजी जीवन में परिवार और सामाजिक जिम्मेदारियों में सक्रिय रहते हुए वे बीएनपी के भीतर तारिक की छवि को मजबूत करती हैं। अब बात अगर तारिक रहमान की बेटी के बारे में करें तो जाइमा रहमान तारिक रहमान की बेटी हैं। वे राजनीतिक जीवन में अपने पिता के साथ दिखाई देती हैं, विशेषकर चुनावी अभियानों और सामाजिक कार्यक्रमों में। हालांकि वे सार्वजनिक राजनीति में अभी पूरी तरह सक्रिय नहीं हैं, लेकिन युवा समर्थकों और परिवारिक दृष्टि से उनकी उपस्थिति ने बीएनपी के प्रचार और छवि को और व्यापक बनाया है। अच्छा इन सभी चिजों के बीच एक दिलचस्प बात ये है कि तारिक रहमान के साथ उनकी पारिवारिक पालतू बिल्ली जेबू भी खूब सुर्खियों में रही है। वह लंदन से ढाका लौटने के दौरान उनके साथ आई। भारतीय पर्यवेक्षकों का मानना है कि इस तथ्य के बावजूद कि बेगम खालिदा जिया के दो कार्यकाल के दौरान बीएनपी ने बंगलादेश ने कट्टरपंथी इस्लामवादी समूहों और पाकिस्तान समर्थक रुख अपनाया था।

यह जानबूझकर की गई क्रूरता है : पिता इमरान खान की आंखों की रोशनी खोने की खबर पर बेटे कासिम का फूटा गुस्सा

इस्लामाबाद/लंदन, एजेंसी। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। खान के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि इमरान खान की दाईं आंख की रोशनी केवल 15 प्रतिशत बची है। इस खबर के सामने आते ही उनके बेटे कासिम खान ने पाकिस्तान की सरकार और सैन्य नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वकीलों का दावा : जेल प्रशासन की लापरवाही इमरान खान के वकीलों के अनुसार, खान को पिछले तीन-चार महीनों से धुंधला दिखाई देने की शिकायत थी।

अपर्याप्त इलाज : जेल अधीक्षक को इस समस्या के बारे में बार-बार बताया गया, लेकिन कथित तौर पर उन्हें केवल 'आई ड्रॉप्स' देकर टाल दिया गया।

गंभीर स्थिति : समय पर विशेषज्ञ डॉक्टर को न दिखाने के कारण उनकी आंख की स्थिति इतनी बिगड़ गई कि अब रोशनी नाममात्र रह गई है।

बेटे कासिम खान का 'एक्स' पर हमला : लंदन में रह रहे इमरान खान के बेटे कासिम खान (ब्रिटिश नागरिक) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ' पर अपना दर्द

और आक्रोश साझा किया। उन्होंने इसे 'जानबूझकर की गई लापरवाही' करार दिया। 'इस गंभीर स्थिति की सीधी जिम्मेदारी वर्तमान सरकार, सेना प्रमुख और इस क्रूरता को मुमकिन बनाने वाले लोगों पर है। यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि जेल में उचित इलाज न देने का जानबूझकर लिया गया फैसला है।' – कासिम खान कासिम ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें और उनके भाई को अपने पिता से मिलने के लिए वीजा नहीं दिया जा रहा है, जिससे वे अपने पिता की सेहत का हाल जानने के लिए पाकिस्तान नहीं जा पा रहे हैं।

राजनीतिक तनाव बढ़ने के आसार : अगस्त 2023 से जेल में बंद इमरान खान के स्वास्थ्य से जुड़ी इस रिपोर्ट ने उनकी पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के कार्यकर्ताओं में भारी रोष पैदा कर दिया है। मानव अधिकार संगठनों ने भी जेल में बंद कैदियों के चिकित्सा अधिकारों को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं।

ट्रंप ने 2009 के जलवायु संबंधी फैसले को किया रद्द, ओबामा ने की आलोचना

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साल 2009 में किए गए एक महत्वपूर्ण जलवायु संबंधी फैसले को रद्द करने की घोषणा की है। यही फैसला अब तक अमेरिका में जलवायु नियमों की कानूनी बुनियाद माना जाता था। इसी के आधार पर मोटर वाहनों से निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसों पर नियम बनाए गए थे और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की नीतियां लागू की गई थीं। ट्रंप ने यह घोषणा व्हाइट हाउस में अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के प्रमुख ली जेल्डिन के साथ की। उन्होंने इसे 'अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ी डीरेगुलेटरी कार्रवाई' बताया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने कहा कि वे तथाकथित 'एंडेंजर्मेंट फाइंडिंग' को खत्म कर रहे हैं। उनके अनुसार यह ओबामा शासनकाल की एक खराब नीति थी, जिसने अमेरिकी ऑटो उद्योग को नुकसान पहुंचाया और उपभोक्ताओं के लिए वाहनों की कीमतें बढ़ा दीं। साल 2009 में की गई इस 'ग्रीनहाउस गैस एंडेंजर्मेंट फाइंडिंग' में कहा गया था कि कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और चार अन्य ग्रीनहाउस गैसें लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए खतरा हैं। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने बताया कि इसका इस्तेमाल गाड़ियों के एमिशन स्टैंडर्ड और फॉसिल फ्यूल कंपनियों के लिए अपने एमिशन की रिपोर्ट करने की जरूरतों जैसे रेगुलेशन को सही ठहराने के लिए किया गया है। ट्रंप ने कहा कि यह फैसला न तो तथ्यों पर आधारित था और न ही कानून पर। उनका कहना है कि जीवाश्म ईंधन ने पीढ़ियों तक लाखों लोगों की जान बचाई है और दुनिया भर में अरबों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में मदद की है। वहीं, पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यही फैसला वाहनों के धुएं और बिजली संयंत्रों से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण का आधार था। उन्होंने कहा कि इसे खत्म करने से लोग कम सुरक्षित और कम स्वस्थ होंगे तथा जलवायु परिवर्तन से लड़ना और कठिन हो जाएगा। उनका कहना है कि ऐसा केवल जीवाश्म ईंधन उद्योग को अधिक लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है।

नीदरलैंड की प्रमुख टेलीकॉम कंपनी हुई हैक: 60 लाख ग्राहकों के बैंक-पासपोर्ट का डाटा चोरी

एम्सटर्डैम, एजेंसी। नीदरलैंड की प्रमुख टेलीकॉम कंपनी ओडिडो पर साइबर हमलावरों ने बड़ा हमला बोल दिया है। कंपनी ने खुद माना कि हैकर्स ने उसके सिस्टम में घुसकर 60 लाख से ज्यादा ग्राहकों का निजी डेटा चुरा लिया। यह डेटा बहुत संवेदनशील है। इसमें लोगों के बैंक खाते की जानकारी और पासपोर्ट नंबर जैसी चीजें शामिल हैं। यह नीदरलैंड में अब तक का सबसे बड़ा डेटा लीक मामला बन गया है। कंपनी ने ग्राहकों को चेतावनी भेजी है और जांच शुरू कर दी है। ओडिडो ने सात फरवरी को संदेह होने पर जांच शुरू की। कंपनी ने अपने अंदरूनी विशेषज्ञों और बाहर के एक्सपर्ट्स की मदद ली। जांच में पता चला कि हैकर्स ने कंपनी के उस सिस्टम पर हमला किया जिससे ग्राहकों से संपर्क किया जाता है। कंपनी ने

तुरंत अनधिकृत पहुंच रोक दी। अब कंपनी का कहना है कि फोन और इंटरनेट इस्तेमाल करना पूरी तरह सुरक्षित है। प्रभावित ग्राहकों को ईमेल भेजकर सूचित किया गया है कि उनका डेटा प्रभावित हो सकता है।

कंपनी की कार्रवाई : ओडिडो ने इस घटना की सूचना नीदरलैंड की प्राइवेसी और डेटा प्रोटेक्शन संस्था एपी को दे दी है। कंपनी ने कहा है कि वह पूरी जांच कर रही है और ग्राहकों की सुरक्षा के लिए हर कदम उठा रही है। कंपनी ने ग्राहकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और कोई संदिग्ध ईमेल या मैसेज पर ध्यान न दें। ओडिडो ने यह भी बताया कि हमले के बाद सिस्टम को सुरक्षित कर लिया गया है।

कंपनी के बारे में : ओडिडो पहले टी-मोबाइल का डच बिजनेस था। 2021 में इसे प्राइवेट इक्विटी फर्म्स अपैक्स और वॉरबर्ग पिंकस ने खरीद लिया था। कंपनी नीदरलैंड में करीब 80 लाख ग्राहकों को सेवा देती है। वहां के बाजार में यह केपीएन और वोडाफोनजिग्गो जैसी बड़ी कंपनियों से मुकाबला करती है। यह हमला कंपनी की छवि पर बड़ा असर डाल सकता है। यह हमला दिखाता है कि साइबर खतरा कितना बड़ा है। ग्राहकों को अपने बैंक खातों पर नजर रखनी चाहिए। पासवर्ड बदलने चाहिए और दो-कारक प्रमाणीकरण चालू करना चाहिए। कंपनी ने कहा है कि वह प्रभावित लोगों की मदद के लिए कदम उठा रही है। नीदरलैंड की सरकार और प्राइवेसी वॉचडॉग इस मामले की गहराई से जांच कर रहे हैं। ऐसे हमलों से बचने के लिए हर कोई सतर्क रहना जरूरी है।

अमेरिका में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम 47 फीसदी अधिक, विशेषज्ञों ने चेताया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में रोजमर्रा की डाइट का बड़ा हिस्सा बन चुके अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स अब सीधे तौर पर दिल की बीमारियों से जुड़े पाए गए हैं। फ्लोरिडा अटलांटिक यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर पाया है कि जो वयस्क सबसे ज्यादा अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ खाते हैं, उनमें हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा 47% तक अधिक है। उम्र, धूम्रपान और आय जैसे कारकों को समायोजित करने के बाद भी यह जोखिम बना रहा।

क्या होते हैं अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स : अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स ऐसे औद्योगिक उत्पाद होते हैं जिनमें अतिरिक्त वसा, चीनी, स्टार्च, नमक और इमल्सीफायर जैसे रासायनिक एडिटिव्स मिलाए जाते हैं। सोडा, पैकेज्ड स्नैक्स और प्रोसेस्ड मीट इसके आम उदाहरण हैं। निर्माण के दौरान इनमें कई प्राकृतिक पोषक तत्व हटा दिए जाते हैं, जिससे ये अपने मूल स्वरूप से काफी अलग हो जाते हैं। इनमें ऐसे तत्व भी शामिल होते हैं जिनका मानव शरीर को ऐतिहासिक रूप से अनुभव नहीं रहा है। आज स्थिति यह है कि अमेरिका में औसतन वयस्कों की लगभग 60% कैलोरी और बच्चों की करीब 70% कैलोरी अल्ट्रा-प्रोसेस्ड भोजन से आती है। अमेरिका ही नहीं दुनिया के तमाम देशों में अल्ट्रा प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों की खपत बढ़ती जा रही है। पिछले अध्ययनों में यह दिखाया जा चुका है कि ज्यादा अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड खाने वालों में मेटाबॉलिक सिंड्रोम का खतरा बढ़ जाता है, जिसमें मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर, असामान्य कोलेस्ट्रॉल स्तर और इंसुलिन रेजिस्टेंस शामिल हैं।

तंबाकू जैसी चुनौती बन सकता है आधुनिक भोजन : शोधकर्ताओं का कहना है कि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड से जुड़े स्वास्थ्य खतरों की पहचान उसी तरह समय ले सकती है, जैसे पिछली सदी में तंबाकू के नुकसान समझने में लगा था। इसका एक कारण बड़े बहुराष्ट्रीय खाद्य निगमों का प्रभाव भी है, जो वैश्विक फूड मार्केट पर हावी हैं। साथ ही, कई समुदायों में स्वस्थ भोजन तक सीमित पहुंच भी एक बड़ी बाधा बनी हुई है।हेनेकन्स के अनुसार, अल्ट्रा- प्रोसेस्ड फूड से निपटना सिर्फ व्यक्तिगत पसंद का मामला नहीं है। यह ऐसे वातावरण बनाने की बात है जहां स्वस्थ विकल्प सबसे आसान विकल्प हों। क्लिनिकल गाइडेंस और सार्वजनिक स्वास्थ्य शिक्षा जरूरी है ताकि पौष्टिक भोजन हर किसी के लिए सुलभ और किफायती हो सके। शोधकर्ताओं ने कोलोरेक्टल कैंसर के बढ़ते मामलों की ओर भी ध्यान दिलाया है, खासकर युवा वयस्कों में। इस कैंसर के कई जोखिम कारक कार्डियोवैस्कुलर डिजीज से मेल खाते हैं, जिनमें डाइट पैटर्न प्रमुख है। एफएयू श्मिट कॉलेज ऑफ मेडिसिन के प्रोफेसर और चेयर एलिसन एच. फेरिस ने कहा, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड की बढ़ती खपत इसके लिए एक योगदानकर्ता हो सकती है।

क्या उत्तर कोरिया में बदलेगी सत्ता: किम जोंग की बेटी होंगी नई तानाशाह?

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया की सत्ता में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस ने खुलासा किया है कि तानाशाह किम जोंग उन अपनी बेटी किम जू ऐ उत्तराधिकारी के रूप में नामित करने की प्रक्रिया में काफी आगे बढ़ चुके हैं। गुरुवार को संसद की एक बंद कमरे की ब्रीफिंग में दी गई जानकारी के अनुसार, अब किम जू ऐ उत्तराधिकारी प्रशिक्षण से आगे बढ़कर उत्तराधिकारी के रूप में नामित होने के चरण में पहुंच चुकी हैं।

भाषा में बदलाव, संकेत मजबूत : एनआईएस के मुताबिक, पहले सरकारी हलकों में किम जू ऐ को केवल 'प्रशिक्षण में' बताया जाता था, लेकिन अब आधिकारिक भाषा में बदलाव आया है। यह संकेत देता है कि उत्तराधिकार की योजना अधिक संगठित और ठोस रूप ले चुकी है। सांसद ली सियोंग-क्वेउन ने मीडिया से बातचीत में बताया कि किम जू ऐ पिछले दो वर्षों में कई अहम सैन्य और प्रतीकात्मक कार्यक्रमों में अपने पिता के साथ नजर आई हैं। इनमें कोरियन पीपुल्स आर्मी की वर्षगांठ, कुमसुसान पैलेस ऑफ द सन का दौरा और वायु सेना दिवस समारोह शामिल हैं।

सैन्य कार्यक्रमों में प्रमुख उपस्थिति : सरकारी मीडिया में किम जू ऐ को इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण, सैन्य परेड और रक्षा अधिकारियों की बैठकों में प्रमुख स्थान पर दिखाया गया है। वह अक्सर अपने पिता के ठीक बगल में खड़ी नजर आती हैं, जो सत्ता हस्तांतरण की तैयारी का प्रतीक माना जा रहा है। एनआईएस का आकलन है कि किम जू ऐ अब डी फैक्टो दूसरे सबसे उच्च पद पर हैं और नीतिगत मामलों पर अपनी राय भी दे रही हैं। यह तो स्पष्ट है कि किम जू ऐ उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता और वर्कर्स पार्टी के महासचिव किम जोंग उन और उनकी पत्नी री सोल-जू की बेटी हैं। जू ऐ का जन्म किस तिथि और किस वर्ष में हुआ, इसका रहस्य अब तक बरकरार है। उनकी उम्र बारह या तेरह वर्ष है। चालीस साल से अधिक के हो चुके खुद किम जोंग उन की जन्म की तारीख और सन का अब तक कोई पता नहीं लगा पाया है। यहां तक कि दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी भी कयास ही लगाती रही। अमेरिका के दिग्गज बास्केटबाल खिलाड़ी डेनिस रोडमैन वर्ष 2013 में किम जोंग उन के परिवार से मिले थे। उन्होंने ही पहली बार यह बात सार्वजनिक की थी कि किम जोंग उन का एक बेटा व एक बेटी है।

अप्रैल में चीन पहुंचेंगे राष्ट्रपति ट्रंप, साल के आखिर में जिनपिंग करेंगे अमेरिका का दौरा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रैल 2026 में चीन यात्रा की पुष्टि की है। ट्रंप ने कहा कि वह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ एक समिट के लिए अप्रैल में चीन जाएंगे। इसके साथ ही प्रेसिडेंट शी के इस साल के आखिर में अमेरिका आने की उम्मीद है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'हां, मैं अप्रैल में राष्ट्रपति शी से मिलने जाऊंगा। मैं इसका इंतजार कर रहा हूं। वह साल के आखिर में यहां आ रहे हैं, और मुझे इसका काफी इंतजार है।' ट्रंप ने बीजिंग के साथ अमेरिका के संबंधों को स्थिर बताया। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'नहीं, चीन के साथ हमारे संबंध अभी बहुत अच्छे हैं। राष्ट्रपति शी के साथ मेरे संबंध बहुत अच्छे हैं। '

ट्रंप ने अप्रैल के दौरे की जगह या एजेंडा के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी है। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि शी का अमेरिका दौरा कब होगा, बस इतना कहा कि यह इस साल के आखिर में होगा।

बता दें, हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति और शी जिनपिंग ने फोन पर बातचीत की थी, जिसकी जानकारी अमेरिकी प्रेसिडेंट ने दी। ट्रंप के मुताबिक, यह बातचीत लंबी और गहन रही और इसमें व्यापार, सैन्य सहयोग, चीन की उनकी प्रस्तावित अप्रैल यात्रा, ताइवान, रूस-यूक्रेन युद्ध, ईरान की स्थिति और दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग जैसे विषय शामिल रहे।

इस संबंध में ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'मेरी अभी चीन के राष्ट्रपति शी के साथ टेलीफोन पर काफी अच्छे से बातचीत हुई है। यह एक लंबी और विस्तारपूर्ण बातचीत थी, जिसमें कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। आर्थिक मुद्दों पर विशेष जोर देते हुए ट्रंप ने कहा कि बातचीत में चीन द्वारा अमेरिका से ऊर्जा और कृषि उत्पादों की खरीद पर

चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं ने चीन द्वारा अमेरिका से तेल और गैस की खरीद के साथ-साथ अमेरिकी कृषि उत्पादों की अतिरिक्त खरीद पर भी बात की।

अमेरिकी राष्ट्रपति की तरफ से ये टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका-चीन के संबंध व्यापार, तकनीक और सुरक्षा में कॉम्पिटिशन से निर्धारित हो रहे हैं। एक तरफ दोनों देशों के बीच टैरिफ और सेमीकंडक्टर एक्सपोर्ट कंट्रोल को लेकर टकराव जारी है। दूसरी ओर हिंद-प्रशांत में रणनीतिक दुश्मनी भी गहरी हो गई है। तनाव के बीच दोनों पक्षों ने बातचीत के लिए उच्चस्तरीय राजनयिक माध्यम खुला रखा है। भारत के लिए, अमेरिका और चीन के बीच बातचीत का क्षेत्रीय असर होता है। गलवान में हुए विवाद के बाद से भारत और चीन के बीच काफी तनाव था, जो हाल के कुछ सालों में कम होता नजर आ रहा है। भारत ने न केवल चीन के साथ अपने संबंधों में सुधार किया है, बल्कि अमेरिका के साथ रणनीतिक संबंध भी मजबूत किए हैं। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच विकास पर पूरे एशिया में, खासकर हिंद-प्रशांत में, करीब से नजर रखी जाती है। पिछले दस सालों में, यूएस-चीन के संबंध सहयोग और टकराव के बीच झूलते रहे हैं। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान दोनों देशों के बीच ट्रेड विवाद बढ़े। तब से दोनों देशों के बीच सैन्य और तकनीकी कॉम्पिटिशन बढ़ा है। साथ ही, समिट डिप्लोमेसी रिस्क कम करने और कम्युनिकेशन लाइनें खुली रखने के तरीके के तौर पर जारी रही है। ट्रंप के आलोचकों का कहना है कि जब उनके इंपोर्ट पर टैरिफ लगाने की बात आती है तो राष्ट्रपति चीन के प्रति नरम रहे हैं। चीन के साथ अमेरिका का बहुत बड़ा ट्रेड डेफिसिट है।

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं डियोडरैंट

डियोडरैंट्स स्प्रे करते वक्त लापरवाही से आंखों में चला जाए तो आंखें लाल हो जाती हैं और अगर तुरन्त शुद्ध पानी से न धोया जाए तो रोशनी भी जा सकती है।

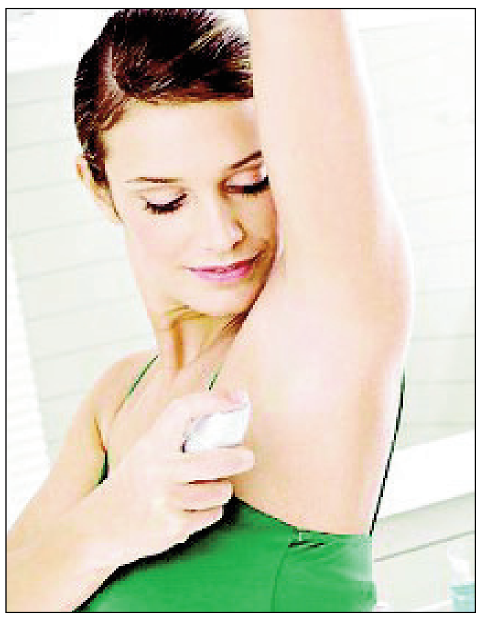

शरीर में पसीना आना कुदरती है। प्रकृति ने जानवर और इंसानों के शरीर से रक्त और अन्य कोशिकाओं से गंदगी बाहर निकालने तथा इसे ठंडा रखने के लिए पसीने की ईजाद की है। अगर आप माइक्रोस्कोप या पढ़ने वाले लैंस से देखें तो आपको शरीर पर बारीक छिद्र दिखेंगे जहां से पसीना बाहर आता है।

त्वचा के पीछे पसीने की ग्रंथियां होती हैं। अधिक गर्मी तथा शारीरिक मेहनत अथवा मानसिक तनाव या परेशानी और घबराहट की स्थिति में ग्रंथियां पसीना छोड़ती हैं। कैदी के पसीने से पुलिस उसके झूठ बोलने के अंदाजा लगा लेती है। यह तकनीक झूठ बोलने वाली मशीन (लाई डिटैक्टर) में भी इस्तेमाल होती है।

हमारे शरीर से निकलने वाला पसीना त्वचा की सतह पर फैल कर इसे ठंडा रखने में मदद करता है। शरीर में औसतन 20,000,00 (बीस लाख) ग्रंथियां होती हैं जो रक्त को शुद्ध रखने में मदद करती हैं। पसीने में प्राय: 18 प्रतिशत पानी और उसमें घुला अमोनिया, प्रोटीन, नमक और वसा मौजूद होते हैं।

पसीना अगर बहुत क्षारीय है तो पसीने में दुर्गंध आती है तथा बगल से निकलने वाले पसीने से कपड़े पीले पड़ जाते हैं जो धोने पर भी नहीं जाते। कभी-कभी तो दुर्गंध इतनी तेज होती है कि व्यक्ति के कमरे में दाखिल होते ही कमरा दुर्गंध से भर जाता है।

पसीने की दुर्गंध को दबाने के लिए बाजार में विभिन्न प्रकार की खुशबुओं के डियोडरैंट्स बिकते हैं। ऐसे खुशबूदार डियोडरैंट्स का नजारा होटलों और शादी ब्याह या पार्टियों में देखने को मिलता है। डियोडरैंट्स का इस्तेमाल लड़कियां और महिलाएं बहुत अधिक करती हैं।

महिलाओं की त्वचा अत्यधिक कोमल होने की वजह से डियोडरैंट्स सेहत को हानि पहुंचा रहे हैं। पसीने की क्रिया को रोकना मुश्किल है। बाजार में उपलब्ध सभी डियोडरैंट्स में एल्यूमीनियम निर्मित लवण मिलाए जाते हैं जो हमारी त्वचा के भीतर विराजमान ग्रंथियों को नुक्सान पहुंचाते हैं। आइए डियोडरैंट्स के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल करें-

- डियोडरैंट्स त्वचा के नीचे पसीने की ग्रंथि के छिद्रों को संकुचित करते हैं और लम्बे समय तक इस्तेमाल करने पर ये छिद्रों को बंद कर देते हैं जिससे पसीने की क्रिया बंद हो जाती है। कई महिलाओं में शरीर और बगल में दाने और फुंसियां भी निकल आती हैं।
- डियोडरैंट्स स्प्रे करते वक्त लापरवाही से आंखों में चला जाए तो आंखें लाल हो जाती हैं और अगर तुरन्त शुद्ध पानी से न धोया जाए तो रोशनी भी जा सकती है।
- महिलाओं में बगल के नजदीक स्तन होने के कारण कभी-कभी डियोडरैंट्स में पाए जाने वाले जिरकालीन साल्ट स्तन कैंसर को जन्म देते हैं।
- डियोडरैंट्स में पाए जाने वाले एल्यूमीनियम लवण ग्रंथियों द्वारा रक्त कोशिकाओं तक पहुंच जाते हैं तथा रक्त में घुल कर लम्बे समय के बाद अल्जाइमर रोग को जन्म देते हैं।
- डियोडरैंट्स को कभी छाती पर स्प्रे न करें। ऐसा करने पर हृदय की गति धीमी पड़ जाती है। और इससे अचानक मृत्यु भी हो सकती है।
- इस आधुनिक युग में डियोडरैंट्स का उपयोग नामुमकिन है। पसीने की दुर्गंध को मिटाने के लिए 10-12 गिलास पानी पीएं। पानी में डिटॉल या नींबू का रस मिला कर नहाएं। शरीर में महक बढ़ाने के लिए नहाने के पानी में गुलाबजल डालें। हफ्ते में एक बार बगल में नीम और चंदन का लेप लगाएं।
- बाजार से डियोडरैंट्स खरीदते समय देख लें कि उसमें एल्यूमीनियम क्लोराइड न हो क्योंकि वह सेहत के लिए हानिकारक हैं। डियोडरैंट्स अगर एल्यूमीनियम क्लोरहाईड्रेट से बना है तो जरूर खरीदें क्योंकि त्वचा के लिए अत्यधिक सुरक्षित हैं। प्रोपेन, ब्युटेन, जिंक, जिरकोनियम युक्त डियोडरैंट्स कम सुरक्षित हैं तथा दिन में केवल एक बार प्रयोग करें।
- भोजन में फलों का सेवन अधिक करें तथा डियोडरैंट्स की जगह पाऊडर का इस्तेमाल करें।

हेल्थ प्लस

शरीर में पाए जाने वाले कई खनिजों में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक होती है। औसतन 1200 ग्राम कैल्शियम शरीर में पाया जाता है। इसमें से लगभग 11 प्रतिशत कैल्शियम, कैल्शियम फॉस्फेट के रूप में पाया जाता है। वुमन भास्कर के लिए यह खास जानकारी शहर के चिकित्सकों ने दी है, ताकि महिलाएं कैल्शियम की कमी से ग्रस्त न हों

कैल्शियम की कमी से बढ़े रोग

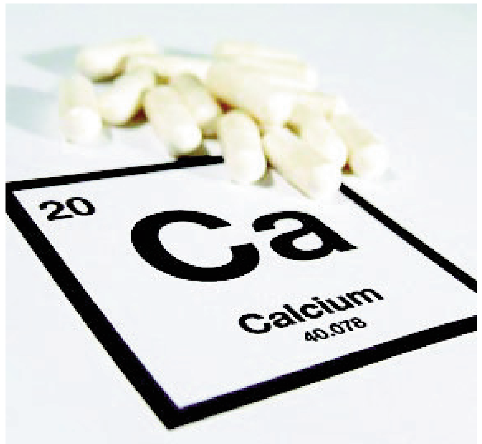

शहर में कामकाज की भाग-दौड़ में डाइट पर ध्यान न देने के कारण महिलाओं में कैल्शियम की कमी पाई जा रही है। इससे हड्डियों और दांतों की बीमारियां बढ़ रही हैं। डॉक्टरों के मुताबिक हड्डियों व दांतों में कैल्सिफिकेशन नहीं हो पाने से फास्फोरस व विटामिन-डी की कमी से जुड़े रोग बढ़ रहे हैं।

डॉ. एसएस खोसा, डॉ. पवन व डॉ. सुनील चौहान के मुताबिक हड्डियों में कैल्सिफिकेशन ठीक तरह से नहीं हो पाने से जमा हुआ कैल्शियम भी निकलने लगता है। इसे डी-कैल्सिफिकेशन कहते हैं, जिससे हड्डियां छोटी, लचीली व जल्दी टूटने वाली हो रही हैं। खासतौर पर पैरों की हड्डियों पर जल्दी प्रभाव पड़ है। रीढ़ की हड्डी झुकने का भी डर है। इससे एडल्ट रिकेट्स या ओस्टियोमेलेसिया के केसेस सिटी में मिलने लगे हैं। इसके अलावा कमजोरी, पैरों की हड्डियां, पीठ के नीचे के हिस्से में तेज दर्द, चलने में दिक्कत की शिकायतें भी मरीज लेकर आ रहे हैं। इनमें अधिकतर महिलाएं शामिल हैं।

ऐसा होता है निर्माण : कॉन्ट्रेक्शन-रिलेक्सेशन में सहायक कैल्शियम दांतों व हड्डियों का निर्माण करता है। फास्फोरस के साथ मिलकर हड्डियों को बनाने, बढ़ाने और ठोस व दृढ़ करने के लिए भी इसे उपयोग किया जाता है। यह दांतों का निर्माण भी करता है। हड्डियां भी कैल्शियम का संग्रह करती हैं। सोडियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम के साथ मिलकर कैल्शियम, मांसपेशियों के कॉन्ट्रेक्शन-रिलेक्सेशन को नियंत्रित करता है। इससे हाथ-पैर व गर्दन में हरकत होती है। हार्ट की मसल्स के कॉन्ट्रेक्शन व रिलेक्सेशन में सहायक होने के कारण यह हार्ट बीट्स को सामान्य बनाए रखता है। कैल्शियम रक्त के जमने की प्रक्रिया के लिए आवश्यक है। शरीर में विटामिन बी के शोषण में यह सहायक होता है। अनेक प्रकार के एंजाइमों की अनेक प्रक्रियाओं में उत्प्रेरक का कार्य करता है।

यहां से मिलती है मात्रा : तिल में कैल्शियम ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। तिल्ली के छिलकों में कैल्शियम आक्जेलेट के रूप में पाया जाता है। तिल्ली का छिलका निकाल देने पर केवल 0.15 प्रतिशत कैल्शियम शेष रह जाता है। इसके अलावा यह दालों, सूखे मेवों, खजूर आदि में कुछ मात्रा में पाया जाता है। दूध, दूध पाउडर, मलाई रहित दूध और दूध से बने पदार्थ कैल्शियम के अच्छे स्रोत हैं। एक कप दूध में पाया जाने वाली कैल्शियम की मात्रा 15 स्लाइस ब्रेड, डेढ़ कप आइस्क्रीम, 10 संतरे, 10 अंडे में पाए जाने वाले कैल्शियम की मात्रा के बराबर होती है। दूध के अलावा कैल्शियम हरी पत्तेदार सब्जियों में भी पाया जाता है।

बच्चों के लिए भी ध्यान दें : बच्चों में कैल्शियम की कमी से विकास रुक जाता है। पैरों की हड्डियां सबसे पहले प्रभावित होती हैं। इनमें जमा कैल्शियम निकल जाने से पैर शरीर का भार सहन नहीं कर पाते। हड्डियों में छेद, कलाई, घुटनों व एड़ियों के जोड़ चौड़े होने लगते हैं। बच्चों को चलने, खेलने में पैरों में दर्द होता है। यह रिकेट्स के लक्षण हैं। दांतों का निर्माण भी ठीक से नहीं होता। बच्चा चिड़चिड़ा हो जाता है यहां तक कि मांसपेशियों का निर्माण भी ठीक से नहीं हो पाता। कैल्शियम व विटामिन डी दोनों हड्डियों के निर्माण और मजबूती के लिए जरूरी होते हैं।

दोनों में से किसी एक की भी कमी होने पर हड्डियों पर बुरा असर पड़ता है।

समस्याएं यह भी

हड्डियों में कैल्शियम के जमा होने पर उनकी ताकत व आकार बना रहता है। कैल्शियम की कमी होने पर हड्डियां लचीली होकर मुड़ने लगती हैं। हड्डियों में छेद होने लगते हैं। यह ऑस्टियोपोरोसिस के लक्षण होते हैं। इसमें हड्डियों में घाव या फ्रैक्चर ठीक होने में काफी समय लगता है। महिलाओं में गर्भावस्था व बच्चे को फीडिंग कराते समय यह समस्या उत्पन्न होती है। महिलाओं को बार-बार गर्भवती होना और इस दौरान आहार में कैल्शियम व विटामिन-डी की कमी होना भी इसका एक प्रमुख कारण है। अगर गर्भवती महिला को हड्डियों में दर्द, चलने में कठिनाई होती है।

दिमाग से तेज आंखें

आंखें न केवल दुनिया दिखाने में मददगार होती हैं, बल्कि ये खतरों को भांपने में भी दिमाग से ज्यादा तेज होती हैं। एक नए अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। यह शोध स्विट्जरलैण्ड के बेसल स्थित फ्रेडरिक माइशेर इंस्टीट्यूट फॉर बायोमेडिकल रिसर्च की एक टीम ने किया है।

रेटिना में मौजूद कोशिका

इसका दावा है कि आंखों की रेटिना में मौजूद एक कोशिका दिमाग की मदद के बिना पास आती चीजों का पता लगा सकती है। इस कोशिका की खोज हाल ही की गई है। 'न्यू साइंटिस्ट' की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि शोधकर्ताओं के मुताबिक दिमाग की मदद के बिना यह कोशिका इनसान को आगाह कर सकती है कि कोई चीज उसके पास आ रही है।

स्तनधारी जीव-जन्तुओं के रेटिना में क्षैतिज और लम्बवत गतिविधियों के जवाब में काम करने वाले न्यूरॉन को पहले ही खोजा जा चुका था, लेकिन हाल में खोजी गई यह कोशिका पास आती चीजों को लेकर काफी संवेदनशील है। चूहों की आंखों में पाई जाने वाली कोशिकाओं की जांच के दौरान शोधकर्ताओं ने पाया कि क्षैतिज और लम्बवत गतिविधियों के जवाब में एक विशेष प्रकार की कोशिकाएं काफी असामान्य व्यवहार करती हैं। आगे की जांच में यह खुलासा हुआ कि ये कोशिकाएं सिर्फ उस वक्त काम करती हैं जब कोई चीज इसके पास पहुंच जाए। शोधकर्ता अब आगे के शोध में यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि खतरे को भांपने वाली ये कोशिकाएं आखिर किस प्रकार काम करती हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

काकुरो पहेली - 1988

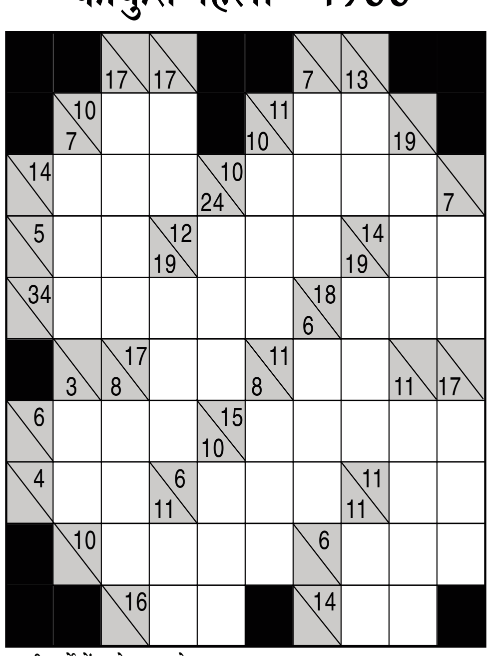

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

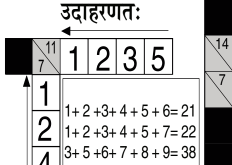

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1987 का हल

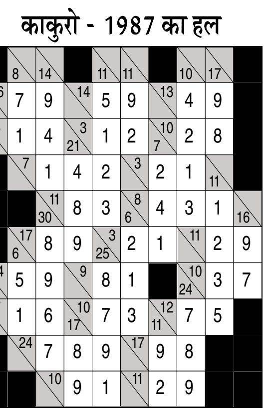

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने होटल के मालिक को कहा-'जनाब ! इस समय आपका बिल चुकाने के लिये मेरे पास पैसे नहीं हैं.'

'फिक्र न करें !' होटल का मालिक बोला-'हम आपका नाम दीवार पर लिख देंगे. आप जब अगली बार आएं तो दे दीजिएगा.'

'मगर ऐसे तो सबको मालूम हो जायेगा !'

'कैसे मालूम होगा श्रीमान जी !' होटल के मालिक शान्त स्वर में बोला -'नाम के ऊपर आपका कोट जो टंगा होगा.'

एक अंग्रेज ने, हिन्दुस्तानी आदमी से कहा कि 'तुम्हारी मूंछ तो बहुत अच्छी है, तुम मुझे यह दे दो मैं तुम्हें मुँह मांगा दाम दूँगा.' यह सुनते ही वह आदमी घर के अंदर गया और अपने सिर के बाल काट के लाकर के अंग्रेज के हाथ में दे दिए. बालों को देखकर अंग्रेज बोला कि 'यह क्या मैंने तो तुम्हारी मूंछ मांगी थी, तुम बाल क्यों ले आए?' अंग्रेज की बात सुनते ही उस व्यक्ति ने कहा कि'माल हमेशा गोदाम से दिया जाता है न कि शोरूम से !'

जज-'तुमने एक ही दुकान में चार बार चोरी क्यों की ?'

चोर-'साहब पहली तीन बार मेरी बीवी को कोई साड़ी पसंद नहीं आई थी, इसलिए !'

फिल्म वर्ग पहेली- 1988

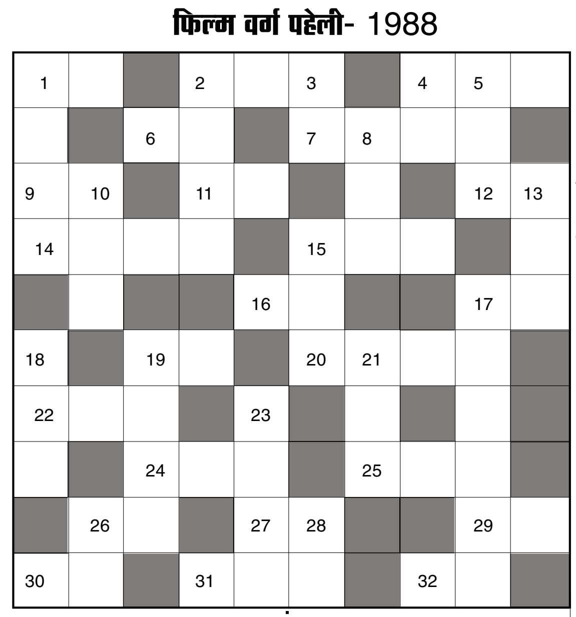

बायें से दायें:-

१. 'बरसो रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२. राजेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-३
४. 'नींद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-३
६. राज सोलंकी, हिना रहमान, पायल की फिल्म-२
७. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली फिल्म-४
९. संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-२
११. 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१४. 'कुछ लोग यहाँ पर ऐसे है' गीत वाली फिल्म-४
१५. मकरंद देशपांडे, शबाना, श्वेता की फिल्म-३
१६. 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
१९. 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
२०. अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-२,२
२२. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-३
२४. सुनील दत्त, साधना की फिल्म-३
२५. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२६. अभिषेक, उदय, एशा की फिल्म-२
२७. 'शरमाए काहे घबराये' गीत वाली फिल्म-२
२९. आमिर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
३०. 'लगन लागी मन की लगन' गीत वाली फिल्म-२
३१. फिल्म 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-३
३२. शाहरूख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. ऋषि, अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-४
२. 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-४
३. फिल्म 'मि. बॉण्ड' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
४. जीतेंद्र, रीना राय, रामेश्वरी की 'धक धक से धड़कना' गीत वाली फिल्म-२
५. 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अरशद वारसी, महिमा चौधरी की फिल्म-३
८. सुष्मिता की पहली फिल्म ?-३
१०. 'चूड़े वाली छमिया मिला नैन रे' गीत वाली सनी, जयाप्रदा की फिल्म-३
१३. विनोद खन्ना, बिन्दू की 'दिल करने लगा है प्यार तुम्हे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'जीना तेरी बाहों' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंद्रकुमार, नम्रता की फिल्म-३
१७. प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-२,२,२
१८. 'नजर के सामने जिगर' गीत वाली राहुल राय, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
१९. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'ढपली वाले ढपली बजा' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'गोरी जो मटके बालों' गीत वाली सुनील, रवीना, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
२३. राजेंद्र कुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-२
२८. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी सॉस लेने की' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1987

सूडोकु -1988

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1987 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 1988

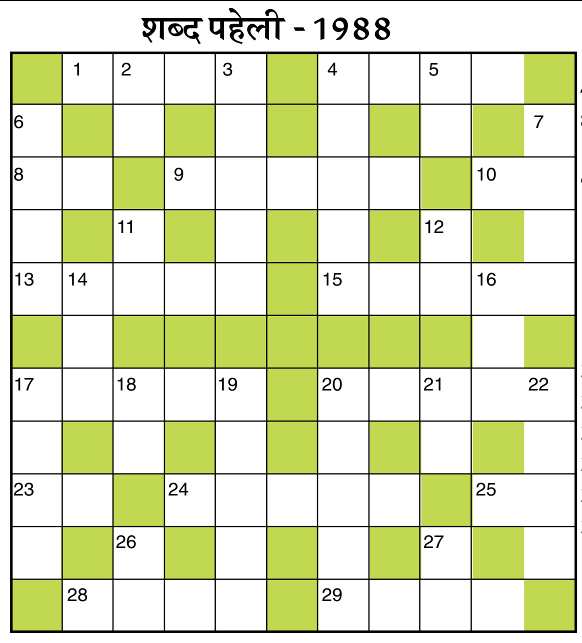

बाएँ से दाएँ

1.जानकारी-4
4.मांसाहार का उलट-4
8.'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9.कायाकल्प-5
10.पिता के छोटे भाई-2
13.कहानी लिखने वाला-5
15.नाम रखना-5
17.बेवक्त,अकाल-5
20.प्रयास,कोशिश-5
23.टोंटी,नलका-2
24.कामदेव,पुष्कर-2,3
25.डर,भय-4
28.शोर-शराबा-4
29.बेवफा,व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे

2.बिंदु,बिंदी,शून्य-2
3.गोलाकार-3
4.सम्मिलित होना-3,2
5.घाटा,नुकसान-2
6.मूर्ख,बेवकूफ-4
7.बिना कारण,बेवजह-4
11.राजा की पत्नी-2
12.वहम,संदेह-2
14.दुर्घटना-3
16.खाना बनाने की जगह,किचन-3
17.एकाएक, सहसा-4
18.अलमस्त-2
19.कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20.आरामदायी-5
21.सम्मान-2
22.भलमानसता-4
26.सद,अच्छा-2
27.मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

शब्द पहेली - 1987 का हल

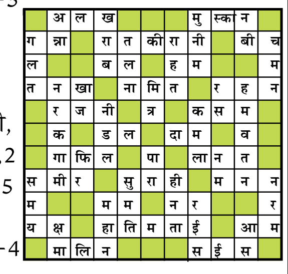

ट्रक की टक्कर से छात्र की मौत, एक गंभीर

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी जिले के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी थाना क्षेत्र में मथुरा रोड स्थित मोदी मिल फ्लाईओवर के पास गुरुवार रात सड़क हादसे में 19 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 13 फरवरी को पुलिस को पीसीआर कॉल मिली कि मथुरा रोड पर एक व्यक्ति बेहोश पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम को सरिता विहार की ओर जाने वाली लेन में भारी जाम मिला। राहगीरों ने बताया कि वहां सड़क हादसा हुआ है। प्राथमिक जांच में सामने आया कि 12 और 13 फरवरी की दरम्यानी रात करीब 12 से 1 बजे के बीच एक स्कूटी को बदरपुर की ओर जा रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक किराना सामान से लदा था और बवाना के बादली क्षेत्र से नागपुर जा रहा था। ट्रक में चालक के अलावा कोई क्लीनर मौजूद नहीं था। पुलिस अधिकारी के अनुसार हादसे में सराय जुलैना निवासी मानव (19) की मौके पर गंभीर चोटें आईं। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं जामिया नगर निवासी मोहम्मद साद (21) गंभीर रूप से घायल है और अस्पताल में उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

गोलीबारी कर 50 लाख की रंगदारी मांगने वाला 'गोगी गैंग' का गुर्गा गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल (आईएससी) ने गोलीबारी कर 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने वाले कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान मौजपुर निवासी अंकुश चोपड़ा उर्फ सचिन (25) के रूप में हुई है। वह वर्ष 2023 से फरार चल रहा था और अदालत ने उसे पिछले साल 30 जून को भगोड़ा घोषित कर दिया था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने बताया कि 30 नवंबर 2023 को वजीराबाद थाना क्षेत्र में एक कारोबारी के घर पर गोलीबारी की सूचना मिली थी। बाइक पर सवार बदमाशों ने घर के बाहर गोली चलाई और मौके पर 'गोगी गैंग' के नाम से 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने वाली पर्ची फेंककर फरार हो गए। वजीराबाद थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी गई। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दो नाबालिगों को पकड़ा गया था और छह अन्य आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। हालांकि अंकुश चोपड़ा लगातार फरार चल रहा था।

सिकंदर कुमार ने राज्यसभा में उठाया चंडीगढ़ के ट्रैफिक जाम और सड़क हादसों का मुद्दा

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य डॉ. सिकंदर कुमार ने संसद में चंडीगढ़ में बढ़ते ट्रैफिक जाम और सड़क दुर्घटनाओं की समस्या को गंभीर बताते हुए इस पर ठोस समाधान की आवश्यकता जताई है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ देश के सबसे व्यवस्थित शहरों में गिना जाता है, लेकिन बढ़ते वाहन घनत्व के कारण यहां यातायात व्यवस्था पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। सदन में अपने वक्तव्य के दौरान उन्होंने कहा कि शहर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में नए वाहनों का पंजीकरण हो रहा है। इसके चलते यहां प्रति व्यक्ति वाहन अनुपात राष्ट्रीय स्तर पर सबसे अधिक में शामिल हो गया है। उन्होंने बताया कि मुख्य वाणिज्यिक क्षेत्रों में पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। कई जगहों पर सतही पार्किंग होने के कारण सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं, जिससे जाम की स्थिति पैदा होती है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ता है। डॉ. सिकंदर कुमार ने कहा कि बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या को देखते हुए चंडीगढ़ को दीर्घकालिक और आर्थिक रूप से टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की आवश्यकता है। उन्होंने मेट्रो परियोजना को इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उनका कहना था कि यदि मेट्रो परियोजना को सही लागत प्रबंधन और बहु-मॉडल परिवहन व्यवस्था के साथ लागू किया जाए, तो यह शहर की यातायात समस्या का स्थायी समाधान बन सकती है।

मप्र के आगरमालवा आएंगी ब्रिटिश मार्टिन की पौत्री शांति मैकलवर, ऐतिहासिक शिवालय बैजनाथ में करेंगी पूजा-अर्चना

आगरमालवा। ब्रिटिश छावनी के लेफ्टिनेंट रहे स्व. कर्नल मार्टिन की पौत्री शांति मैकलवर महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर मध्य प्रदेश के आगरमालवा आएंगी। वह आस्ट्रेलिया से आगरमालवा पहुंचेगी और यहां स्थित प्रसिद्ध और ऐतिहासिक शिवालय बैजनाथ महादेव मंदिर में दर्शन व पूजा-अर्चना करेंगी। शांति मैकलवर यहां दो दिन रूकेगी और रविवार को महाशिवरात्रि महोत्सव में शामिल होंगी। यह जानकारी यातायात पुलिस विभाग के अधिकारी जगदीश यादव ने दी। उन्होंने बताया कि मैडम शांति मैकलवर कर्नल मार्टिन की छठी पीढ़ी की सदस्य हैं। गौरतलब है कि आगरमालवा स्थित इस शिवालय का जीर्णोद्धार आगरमालवा स्थित अंग्रेजों की छावनी के कर्नल मार्टिन ने अपनी पत्नी की प्रेरणा से प्रेरित होकर 1882 में सार्वजनिक चन्दा और स्वयं की धनराशि से करवाया था। उल्लेखनीय है कि पूरे हिन्दुस्तान में अंग्रेजों द्वारा निर्मित यह एकमात्र शिवालय है। पावन बाणगंगा नदी के किनारे दो पहाड़ियों के बीच स्थित है यह शिवालसुप्रसिद्ध और प्राचीन भगवान बैजनाथ महादेव मंदिर नगर के उत्तर दिशा में जयपुर मार्ग पर दो पहाड़ियों के बीच पावन बाणगंगा नदी के किनारे स्थित है। मान्यता है कि पहले यह मंदिर एक मठ के रूप में था। सन् 1837 में काबुल (अफगानिस्तान) में युद्ध हुआ। उस समय आगरमालवा छावनी स्थित अंग्रेज फौज काबुल गई हुई थी। इस युद्ध का संचालन आगरमालवा स्थित ब्रिटिश छावनी के लेफ्टिनेंट कर्नल मार्टिन को सौंपा गया। युद्ध होते कई दिन बीत गये। लेकिन कर्नल मार्टिन की कोई खबर नहीं आई।

जनसंख्या से जनशक्ति तकः ह्यूमन कैपिटल के अधिकतम उपयोग की नई रणनीति

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में स्पष्ट संकेत दिया है कि वह केवल जनसंख्या के आकार पर नहीं, बल्कि उसे उत्पादक जनशक्ति में बदलने की ठोस रणनीति पर काम कर रही है। बजट का केंद्रीय विचार 'ह्यूमन कैपिटल' यानि मानव पूंजी के अधिकतम उपयोग के जरिये प्रदेश को तकनीकी और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। योगी सरकार का लक्ष्य प्रदेश की विशाल युवा आबादी को तकनीक से लैस करके उन्हें ग्लोबल वर्कफोर्स का हिस्सा बनाना है। सरकार युवाओं को पारंपरिक शिक्षा की सीमाओं से बाहर निकालकर भविष्य की उन्नत तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करने की दिशा में बड़े निवेश कर रही है। 'टेक युवा-समर्थ युवा' योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में 25 लाख युवाओं एवं छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑगमेंटेड रिएलिटी (एआर) और वर्चुअल रिएलिटी (वीआर) और एक्सटेंडेड रिएलिटी (ईआर) में प्रशिक्षित किया जाएगा। इसका उद्देश्य प्रत्येक क्षेत्र और उद्योग के लिए आधुनिक तकनीकी कौशल विकसित करना और युवाओं को उन्नत एप्लीकेशन आधारित प्रशिक्षण उपलब्ध करना है। डिग्री आधारित शिक्षा से आगे बढ़कर कौशल आधारित दक्षता विकसित करना है, जिससे कि प्रदेश का युवा वैश्विक कार्यबल का हिस्सा बन सके। लखनऊ और गौतमबुद्ध नगर में विश्वस्तरीय 'यू हब' की स्थापना कर स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की भी योजना है।

डिजिटल अवसंरचना के क्षेत्र में बजट के माध्यम से बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 5 गीगावाट क्षमता वाले 4 से 5 डेटा सेंटर क्लस्टर स्थापित करने के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रारंभिक प्रावधान किया गया है। व

र्तमान में पूरे भारत की डेटा सेंटर क्षमता लगभग 1.6 गीगावाट है, जबकि उत्तर प्रदेश इसे वैश्विक स्तर तक ले जाने की तैयारी में है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा को रोबोटिक्स हब के रूप में विकसित करने के लिए 100 करोड़ रुपये के उत्तर प्रदेश रोबोटिक्स मिशन की शुरुआत की जा रही है। इससे प्रदेश में उच्च तकनीक आधारित उद्योगों को गति मिलने की उम्मीद है। सरकार ने डेटा गवर्नेंस को भी विकास का आधार माना है।

स्टेट डेटा अथॉरिटी की स्थापना कर विभिन्न विभागों के आंकड़ों में एकरूपता और रियल टाइम डेटा प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा। डिजिटल सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए 100 करोड़ रुपये की लागत से स्टेट डेटा सेंटर 2.0 का निर्माण प्रस्तावित है। सरकार का लक्ष्य 2029 तक 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनना है, जिसके लिए सटीक और विश्वसनीय डेटा को आधार बनाया जा रहा है।

पंजाब के खाद्य उद्योग की समस्याओं के निस्तारण के लिए सरकार प्रतिबद्धः तरुण चुग

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब के चावल एवं आटा मिलरों और आढ़तियों के संगठनों के एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग के नेतृत्व में यहां उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी से मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने उद्योग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और चावल के भंडारण के लिए स्थान की कमी, आढ़तियों के कमीशन से जुड़े मुद्दे तथा मिलिंग से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण चुनौतियों को केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा।

चुग ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि पंजाब देश की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ है और यहां के मिलर, आढ़ती तथा कृषि से जुड़े उद्यमी लंबे समय से राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं, इसलिए उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना आवश्यक है। चुग ने कहा कि प्रह्लाद जोशी ने प्रतिनिधिमंडल की सभी बातों को पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित अधिकारियों को इन मुद्दों के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र सरकार के सकारात्मक दृष्टिकोण के चलते जल्द ही इन समस्याओं का संतोषजनक समाधान सामने आएगा, जिससे उद्योग को मजबूती मिलेगी और किसानों के हित भी सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार संवाद और सहयोग की भावना से कार्य करते हुए पंजाब के कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को नई ऊर्जा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

जनता दरबार औपचारिकता नही बल्कि समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम : डा. कृष्ण मिड्ढा

एजेंसी

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि जनता दरबार केवल औपचारिकता नही बल्कि आमजन की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम है। सरकार की मंशा है कि प्रत्येक नागरिक को बुनियादी सुविधाएं समय पर और पारदर्शिता के साथ उपलब्ध हों। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाहीए देरी या अनदेखी नहीं की जाए। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने स्थानीय विश्राम गृह में आयोजित जनता दरबार में आमजन की समस्याएं सुन रहे थे।इस मौके पर उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि आमजन की समस्या का निवारण प्राथमिकता से करें अगर किसी समस्या को दूर करने में तकनीकी बाधा है तो संबंधित व्यक्ति को ठीक प्रकार से समझाएं ताकि उसकी समस्या का निराकरण हो सके। डिप्टी स्पीकर के समक्ष जनता दरबार के दौरान ग्रामीणों ने टूटी सड़कों के पुनर्निर्माण, नई गलियों के निर्माण, पेयजल की कमी, बिजली आपूर्ति में बाधा, जल निकासी की समस्या, सीवरेज व्यवस्थाए राशन कार्ड में त्रुटियांए परिवार पहचान पत्र से जुड़ी दिक्कतें स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी

तथा स्कूलों में मूलभूत संसाधनों की आवश्यकता जैसे मुद्दे प्रमुख रूप रखी गई। डिप्टी स्पीकर ने एक-एक फरियादी को धैर्यपूर्वक सुना और मौके पर उपस्थित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता को अनावश्यक रूप से सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। इसके लिए अधिकारियों को संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन समस्याओं का समाधान तत्काल संभव है, उन्हें तुरंत निपटाया जाए तथा अन्य मामलों की समयबद्ध कार्य योजना बनाकर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। डिप्टी स्पीकर ने आमजन को आश्वस्त किया कि क्षेत्र के विकास कार्यों को निरंतर गति प्रदान करके उन्हें पूरा करवाया जा रहा है। जिसका लाभ सभी वर्गों को मिल रहा है।

युवा स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूती दे रहा हैः निखिल खडसे

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत के एजुकेशन सिटी राई स्थित आईआईटी दिल्ली टेक्नोपार्क में आयोजित सोनीपत स्टार्टअप समिट 4.0 के तहत उद्यमिता और नवाचार पर केंद्रित कार्यक्रम में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने कहा कि खेल क्षेत्र में स्टार्टअप की व्यापक संभावनाएं हैं और विकसित भारत के निर्माण में इसकी अहम भूमिका होगी।

कार्यक्रम में युवाओं द्वारा खेल क्षेत्र से जुड़े नवाचार प्रस्तुत किए गए। राज्य मंत्री ने कहा कि भारत विश्व की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी है और स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया तथा मेक इन इंडिया जैसी पहलों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। युवाओं की भागीदारी से देश का स्टार्टअप परिवेश मजबूत हुआ है, जिससे अर्थव्यवस्था को नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि खेल केवल पदक जीतने तक सीमित न रहकर युवाओं की जीवनशैली का हिस्सा बनना चाहिए। डिजिटल युग के दुष्प्रभावों से बचाव में खेल प्रभावी माध्यम है। इससे युवा मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त बनते हैं और स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में योगदान देते हैं।

राज्य मंत्री ने टेक्सटाइल, फुटवियर, पोषण, सप्लीमेंट, खेल उपकरण, प्रशिक्षण तथा खिलाड़ी क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में नवाचार की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि भारत को अपने मानक और ब्रांड विकसित कर खेल उद्योग में आत्मनिर्भर बनना होगा। यदि तकनीक और नवाचार को बढ़ावा मिला तो वर्ष 2036 ओलंपिक जैसे बड़े लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं। बजट में खेल सामान निर्माण को प्रोत्साहन देने के प्रावधान किए गए हैं। इस अवसर पर हरियाणा खेल विश्वविद्यालय राई के कुलपति अशोक कुमार, आईआईटी

दिल्ली टेक्नोपार्क के सीईओ आलोक पांडेय, एसआरएम यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार एवं डायरेक्टर प्रो. वी सैमुअल राज, अरानिया ग्रुप के एफआईटीटी गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन नलिन कोहली, ऋषिहुड यूनिवर्सिटीके सह-संस्थापक व कुलपति प्रो. शोभित माथुर, ईसरो के पूर्व मिशन निदेशक डॉ. टी.के. सुंदर मूर्ति, आईआईटी दिल्ली के एसोसिएट प्रो. बिपिन कुमार, आईआईटी दिल्ली से प्रो. डॉ. बिस्वरूप मुखर्जी, राई औद्योगिक क्षेत्र के प्रधान राकेश छाबड़ा, आईआई जम्मू से प्रो. अंबिका प्रसाद शाह आदि उपस्थित रहे।

चेहरे की विकृति से जूझ रहे मरीजों के लिए नई उम्मीद, एम्स में शुरू होगा फेस ट्रांसप्लांट

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में अब फेस ट्रांसप्लांट भी किया जाएगा। एम्स के प्लास्टिक सर्जरी विभाग में शुरू होने वाली इस पहल के तहत फेस ट्रांसप्लांट निःशुल्क किया जाएगा। यह उन लोगों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा जिनका चेहरा किसी हादसे के वजह से पूरी तरह से झुलस गया हो। अगर यह सफलतापूर्वक शुरू होता है तो भारत, फेस ट्रांसप्लांट सर्जरी करने वाले चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा। गंभीर चेहरे की विकृति से जूझ रहे मरीजों को इससे नई उम्मीद मिलेगी और भारतीय चिकित्सा क्षेत्र में एक नई उपलब्धि जुड़ जाएगी। प्लास्टिक सर्जरी और बर्न यूनिट के प्रमुख डॉ. मनीष सिंघल ने बताया कि फेस ट्रांसप्लांट से अब उन लोगों को उम्मीद की रौशनी मिलेगी जिनका चेहरा पूरी

तरह से जल गया हो। उनके चेहरे को डोनर की मदद से सही किया जा सकेगा। हालांकि उन्होंने कहा कि अभी इसके बारे में लोगों में ज्यादा जागरुकता नहीं है।

डॉ. मनीष सिंघल ने कहा कि देश में कई मरीज एसिड अटैक, गोली लगने या गंभीर हादसों के बाद 10-12 सर्जरी के बावजूद सामान्य जीवन नहीं जी पाते। उन्होंने स्पष्ट किया कि फेस ट्रांसप्लांट अब प्रयोगात्मक प्रक्रिया नहीं बल्कि जरूरत बन चुकी है। हालांकि, इसके लिए सही मरीज का चयन और मानसिक रूप से तैयार होना बेहद जरूरी है।वहीं, नेफ्रोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ दीपांकर भाउमिक ने बताया कि ट्रांसप्लांट के बाद इम्यूनोसप्रेशन बेहद अहम होता है और एम्स में इसकी पूरी सुविधा उपलब्ध है। साइकियाट्री विभाग की डॉ. प्रिथी ने कहा कि मरीजों की काउंसलिंग और पुनर्वास इस प्रक्रिया का अहम हिस्सा होगा।उल्लेखनीय है कि एम्स में इस महत्वाकांक्षी पहल के तहत 11 से 15 फरवरी तक बर्न्स एंड प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक में गहन कैडेवरिक वर्कशॉप और अकादमिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जा रहा है। इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का नेतृत्व करने के लिए अमेरिका से फेस ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ डॉ. इंद्रानिल सिंहा को आमंत्रित किया गया। डॉ. सिंहा बोस्टन स्थित हावर्ड मेडिकल स्कूल से जुड़े हैं और कंपोज़िट टिश्यू एलोट्रांसप्लांटेशन के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ माने जाते हैं।

पांच महीने से फरार हत्या का आरोपित नोएडा से गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हत्या के मामले में जमानत पर बाहर आकर पांच महीने से फरार चल रहे आरोपित को नोएडा से गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान उत्तम नगर निवासी पवन तिवारी के रूप में हुई है।

क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि आरोपित के खिलाफ वर्ष 2023 में विकासपुरी थाना में हत्या का मामला दर्ज है। 21 दिसंबर 2023 को पवन ने अपने एक साथी के साथ मिलकर एक व्यक्ति की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। वारदात के बाद शव की पहचान छिपाने के लिए चेहरे को पत्थर से कुचल दिया गया था। मामले में दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन पवन को 5 जून 2025 को जमानत मिल गई। जमानत पर रिहा होने के बाद वह अदालत में पेश नहीं हुआ और फरार हो गया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार क्राइम ब्रांच की टीम लगातार फरार और जमानत तोड़ने वाले आरोपितों की तलाश में जुटी थी। निरीक्षक राकेश कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपित के पुराने पते, जमानतदारों और जेल मुलाकातियों की जानकारी जुटाई। तकनीकी और मानवीय स्त्रोतों से पता चला कि आरोपित गाजियाबाद और नोएडा में छिपकर रह रहा है। इसके बाद जाल बिछाकर सेक्टर-63, नोएडा से आरोपित को दबोचा। पूछताछ में पता चला कि आरोपित ने वर्ष 2017 में इग्नू से बीकॉम की पढ़ाई की। उसके परिवार में माता-पिता, दो भाई और एक बहन हैं, जो मूल गांव में रहते हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार पवन तिवारी एक शातिर अपराधी है और उसके खिलाफ चोरी, सेंधमारी, आर्म्स एक्ट और हत्या सहित करीब 20 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

होटल की चौथी मंजिल से युवती ने लगाई छलांग, हालत गंभीर

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के फर्श बाजार थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर एक होटल की चौथी मंजिल से युवती के कूदने का मामला सामने आया है। घायल युवती को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। हादसे का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम के अनुसार दोपहर करीब 1 बजे पीसीआर कॉल मिली कि 60 फुटा रोड स्थित एक होटल से एक लड़की ने छलांग लगा दी है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में पता चला कि 20 वर्षीय युवती, जो सुंदर नगरी की रहने वाली है, एक 22 वर्षीय युवक के साथ होटल में ठहरी हुई थी। दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जिसके बाद गुस्से में युवती ने चौथी मंजिल की खिड़की से नीचे छलांग लगा दी। घटना के तुरंत बाद युवती को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोनों के बीच विवाद के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

अवसरों को मजबूत और समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाली तकनीक का फायदा उठाना चाहिए : विजेंद्र गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के युग में एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। हमारा उद्देश्य होना चाहिये कि ऐसी तकनीक का लाभ उठायें और अवसरों को मजबूत करे। साथ ही निष्पक्षता की रक्षा करे और समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा दे। ये विचार गुप्ता ने आज दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह कॉलेज के शैक्षणिक सभागार में 'चुनौतियां और अवसर : एक आर्थिक परिप्रेक्ष्य' विषय पर आयोजित तीसरे राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। इस सेमिनार में दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के निदेशक और मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्य प्रो. राम सिंह के साथ-साथ शिक्षा और उद्योग जगत के अन्य गणमान्य वक्ता भी उपस्थित रहे। कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, उद्योग विशेषज्ञों और छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। विजेंद्र गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक संरचनात्मक आर्थिक शक्ति के रूप में विकसित हो चुकी है, जो उत्पादकता, श्रम बाजार, पूंजी आवंटन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को नया आकार दे रही है। उन्होंने गौर

किया कि दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं अब डेटा, एल्गोरिदम और कम्प्यूटेशनल क्षमता के इर्द-गिर्द पुनर्गठित हो रही हैं। एआई आज वित्तीय प्रणालियों, विनिर्माण, भविष्य कहने वाली विश्लेषिकी (प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स) के माध्यम से कृषि, स्वास्थ्य सेवा, रसद (लॉजिस्टिक्स) और सार्वजनिक प्रशासन को गहराई से प्रभावित कर रहा है।भारत को सबसे तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में से एक बताते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि देश का डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा और युवा जनसांख्यिकीय प्रोफाइल इस वैश्विक संक्रमण में भारत को एक रणनीतिक बढ़त दिलाता है। उन्होंने जोर दिया कि एआई कई क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ाकर, बेहतर क्रेडिट मूल्यांकन के माध्यम से वित्तीय समावेशन को मजबूत करके और नवाचार को बढ़ावा देकर बड़े आर्थिक अवसर प्रदान करता है। उन्होंने यह भी कहा कि एआई से जुड़ी भूमिकाओं में वेतन और नौकरी की गुणवत्ता बेहतर हो रही है, जो भारत के युवाओं के लिए सार्थक अवसर है। गुप्ता ने कहा कि एआई को अपनाने के व्यापक व्यापक-आर्थिक (मैक्रोइकॉनोमिक) निहितार्थ हैं जो वेतन संरचना, कराधान प्रणाली और दीर्घकालिक रोजगार पैटर्न को प्रभावित करते हैं। उन्होंने छात्रों को तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य में खुद को ढालने, विश्लेषणात्मक क्षमता विकसित करने और नैतिक जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

राम की नगरी में आने वाले भक्तों का स्वागत करेगा लक्ष्मण द्वार

एजेंसी

अयोध्या। राम की नगरी अब भक्तों के लिए और अधिक आकर्षक व स्वागतमय बन रही है। राम मंदिर के दर्शनार्थ आने वाले लाखों श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत करने के लिए एनएच-330ए (अयोध्या-गोण्डा मार्ग) पर एक शानदार लक्ष्मण द्वार का निर्माण तेजी से चल रहा है। यह प्रवेश द्वार अयोध्या की धार्मिक गरिमा को और निखारने के साथ-साथ पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

यह भव्य लक्ष्मण द्वार देईपुर/कटरा भागचंद्र अहतमाली क्षेत्र में 40 मीटर चौड़े मार्ग पर बनाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड को इस परियोजना की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कुल निर्माण लागत 3,970.50 लाख रुपये निर्धारित की गई है। द्वार को पिंक सॉलिड स्टोन से सजाया जाएगा, जो इसे राजसी एवं आकर्षक बनाएगा। पिंक स्टोन का उपयोग न केवल सौंदर्य बढ़ाएगा, बल्कि यह स्थानीय शिल्प कौशल को भी प्रदर्शित करेगा और अयोध्या की प्राचीन

वास्तुकला से प्रेरित होगा। राजकीय निर्माण निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर रविंद्र यादव ने बताया कि वर्तमान में परियोजना का 35 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। शेष कार्य को तेजी से पूरा करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और अक्टूबर तक पूरा लक्ष्मण द्वार तैयार हो जाएगा। लक्ष्मण द्वार के बनने से यह मार्ग धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व का प्रतीक भी बन जाएगा। रामायण काल में लक्ष्मण जी के भाई राम के प्रति समर्पण की याद दिलाता यह द्वार भक्तों के मन में श्रद्धा एवं उत्साह का संचार करेगा। अयोध्या विकास की इस नई परियोजना से न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश का धार्मिक पर्यटन नक्शा और चमकदार हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकताओं में धार्मिक स्थलों का विकास एवं पर्यटन संवर्धन प्रमुख स्थान रखता है। अयोध्या में राम मंदिर के लोकार्पण के बाद यहां पर्यटकों एवं तीर्थयात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है।

लक्ष्मण द्वार का निर्माण इसी दिशा में एक और कदम है, जो न केवल श्रद्धालुओं को आकर्षित करेगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करेगा। स्थानीय व्यापारियों, होटलों, परिवहन सेवाओं और अन्य सेवाओं से जुड़े लोगों को इससे प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। एनएच-330ए पर यह लक्ष्मण द्वार अयोध्या-गोण्डा मार्ग की गरिमा को कई गुना बढ़ा देगा।

ट्राई ने डीएनडी और माईस्पीड ऐप का नवीनीकृत संस्करण किया लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी ने ट्राई के डीएनडी और माईस्पीड ऐप के नवीनीकृत संस्करण के लांचिंग के मौके पर कहा कि यह केवल रूप सुधार नहीं है बल्कि वर्तमान समय की तकनीकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मूल संरचना का पुनर्निर्माण किया गया है। ट्राई ने अवांछित कॉल और अनचाहे व्यावसायिक संदेशों पर अंकुश लगाने और नेटवर्क की वास्तविक समय में गुणवत्ता जांचने के लिए डीएनडी और माईस्पीड ऐप के नवीनीकृत संस्करण को लांच किया। कार्यक्रम में प्राधिकरण की सदस्य ऋतु रमन और सदस्य एमपी तंगीराला भी उपस्थित रहे।

अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि इन दोनों ऐप के पुराने संस्करण वर्ष 2016 और 2017 में शुरू किए गए थे। समय के साथ तकनीक, सॉफ्टवेयर, परिचालन तंत्र, नेटवर्क संरचना और उपयोग के तौर तरीके में बड़ा बदलाव आया है। इसी कारण इन्हें पूरी तरह नए सिरे से विकसित करना आवश्यक हो गया था। साल 2025 में अनचाहे व्यावसायिक संचार से संबंधित कुल 31.09 लाख शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 17.06 लाख शिकायतें केवल ट्राई डीएनडी अनुप्रयोग के माध्यम से दर्ज की गईं, जो कुल शिकायतों का आधे से अधिक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल संपर्क अब सामाजिक और आर्थिक जीवन का मूल आधार है। सरकारी सेवाएं, शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार सभी गुणवत्तापूर्ण नेटवर्क पर निर्भर हैं। इसलिए सेवा की गुणवत्ता और संचार में विश्वास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं से अपील की कि वे स्पैम की सूचना देने और नेटवर्क गुणवत्ता जांचने के लिए इन अनुप्रयोगों का अधिकतम उपयोग करें। दूरसंचार नियामक प्राधिकरण ने दोनों अनुप्रयोगों के नए संस्करणों के जरिए उपभोक्ताओं को शिकायत दर्ज करने, सेवा प्रदाताओं की कार्यप्रणाली पर नजर रखने और सीधे प्रतिपुष्टि देने की सुविधा दी है। देश में 1.31 अरब से अधिक दूरसंचार ग्राहक हैं, जिनमें 1 अरब से ज्यादा ब्रॉडबैंड उपयोगकर्ता शामिल हैं। ट्राई ने कहा कि रोजाना अरबों वैध कॉल और संदेश होते हैं लेकिन अवांछित कॉल और फर्जी प्रचार संदेश अब भी बड़ी चुनौती बने हुए हैं। नवीनीकृत डीएनडी ऐप में बहुभाषी सुविधा, सरल शिकायत प्रक्रिया, संदर्भ संख्या के जरिए स्थिति जांच और 1600 श्रेणी के निर्धारित नंबर की जानकारी देखने की सुविधा जोड़ी गई है।

भारत-पाक महामुकाबला आज: विवादों के यू-टर्न के बाद अब मैदान पर असली जंग, जीत से कम कुछ नहीं मंजूर

कोलंबो (एजेंसी)। क्रिकेट और सियासत के घालमेल से पैदा हुए गतिरोध के अस्थायी समाधान के बाद आखिरकार टी20 विश्व कप 2026 का सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबला आज होने जा रहा है, जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे। पाकिस्तान ने पहले मैच के बहिष्कार का फैसला लिया था, लेकिन बाद में अचानक यू-टर्न लेकर आर. प्रेमदासा स्टेडियम में मुकाबला खेलने पर सहमति दे दी। इस निर्णय के पीछे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद, श्रीलंका क्रिकेट और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की कई दौर की बातचीत रही, क्योंकि दक्षिण एशिया ही नहीं, बल्कि पूरे क्रिकेट जगत की निगाहें इस मुकाबले पर टिकी हैं। प्रसारक, प्रायोजक और दुनिया भर के दर्शक इस मैच को टूर्नामेंट की सबसे बड़ी धड़कन मानते हैं।

विवाद की शुरुआत तब हुई जब बीसीसीआई के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान का कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ आईपीएल करार रद्द कर दिया गया। बांग्लादेश के समर्थन में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच न खेलने की घोषणा कर दी थी। हालांकि खिलाड़ियों ने इसे ÷सिर्फ एक मैच÷ बताकर हाइप कम करने की कोशिश की, मगर भारत-पाक प्रतिद्वंद्विता ऐसी है कि हार किसी भी टीम को मंजूर नहीं क्योंकि उसके बाद प्रशंसकों की प्रतिक्रिया भी उतनी ही तीखी होती है।

भारतीय टीम की चिंता सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की उपलब्धता है, जो पेट संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती रहे और नामीबिया मैच में नहीं खेले। उनके नहीं खेलने पर संजू सैमसन को उतारने या फिर ईशान किशन के साथ वॉशिंगटन सुंदर को ओपनिंग में भेजने का विकल्प है, जो न केवल फिट हो चुके हैं, बल्कि प्रेमदासा की धीमी पिच पर उपयोगी स्पिनर भी साबित हो सकते हैं। इसके अलावा पिच को देखते हुए कुलदीप यादव को शामिल किया जा सकता है खासकर बाबर आज़म के खिलाफ उनके सफल रिकॉर्ड को ध्यान में रखते हुए। ऐसे में रिंकू सिंह को बाहर रहना पड़ सकता है।

विश्व कप से पहले मजबूत दिख रही भारतीय बल्लेबाजी शुरुआती दो मैचों में कुछ अस्थिर दिखी है। अमेरिका के खिलाफ 77 पर छह विकेट गिरना और नामीबिया के खिलाफ डैथ ओवरों में पांच विकेट गंवाना टीम की कमजोरी उजागर करता है, हालांकि दोनों मैच भारत ने बड़े अंतर से जीते। सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन और हार्दिक पांड्या मुश्किल हालात में टीम को निकालते रहे हैं, लेकिन बड़े मैच में सामूहिक प्रदर्शन ही जीत की कुंजी है। पाकिस्तान को कोलंबो की पिचों की बेहतर जानकारी है, क्योंकि उसके मैच यहीं खेले जा रहे हैं। स्पिनर उस्मान तारिक, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज भारत के बल्लेबाजों की सख्त परीक्षा लेंगे। वहीं बल्लेबाजी में साहिबजादा फरहान, सईम अयूब और फहीम अशरफ पर जिम्मेदारी होगी। हालांकि पाकिस्तान अब तक ऐसे मजबूत गेंदबाजी आक्रमण से नहीं भिड़ा, जैसा भारत के पास है जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और शिवम दुबे सभी मैच-विनर हैं। आखिर में यह मुकाबला केवल कौशल का नहीं, बल्कि दबाव को संभालने की क्षमता का होगा। जो टीम बाहरी और भीतर दोनों तरह के तनाव को काबू में रखेगी, वही आज की असली जंग जीतेगी।

टीम इस प्रकार है

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा,वरूण चक्रवर्ती।

पाकिस्तान: सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

प्रमोद भगत ने रचा नया इतिहास, मनामा में जीता करियर का छठा विश्व खिताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने मनामा में आयोजित प्रतिष्ठित बीडब्ल्यूएफ पैरा बैडमिंटन वर्ल्ड चैम्पियनशिप में एक बार फिर कमाल करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया और इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया। 37 वर्षीय भगत ने पुरुष एकल एसएल3 वर्ग के फाइनल में इंडोनेशिया के मोहम्मद अल इमरान को 21-12, 21-18 से हराकर लगातार चौथा और कुल छठा विश्व खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ वह पैरा बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे सफल एकल खिलाड़ी बन गए हैं। एसएल3 वर्ग में उन खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है जिनके निचले अंगों में गंभीर विकलांगता होती है। प्रमोद भगत पांच वर्ष की उम्र में पोलियो से प्रभावित हुए थे, लेकिन उन्होंने इस कमजोरी को अपनी ताकत में बदलकर विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई। 2009, 2015, 2019, 2022 और 2024 में पहले ही स्वर्ण जीत चुके भगत का यह नया खिताब उनकी अदम्य इच्छाशक्ति और खेल के प्रति समर्पण का प्रमाण है।

यह जीत इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि प्रमोद हाल ही में डोपिंग रोधी नियमों के 'वेयरअबाउट्स' उल्लंघन के कारण 18 महीने के निलंबन से लौटे हैं। इस निलंबन की वजह से वह 2024 पेरिस पैरालंपिक में हिस्सा नहीं ले पाए थे, लेकिन वापसी के बाद उन्होंने साबित कर दिया कि कठिन परिस्थितियाँ भी उनके जज्बे को कमजोर नहीं कर सकतीं। फाइनल मुकाबले में प्रमोद ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। पहले गेम में 21-12 की आसान जीत के बाद दूसरे गेम में इमरान ने कुछ संघर्ष किया, लेकिन प्रमोद ने महत्वपूर्ण अंकों पर बेहतरीन नियंत्रण दिखाकर 21-18 से मैच अपने नाम कर लिया। उनकी यह उपलब्धि भारतीय पैरा बैडमिंटन के लिए गर्व का क्षण है और आने वाले खिलाड़ियों के लिए बड़ी प्रेरणा भी।

पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अर्शदीप की जगह कुलदीप को उतारें : गावस्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि भारतीय टीम को है कि रविवार को कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप मुकाबले में कुछ बदलावों के साथ उतरना चाहिये। गावस्कर के अनुसार टीम को इस मैच में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की जगह चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को अंतिम एकादश में शामिल करना चाहिये। गावस्कर के अनुसार कोलंबो में स्पिनरों को सहायता मिलती है और ऐसे में कुलदीप प्रभावी होंगे। वहीं अर्शदीप लय में नहीं दिखते। नामीबिया के खिताफ मैच में भी उन्होंने काफी रन दिये थे। गावस्कर ने कहा, श्रीलंका की पिचें स्पिनरों के लिए सहायक हैं इसलिए टीम को तीन स्पिनरों के साथ उतरना चाहिये।

ऐसे में कुलदीप के अलावा अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती बेहतर रहेंगे। गावस्कर ने कहा कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच को ध्यान में रखते हुए ही अपनी गेंदबाजी में बदलाव कर सभी को आजमाया। उन्होंने कहा, हार्दिक पंड्या ने पहला ओवर किया जिससे भी तय है कि अर्शदीप को पाकिस्तान को खिलाफ शायद ही अवसर मिले। वहीं स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भी शामिल किया जाना चाहिये। गावस्कर ने कहा, वरुण की सबसे अच्छी बात यह है कि जब भी उसे गेंदबाजी करने के लिए कहा जाता है वह विकेट लेता है। वहीं स्पिनर अक्षर पटेल ने तीन ओवर में दो विकेट लिए जिससे पता चलता है कि वह भी लय में हैं। गावस्कर ने अभिषेक शर्मा के फिट नहीं होने के कारण जगह पारी की शुरुआत कर रहे संजू सैमसन को लेकर भी चिंता जतायी है। गावस्कर ने कहा कि सैमसन की तकनीक में कमी है। वह क्रीज से दूर जाकर खेलने में परेशानी का अनुभव कर रहे हैं। नामीबिया के खिलाफ मैच में वह सजज नजर नहीं आये।

टी20 वर्ल्ड कप: लॉर्कन टकर के तूफान में उडा ओमान, आयरलैंड ने दी 96 रनों से मात

कोलंबो(एजेंसी)। कोलंबो में खेले गए टी20 विश्व कप ग्रुप-बी मुकाबले में आयरलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओमान को 96 रन से हरा दिया। आयरलैंड के कप्तान लॉर्कन टकर ने 51 गेंदों में शानदार 94 रन की विस्फोटक पारी खेलकर टीम को जीत दिलवाई। ओमान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, लेकिन यह निर्णय उसके लिए बेहद महंगा साबित हुआ। आयरलैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 235 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। यह न सिर्फ आयरलैंड का टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे बड़ा स्कोर है, बल्कि मौजूदा सीजन का भी सर्वोच्च टोटल बन गया। टीम ने श्रीलंका द्वारा इसी सीजन में ओमान के खिलाफ बनाए गए 225 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और टूर्नामेंट इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर दर्ज कर लिया।

आयरलैंड की पारी में ताबड़तोड़ चौकों-छक्कों की बरसात देखने को मिली। टीम ने कुल 21 चौके और 13 छक्के जड़े। कप्तान लोर्कन टकर ने शानदार नेतृत्व करते हुए 51 गेंदों पर नाबाद 94 रनों की धुआंधार पारी खेली। शतक से चूकने के बावजूद उन्होंने 10 चौके और 4 छक्के जड़कर मैच का रुख पूरी तरह अपनी टीम के पक्ष में मोड़ दिया। उनके साथ गैरेथ डेलानी ने 30 गेंदों पर 56 रनों की तेज पारी खेली, जिसमें 3 चौके और 4 छक्के शामिल थे। ओमान की ओर से 38 वर्षीय स्पिनर शकील अहमद ने तीन विकेट झटके और शुरुआती झटके दिए, जबकि आमिर कलीम ने भी एक सफलता हासिल की।

235 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओमान की टीम 18 ओवर में 139 रन पर सिमट गई। आमिर कलीम ने 50 और हमाद मिर्जा ने 46 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज ज्यादा योगदान नहीं दे सके। आयरलैंड के लिए जोश लिटिल ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लिए। मैथ्यू हंफ्रेस और बैरी मैकार्थी को दो-दो सफलताएं मिलीं। इस बड़ी जीत के बावजूद आयरलैंड अंकतालिका में चौथे स्थान पर है, जबकि श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया शीर्ष तीन स्थानों पर बने हुए हैं।

पाकिस्तान के दो स्पिनर टीम इंडिया के लिए बन सकते हैं चुनौती : अजंता मेंडिस

कोलंबो ।भारत-पाक मुकाबले से ठीक पहले श्रीलंका के पूर्व स्टार स्पिनर अजंता मेंडिस ने भारतीय टीम को सावधान रहने की सलाह दी है।मैदान के बाहर लंबे विवाद, राजनीतिक बयानबाज़ी और पाकिस्तान सरकार के बायकॉट से यूटर्न के बाद अब 15 फरवरी को कोलंबो में दोनों टीमें अंतत: आमने-सामने होंगी।फैंस एक बार फिर भारत-पाक महामुकाबले के रोमांच को महसूस करने के लिए तैयार हैं।हाल ही में खेले गए एशिया कप में टीम इंडिया ने पाकिस्तान पर लगातार तीन जीत दर्ज कर खिताब जीता था।फाइनल समेत तीनों मुकाबलों में भारत ने दमदार प्रदर्शन किया था।इस बार सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को मात देने उतरेगी।हाई-वोल्टेज मैच के लिए टीम इंडिया शुक्रवार को कोलंबो पहुंच चुकी है।

इसी बीच मेंडिस ने संकेत दिया है कि पाकिस्तानी स्पिनर्स भारत के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं।पिच की प्रकृति और कोलंबो की परिस्थितियों को देखते हुए पाकिस्तान के दो स्पिनर भारतीय बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं। मेंडिस का मानना है कि यह मुकाबला स्पिनरों पर काफी निर्भर रहने वाला है और भारतीय बल्लेबाजों को शुरुआत से ही सतर्क रहना होगा।हालांकि, इस बड़े मैच पर मौसम का खतरा भी मंडरा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मुकाबले के दौरान बारिश की संभावना है, जो खेल को प्रभावित कर सकती है।बावजूद इसके, फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि मौसम साफ रहे और उन्हें भारत-पाक की एक और यादगार भिड़ंत देखने को मिले।

मोईन अली की बड़ी भविष्यवाणी : भारत-पाकिस्तान मैच में बुमराह और कुलदीप होंगे गेम चेंजर

नई दिल्ली ।आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप को समर्पित 'मिस्टर क्रिकेट यूएई' पॉडकास्ट के दूसरे एपिसोड में इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर मोईन अली ने भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर कई अहम भविष्यवाणियां कीं।मोईन ने साफ कहा कि भारत के लिए इस हाई-वोल्टेज मैच में सबसे बड़े मैच-विनर जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव होंगे।उन्होंने कोलंबो स्थित आर. प्रेमदाया स्टेडियम की पिच को स्पिनरों के लिए मददगार बताया, हालांकि उम्मीद जताई कि बड़े मुकाबले को देखते हुए एक संतुलित विकेट तैयार किया जा सकता है। मोईन अली ने कहा कि बल्लेबाजी में सूर्यकुमार यादव पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा खतरा साबित हो सकते हैं। उनके अनुसार, सूर्यकुमार के पास मैच का रुख कुछ ही ओवरों में बदल देने की क्षमता है। वहीं गेंदबाजी में बुमराह और कुलदीप दोनों किसी भी परिस्थिति में मैच जीताने वाले खिलाड़ी हैं।

पाकिस्तान टीम संयोजन पर भी मोईन ने खुलकर राय रखते हुए कहा कि टीम को हर हाल में फखर जमान को शामिल करना चाहिए, चाहे इसके लिए बाबर आजम को बाहर ही क्यों न बैठना पड़े।गेंदबाजी में उन्होंने शाहीन अफरीदी और अबरार अहमद को भारत के लिए महत्वपूर्ण खतरा बताया, खासकर अबरार की विविधता भारतीय बल्लेबाजों की परीक्षा ले सकती है।मोईन अली ने अपने चार संभावित सेमीफाइनलिस्ट भी बताए भारत, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और पाकिस्तान।इतना ही नहीं, उन्होंने फाइनल की संभावित भिड़ंत भारत बनाम पाकिस्तान के रूप में देखी।हालांकि मैच के नतीजे पर उन्होंने एक दिलचस्प बयान दिया- 卐आमतौर पर भारत पाकिस्तान को हरा देता है, लेकिन इस बार मेरा दिल कहता है कि पाकिस्तान जीत सकता है।'

पाक कप्तान ने बताया उस्मान तारिक को ट्रंप कार्ड

- भारत-पाकिस्तान भिड़ंत से पहले के एक्शन पर विवाद जारी

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप 2026 का सबसे रोमांचक और हाई वोल्टेज मुकाबला रविवार को कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा। टीम इंडिया मैच के लिए कोलंबो पहुंच चुकी है, वहीं पड़ोसी मुल्क की टीम भी अपनी तैयारियों में पूरी ताकत झोंक रही है। इस महामुकाबले से पहले पाकिस्तान द्वारा मैच को बॉयकॉट करने की चेतावनी और फिर खेलने के फैसले के बाद काफी विवाद खड़ा हुआ था, लेकिन अब नया मुद्दा स्पिनर उस्मान तारिक के गेंदबाजी एक्शन को लेकर उठ रहा है, जो थमने का नाम नहीं ले रहा।

भारत-पाक मैच से ठीक पहले पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने स्पिनर का मजबूती से बचाव किया। उन्होंने कहा कि टीम को उस्मान तारिक के एक्शन पर उठ रही चर्चाओं से कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि वह पहले ही दो बार जांच में पूरी तरह क्लियर हो चुके हैं। सलमान अली आगा ने उन्हें टीम का ट्रंप कार्ड बताते हुए कहा कि वह अकेले दम पर मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं।

कप्तान ने साफ शब्दों में कहा, 'उस्मान तारिक हमारे लिए ट्रंप कार्ड हैं। उनके बॉलिंग एक्शन पर हो रही चर्चाओं की हमें कोई परवाह नहीं है। उनका एक्शन दो बार क्लीन चिट पा चुका है, इसलिए इस मुद्दे पर सवाल उठाना समझ से परे है।' कप्तान के इस बयान से साफ है कि पाकिस्तान टीम अपने स्पिनर पर काफी भरोसा जताती है और वे भारत के खिलाफ इस अहम मैच में उन पर बड़ी जिम्मेदारी डालने की तैयारी में हैं। दूसरी ओर, दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें इस ब्लॉकबस्टर मुकाबले पर टिकी हुई हैं। कोलंबो का प्रेमदासा स्टेडियम रविवार को एक बार फिर दोनों चिर-प्रतिद्वंद्वी टीमों की ऐतिहासिक भिड़ंत का गवाह बनेगा। दोनों टीमों के बीच मैदान पर उतरते ही रोमांच अपने चरम पर पहुंचना तय है।

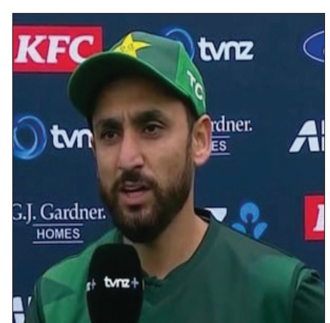

दोनों मैच जीतने के बावजूद खुश नहीं हैं कप्तान मार्करम, कहा- सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं हुआ

नई दिल्ली ।टी20 वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप-डी की शुरुआत में ही साउथ अफ्रीका ने अपने दोनों मैच जीतकर चार अंक बटोर लिए हैं और न्यूजीलैंड के बाद दूसरे स्थान पर काबिज है।लेकिन टीम के कप्तान एडन मार्करम का कहना है कि टीम अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकी है।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हालांकि परिणाम सकारात्मक रहे हैं, टीम का फोकस अपनी पूरी क्षमता पर खेलना और लगातार सुधार करना है।मार्करम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अगले मुकाबले से पहले कहा कि कीवी कोच रोब वाल्टर उनकी टीम की ताकत और कमजोरियों से पूरी तरह परिचित हैं। वाल्टर पहले कई दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों के साथ काम कर चुके हैं, इसलिए उन्हें पता है कि टीम किस स्थिति में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकती है और कहां कमजोर पड़ सकती है। मारक्रम ने माना कि यह एक चुनौतीपूर्ण मुकाबला होगा, लेकिन टीम मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार है।कप्तान ने गेंदबाजी की स्थिति पर भी चिंता जताई। पिछले दो मैचों में उनके गेंदबाजों ने 22 अतिरिक्त रन दिए, जो टी20 प्रारूप में काफी महत्वपूर्ण हो सकते हैं।मार्करम का कहना है कि टीम इन फालतू रनों को कम करने पर विशेष ध्यान दे रही है और हर गेंदबाज को अपनी ताकत और शैली के अनुसार खेलना होगा।उन्होंने अहमदाबाद में रात की रोशनी में टीम संयोजन पर भी संकेत दिया कि स्पिन और तेज गेंदबाजी का संतुलन बनाए रखा जाएगा, ताकि पिच और परिस्थितियों का अधिकतम फायदा उठाया जा सके।सुपर-8 में जगह बनाने के लिए साउथ अफ्रीका का अगला मुकाबला टेबल टॉपर न्यूजीलैंड से है।न्यूजीलैंड ने अपने शुरुआती दोनों मैच जीतकर उत्साह बढ़ाया है।कीवी टीम ने पहले मैच में अफगानिस्तान को मात दी थी और दूसरे मैच में यूएई को 10 विकेट से हराया।ऐसे में यह मुकाबला केवल अंक तालिका के लिए ही नहीं, बल्कि टीम की मानसिक मजबूती और प्रदर्शन की वास्तविक परीक्षा भी साबित होगा।मार्करम ने जोर देकर कहा कि टीम का ध्यान केवल परिणाम पर नहीं, बल्कि लगातार सुधार पर है।यदि साउथ अफ्रीका न्यूजीलैंड को मात देने में सफल होता है, तो लगातार तीसरी जीत के साथ उसकी सुपर-8 में जगह पक्की हो जाएगी।लेकिन मैच चुनौतीपूर्ण होगा, क्योंकि कीवी टीम भी जीत के इरादे से उतरेगी। टी20 प्रारूप की अनिश्चितताओं को देखते हुए यह मुकाबला दर्शकों और फैंस के लिए बेहद रोमांचक होने वाला है। साउथ अफ्रीका की टीम फिलहाल मानसिक और तकनीकी तैयारी के साथ मैदान में उतरेगी, और मारक्रम के अनुसार, उनका लक्ष्य केवल जीत हासिल करना नहीं, बल्कि प्रत्येक गेंद पर अपनी पूरी क्षमता दिखाना है।

आईपीएल के नये सत्र मे पराग की कप्तानी में उतरेगी रॉयल्स

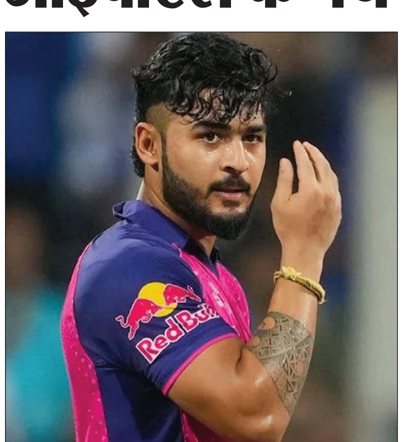

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 सत्र में राजस्थान रॉयल्स की टीम युवा ऑलराउंडर रियान पराग की कप्तानी में उतरेगी। पराग ने पिछले सत्र में भी कई मैचों में कप्तानी की थी। ऐसे में वह इसबार कप्तानी के प्रबल दावेदार थे। वहीं पिछले सत्र में कप्तान रहे संजू सैमसन इस बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से खेलेंगे। सैमसन के जाने के बाद टीम प्रबंधन ने भविष्य की योजनाओं को देखते हुए पराग पर भरोस जताया है। राजस्थान रॉयल्स में सैमसन एक दशक से शामिल थे । वह एक युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज़ से टीम के कप्तान बने थे पर पिछले सत्र में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इसके बाद वह फिटनेस की परेशानी से भी जूझ रहे थे। पिछले सत्र में 14 मुकाबलों में टीम को केवल चार में जीत मिली थी और वह अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। इस सत्र के बाद ही सैमसन और टीम प्रबंधन में मतभेद आ गये थे और तभी से पता चल गया था कि वह बदलाव के लिए तैयार हैं।इसके बाद सैमसन सीएसके में चले गये। अब वह सीएसके में महेन्द्र सिंह धोनी जैसे दिग्गज के साथ टीम में खेलते दिखेंगे।

पराग को कप्तानी एकदम नहीं दी गयी बल्कि पिछले सीज़न में जब भी सैमसन चोट के कारण बाहर थे, तब पराग को कप्तान के तौर पर अवसर दिये गये ताकि वह कमान संभालने के लिए तैयार रहें। उन्होंने आठ मैचों में टीम की कप्तानी की थी। उन मुकाबलों में टीम को केवल दो में ही जीत मिलीं पर पराग के आंकड़े अच्छे रहे। । उन्होंने 38.57 की औसत से रन बनाए और कई अच्छी पारियां खेलीं। इससे उनकी बल्लेबाजी में परिपक्वता और दबाव को झेलने की क्षमता दिखी। वहीं पराग का मानना है कि कप्तानी सिर्फ मैदान पर फैसले लेने का नाम नहीं, बल्कि मानसिक रूप से तेज और रणनीतिक रूप से सजग रहने का खेल है। टीम संयोजन चाहे जैसा भी हो, वह जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं।साल 2025 के अंत में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के पद छोड़ने के बाद रायल्स की मुश्किलें बढ़ गयी थीं और ऐसे में देखना होगा कि नये कप्तान के तौर पर पराग कितने सफल रहते हैं।

एम चिन्नास्वामी में अनिल कुंबले, राहुल द्रविड़ और शांता रंगास्वामी के नाम पर स्टैंड बने

नई दिल्ली ।एम चिन्नास्वामी स्टेडियम ने भारतीय क्रिकेट के तीन दिग्गजों को सम्मानित किया है।इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु के गढ़ माने जाने वाले इस स्टेडियम में कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज खिलाड़ियों अनिल कुबले और राहुल द्रविड के नाम पर स्टैंड का उद्घाटन किया।इस सम्मान के जरिए भारतीय और कर्नाटक क्रिकेट में उनके द्वारा किए गए असाधारण योगदान को याद किया गया।अनिल कुंबले, जो टेस्ट और वनडे दोनों में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं और जून 2016 से जून 2017 तक भारत के मुख्य कोच भी रह चुके हैं, ने कहा, 'यह सिर्फ नाम का सम्मान नहीं है, बल्कि कर्नाटक क्रिकेट में हम सभी के योगदान को पहचानने का अवसर है। हमारे प्रयास आज के कर्नाटक क्रिकेट को आकार देने में अहम रहे हैं।' वहीं राहुल द्रविड़, टेस्ट क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे सबसे बड़े रन बनाने वाले बल्लेबाज और 2024 में भारत को टी20 वर्ल्ड कप जीताने वाले कोच, इस मौके पर कुंबले के साथ मौजूद रहे।कुंबले ने यह भी खुशी जताई कि पूर्व महिला कप्तान शांता रंगास्वामी के नाम पर भी स्टैंड बनाए गए हैं।शांता रंगास्वामी भारतीय महिला क्रिकेट की पहली टेस्ट शतक लगाने वाली खिलाड़ी हैं और 1976 से 1991 तक 16 टेस्ट और 19 वनडे में 1,037 रन बनाने का रिकॉर्ड उनके नाम है।उन्होंने एक शतक और सात अर्धशतक भी बनाए। पिछले अक्टूबर में उन्हें भारतीय क्रिकेटर्स एसोसिएशन (आईसीए) का अध्यक्ष चुना गया था।

अतीत में अपने व्यवहार की वजह से नुकसान उठाना पड़ा : ईशान किशन

- बदला रवैया बना फैंस और टीम के लिए बड़ी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने नामीबिया के खिलाफ धमाकेदार पारी खेलकर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई और अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने केवल 24 गेंदों में 61 रन बनाए, जिसमें जेजे स्मिट के एक ही ओवर में चार छक्के शामिल थे। भारत ने पावरप्ले में एक विकेट के नुकसान पर 86 रन बना लिए, जो टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत का पावरप्ले में सर्वोच्च स्कोर साबित हुआ। अभिषेक शर्मा की अनुपस्थिति में किशन की यह पारी और भी अहम रही।

मुकाबले के बाद किशन ने अपने बदलावों और परिपक्वता पर खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि अतीत में उनके व्यवहार की वजह से उन्हें नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन अब उन्होंने अपने रवैये और खेल पर पूरा ध्यान देना शुरू कर दिया है। केंद्रीय अनुबंध से बाहर होने के बाद उन्होंने अपने आचरण में बदलाव किया और अब अधिकांश समय बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग पर फोकस करते हैं। किशन ने बताया कि वह केवल कुछ घंटे हल्के मूड में रहते हैं, बाकी समय पूरी निष्ठा से अपने खेल पर काम करते हैं।

किशन ने यह भी बताया कि अब वह जल्दबाजी से बचने की कोशिश कर रहे हैं और एक-दो रन लेने पर उतना ही ध्यान देते हैं जितना बड़े शॉट खेलने पर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई बार खिलाड़ी उत्साह में गलत शॉट खेल बैठते हैं, लेकिन किशन खुद को शांत रखने और गेंद पर नजर जमाए रखने की रणनीति अपनाते हैं। इस पारी ने न सिर्फ किशन की टीम में अहम भूमिका को मजबूत किया, बल्कि भारतीय शीर्ष क्रम के लिए भी बड़ी राहत दी। उनकी बल्लेबाजी में आई परिपक्वता और विकेटकीपिंग में निरंतरता उन्हें टीम का भरोसेमंद सदस्य बनाती है। आगामी मुकाबलों में किशन की यह फॉर्म भारत के अभियान की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है और टीम को ग्रुप स्टेज में मजबूत स्थिति दिला सकती है।

'हसरतें सीजन 3' से चाहत पांडे रखा ओटीटी की दुनिया में कदम

टीवी और रियलिटी शो की दुनिया में अपनी पहचान बना रही एक्ट्रेस चाहत पांडे ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी डेब्यू किया है। हंगामा ओटीटी पर रिलीज हुई नई वेब सीरीज 'हसरतें सीजन 3' में उन्होंने एक चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया है। उनका किरदार कई मायनों में महिलाओं की जटिल भावनाओं, उनकी इच्छाओं और उनके संघर्ष को बयां करता है।

यह कहानी दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर करेगी कि कभी-कभी जीवन में अपनी खुशी चुनना गुनाह नहीं, बल्कि जीवित रहने का तरीका है। चाहत पांडे ने अपने किरदार को लेकर कहा, ''स्मिता मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार है। स्मिता ऐसी महिला है, जिसे बचपन से सिखाया गया कि उसे अपने दर्द और अधूरी इच्छाओं को कभी व्यक्त नहीं करना है। पति के गायब होने के बाद समाज उसे और भी सख्ती से नियंत्रित करने लगता है। इस किरदार के जरिए मैंने यह दिखाने की कोशिश की कि जब एक महिला अपनी आवाज सुनती है, तो उसके जीवन में कितना बड़ा बदलाव आ सकता है।'' चाहत ने आगे कहा, ''स्मिता की कहानी उसके अधिकारों को वापस पाने और यह स्वीकार करने की कहानी है कि अपनी खुशी चुनना कोई अपराध नहीं है। यह किरदार महिलाओं की भावनाओं, उनके संघर्ष और उनकी स्वतंत्रता की कहानी को बड़े ही संवेदनशील तरीके से पेश करता है।''

'हसरतें सीजन 3' में चाहत पांडे का यह कदम ओटीटी की दुनिया में उनकी नई पहचान बनाने का भी अवसर है। दर्शक न केवल उनकी भावनाओं से जुड़ेंगे, बल्कि उनकी कहानी के माध्यम से समाज में महिलाओं की स्वतंत्रता और व्यक्तिगत अधिकारों के महत्व को भी महसूस करेंगे।

क्या बॉलीवुड में डेब्यू के ख्वाब देख रहीं हैं भोजपुरी क्वीन अक्षरा?

अपने अभिनय, डांस और सिंगिंग को लेकर दर्शकों की तारीफ बटोरने वाली अक्षरा सिंह ने अब यूट्यूब पर कुकिंग व्लॉग शुरू कर दिया है। बीते दिनों उन्होंने इसका एलान किया था। 'चटर पटर' नाम के इस चैनल पर अक्षरा अपने माता-पिता के साथ कोई डिश बनाती हैं। साथ-साथ भरपूर मस्ती होती है। व्लॉग का पहला एपिसोड काफी पसंद किया गया था। अब इसका दूसरा एपिसोड रिलीज कर दिया गया है।

अक्षरा बोलीं- 'आपका प्यार ही फैमिली फन को वायरल बनाता है'

अक्षरा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें व्लॉग के दूसरे एपिसोड के रिलीज होने की जानकारी देते हुए लिखा है, 'पहले एपिसोड को आप सभी ने इतना प्यार दिया, दिल खुश हो गया। अब 'चटर-पटर' का दूसरा एपिसोड लाइव हो गया है। मम्मी, पापा और मेरी फुल मस्ती के साथ। देखिए, एंजॉय करिए और बताइए कैसा लगा? आपका प्यार ही इस फैमिली फन को वायरल बनाता है। व्लॉग की शुरुआत अक्षरा सिंह से होती है। वे सोकर उठती हैं। अपनी मां को बताती हैं कि उन्हें एक सपना आया। सपने में बुआ आईं और अपने हाथ का टेस्टी हलवा बनाती दिखीं। यह सुनते ही अक्षरा की मां नीलिमा सिंह जलन महसूस करते हुए कहती हैं कि तुम्हारी बुआ को क्या हलवा बनाना आता है, वो तो मैं अच्छा बनाकर दिखाती हूं। इसके बाद अक्षरा अपनी मां के साथ मिलकर हलवा बनाती हैं। इसी दौरान वे कहती हैं, 'काश बॉलीवुड डेब्यू मांग लिया होता'। वे ख्यालों में गुम होती हैं कि उनकी मां उन्हें टोक देती हैं।

'चांद तलक' सॉन्ग हुआ रिलीज

अक्षरा सिंह के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे अपने गाने 'चांद तलक' को लेकर चर्चा में हैं। यह गाना हाल ही में रिलीज हुआ है। इसमें अक्षरा के साथ एक्टर विक्रांत सिंह राजपूत नजर आए हैं।

अपनी अपकमिंग फिल्म 'योगी दा' को लेकर उत्साहित हैं साई धनशिका, फिल्म में एक्शन करती नजर आएंगी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री साई धनशिका अपनी अपकमिंग फिल्म 'योगी दा' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। साई फिल्म में एक्शन करती नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि फिल्म 'योगी दा' में सभी स्टंट खुद किए हैं। उन्होंने बताया कि बिना किसी बॉडी डबल के एक्शन सीन पूरे किए महिलाएं चाहें तो पुरुषों जितने शानदार स्टंट कर सकती हैं। एक इवेंट में साई धनशिका ने बताया, 'मैंने पहली बार 'पेरानमाई' में एक्शन किया था और वह अनुभव आज भी मेरी मदद करता है। 'योगी दा' में हर स्टंट सीन मैंने खुद किए हैं, बिना किसी बॉडी डबल के। अगर महिलाएं मन बना लें, तो वे पुरुषों की तरह ही अच्छे स्टंट कर सकती हैं।' उन्होंने फिल्म के संदेश पर जोर देते हुए कहा, 'आज महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। समाज अक्सर सोचता है कि एक बार अगर कोई महिला शारीरिक रूप से घायल हो जाए, तो वह फिर कभी खड़ी नहीं हो सकती। लेकिन 'योगी दा' दिखाती है कि वह इससे उबर सकती है और मजबूत होकर वापस आ सकती है। हमने यह फिल्म महिलाओं के लिए, उनकी पूरी क्षमता दिखाने के लिए बनाई है।'

साई धनशिका ने फिल्म के टाइटल की रोचक कहानी भी साझा की। उन्होंने कहा कि 'योगी दा' का नाम सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'कबाली' से प्रेरित है। 'मैंने 'कबाली' में रजनीकांत सर की बेटी का किरदार निभाया था, जिसका नाम 'योगी' था। इसी से 'योगी दा' की शुरुआत हुई। हमने 'कबाली' के लुक और एक्शन स्टाइल में समानताएं देखीं, इसलिए यह नाम चुना। 'कबाली' के लिए मैंने असल में अपने बाल कटवाए थे, लेकिन इस फिल्म के लिए विग का इस्तेमाल किया। 'कबाली' के बाद कई महिलाओं ने मेरे किरदार से प्रेरित होकर बाल कटवाए थे। तब मुझे एहसास हुआ कि एक फिल्म लोगों पर कितना गहरा असर डाल सकती है।' एक्ट्रेस ने अपनी पूरी टीम को दिल से धन्यवाद देते हुए कहा, 'मेरी पूरी टीम को बहुत-बहुत शुक्रिया। यह आप सबके बिना संभव नहीं होता। मैं मानती हूं कि ज्यादा बोलने से बेहतर है कि काम बात करे, जो मेहनत फिल्मों में दिखती है।' 'योगी दा' एक एक्शन एंटरटेनर है, जिसे गौतम कृष्णा ने लिखा और डायरेक्ट किया है।

शाल्मली खोलगड़े का नया ट्रैक 'इम्प्रेशन' रिलीज

बॉलीवुड और म्यूजिक इंडस्ट्री में समय के साथ प्यार, रिश्तों और महिलाओं की भूमिका को देखने का नजरिया लगातार बदल रहा है। पहले के गानों में महिलाओं को अक्सर इंतजार करती, त्याग करती और भावनाओं में डूबी हुई दिखाया जाता था, वहीं आज के कलाकार नई सोच और नए आत्मविश्वास के साथ सामने आ रहे हैं। इसी बदले हुए दौर की एक मजबूत झलक प्लेबैक सिंगर शाल्मली खोलगड़े के नए गाने 'इम्प्रेशन' में देखने को मिलती है। अपने इस नए गाने के जरिए शाल्मली ने एक म्यूजिकल एक्सपेरिमेंट किया है, जिसमें महिला खुद अपने रिश्ते की दिशा तय करती है। शाल्मली खोलगड़े ने अपने नए ट्रैक 'इम्प्रेशन' को लेकर कहा, ''मैं अपनी सोच और अभिव्यक्ति के साथ आगे बढ़ती हूं। यह गाना आज के दौर के रिश्तों को दर्शाता है, जहां आकर्षण दिखावे या बड़े-बड़े वादों से नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संतुलन और अपने आप में सहज होने से पैदा होता है। इसी सोच को गाना आगे बढ़ाने का काम करता है।'' म्यूजिक वीडियो में शाल्मली खुद डांस करती नजर आती हैं। शाल्मली ने गाने को लेकर कहा, '''इम्प्रेशन' मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि इसमें मुझे संगीत और डांस दोनों के जरिए खुद को अभिव्यक्त करने का मौका मिला है। एक कलाकार के तौर पर यह मेरे लिए बहुत संतोषजनक अनुभव रहा।

क्या जिया शंकर ने एल्विश यादव से कर ली सगाई?

एल्विश यादव और जिया शंकर सगाई की अफवाहों को लेकर सुर्खियों में हैं। आज एल्विश यादव ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की है। इसमें एक लड़के ने एक लड़की का हाथ पकड़ा है। लड़की ने हाथ में रिंग पहनी है। इसके कैप्शन में लिखा है 'प्यार को दूसरा मौका दिया और मुझे मेरा प्यार मिल गया।' इस स्टोरी को जिया शंकर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर रीशेयर किया है। यह तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल है। फैंस कयास लगा रहे हैं कि दोनों की सगाई हो चुकी है और दोनों जल्द ही शादी करने वाले हैं। हालांकि ना तो जिया शंकर ने और ना ही एल्विश यादव ने इस तस्वीर को लेकर कुछ कहा है। जहां फैंस दोनों के रिश्ते को लेकर कयास लगा रहे हैं वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों जल्द ही नए शो 'इंगेज्ड: रोका या धोखा' सीजन 2 में नजर आ सकते हैं। इस वक्त इस तरह की तस्वीर शेयर करना इस शो का प्रमोशन हो सकता है।

इन शोज में आईं नजर

जिया शंकर मशहूर टीवी शो 'मेरी हानिकारक बीवी' में डॉक्टर इरा पांडे का किरदार निभाने के लिए जानी जाती हैं। साल 2015 में वह शो 'गुमराह: एंड ऑफ इनोसेंस' में नजर आईं। इसके बाद वह 'लाल इश्क', 'काटेलाल एंड संस' जैसे शोज में नजर आईं। आखिरी बार उन्हें 'बिग बॉस ओटीटी 2' में देखा गया था।

'ओ रोमियो' के किरदार ने मुझे इमोशनली चैलेंज किया

तृप्ति डिमरी ने कम समय में ऐसे किरदार चुने हैं, जो आसान नहीं थे। 'ओ रोमियो' में उनका किरदार बाहर से शांत, लेकिन भीतर से बेहद टूटा हुआ है। इसे लेकर उन्होंने खास बातचीत की...

तृप्ति कहती हैं 'ओ रोमियो' की शुरुआत मेरे लिए एक फोन कॉल से हुई। विशाल सर का नाम सुनते ही एक्साइटेड हो गई थी, क्योंकि उनके साथ काम करने का सपना रहा है। जब कहानी सुनी तो अपने किरदार अपशा से बहुत कनेक्ट हुई। कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जिनका सफर आप खत्म नहीं करना चाहते 'ओ रोमियो' मेरे लिए बिल्कुल वैसी ही रही।'

किरदार वहीं अच्छा जो चैलेंज करें, असली ग्रोथ तभी होगी

बकौल तृप्ति... 'मेरा मानना है कि जो किरदार आपको चैलेंज नहीं करता, उसमें मजा नहीं। एक एक्टर के तौर पर असली ग्रोथ वहीं से शुरू होती है। अफ्शा मेरे लिए आसान किरदार नहीं रहा। यह बहुत इंटर्नल कैरेक्टर है। उसके भीतर दर्द, गुस्सा और उदासी है, लेकिन वह सब बहर बहुत कम दिखाई देता है। इस बैलेंस को पकड़ना सबसे बड़ी चुनौती थी। अतुल मोंगिया और विशाल सर के साथ लंबे सेशन्स हुए।

शाहिद के साथ काम करके सीखा कैसे को-एक्टर को सिक्योर फील कराते हैं...

शाहिद के साथ काम करने के एक्सपीरियंस पर तृप्ति कहती हैं. वह बेहद डिसिप्लिन्ड और परफेक्शनिस्ट हैं। अगर उन्हें लगता है कि सीन और बेहतर हो सकता है, तो वह तब तक करते रहते हैं। सबसे अच्छी बात है कि वह अपने को एक्टर को बहुत सिक्योर फील कराते हैं। उनके साथ काम करते हुए बहुत कुछ सीखा। हम पहली बार रीडिंग के दौरान मिले थे। उस वक्त सबका फोकस सिर्फ स्क्रिप्ट और किरदार पर था। किसी को जज करने का सवाल ही नहीं था।' तृप्ति ने आगे 'एनिमल' पर भी कहा कि जब दर्शक किसी किरदार को इतने समय तक याद रखते हैं और दोबारा देखना चाहते हैं, तो यह बहुत बड़ी बात होती है।'

हिट-फ्लॉप से ज्यादा जरूरी यह है कि एक फिल्म से मैंने बतौर एक्टर क्या-क्या सीखा...

तृप्ति ने कहा... 'मेरे लिए हिट या फ्लॉप से ज्यादा जरूरी यह है कि मैंने एक एक्टर के तौर पर क्या सीखा। हर फिल्म आपको कुछ न कुछ सिखाती है। वही सीख आगे आपके काम आती है। बाकी मैं थोड़ी रोमांटिक भी हूं और थोड़ी रियलिस्ट भी। मुझे लगता है कि मोहब्बत में भावनाओं के साथ समझदारी भी जरूरी है। परदे पर मेरे और शाहिद के बीच दर्शकों को वह जरूर दिखेगा।' वहीं शाहिद का कहना है कि...'मेरे लिए सफलता असफलता दोनों अस्थायी हैं। अगर आप सिर्फ सफलता के पीछे भागते हैं, तो जल्दी टूट भी सकते हैं। जरूरी यह है कि आप अपने काम से जुड़े रहें और ईमानदारी रखें। वही आपको लंबे समय तक टिकाए रखेगा। बाकी प्यार जिंदगी की सबसे खूबसूरत चीज है। यह समझ, धैर्य और संवेदनशीलता भी है।'

मास और क्लास दोनों ऑडियंस को छूएगी 'ओ रोमियो'

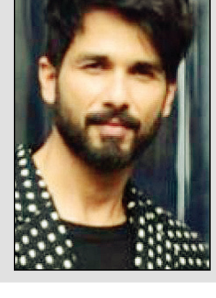

शाहिद कहते हैं... ' विशाल भारद्वाज के साथ रिश्ता पुराना है, लेकिन मैं हर स्क्रिप्ट को बिल्कुल न्यूट्रल होकर सुनता हूं। यहां मुझे कहानी और किरदार में वह इमोशनल गहराई दिखी, जो एक एक्टर को आगे बढ़ाती है। यह फिल्म मास और क्लास, दोनों को ध्यान में रखकर कही गई है, और यही बात मुझे सबसे ज्यादा एक्साइट करती है।'

शिव लोक कल्याणकारी हैं तो संकट विनाशक भी

शिवरात्रि का पर्व भी दुःखों को दूर करने एवं सुखों का सृजन करने का प्रेरक है। भोलेनाथ भाव के भूखे हैं, कोई भी उन्हें सच्ची श्रद्धा, आस्था और प्रेम के पुष्प अर्पित कर अपनी मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना कर सकता है

सम्पूर्ण ब्रह्मांड शिव के अंदर समाया हुआ है। जब कुछ नहीं था तब भी शिव थे जब कुछ न होगा तब भी शिव ही होंगे। शिव को महाकाल कहा जाता है, अर्थात समय। शिव अपने इस स्वरूप द्वारा पूर्ण सृष्टि का भरण-पोषण करते हैं। इसी स्वरूप द्वारा परमात्मा ने अपने ओज व उष्णता की शक्ति से सभी ग्रहों को एकत्रित कर रखा है। परमात्मा का यह स्वरूप अत्यंत ही कल्याणकारी माना जाता है क्योंकि पूर्ण सृष्टि का आधार इसी स्वरूप पर टिका हुआ है। भगवान शिव भोले भण्डारी है और जग का कल्याण करने वाले हैं। भगवान शिव आदिदेव है, देवों के देव है, महादेव हैं। सभी देवताओं में वे सर्वोच्च हैं, महानतम हैं, दु:खों को हरने वाले हैं। प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि का पर्व फाल्गुण मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाया जाता है, जो शिवत्व का जन्म दिवस है। यह शिव से मिलन की रात्रि का सुअवसर है। इसी दिन निशीथ अर्धरात्रि में शिवलिंग का प्रादुर्भाव हुआ था। इसीलिये यह पुनीत पर्व सम्पूर्ण देश एवं दुनिया में उल्लास और उमंग के साथ मनाया जाता है। यह पर्व सांस्कृतिक एवं धार्मिक चेतना की ज्योति किरण है। इससे हमारी चेतना जाग्रत होती है, जीवन एवं जगत में प्रसन्नता, गति, संगति, सौहार्द, ऊर्जा, आत्मशुद्धि एवं नवप्रेरणा का प्रकाश परिव्याप्त होता है। यह पर्व जीवन के श्रेष्ठ एवं मंगलकारी व्रतों, संकल्पों तथा विचारों को अपनाने की प्रेरणा देता है।

शिव सभी देवताओं में वे सर्वोच्च हैं, महानतम हैं, दु:खों को हरने वाले हैं। वे कल्याणकारी हैं तो संहारकर्ता भी हैं। सृष्टि के कल्याण हेतु जीर्ण-शीर्ण वस्तुओं का विनाश आवश्यक है। इस विनाश में ही निर्माण के बीज छुपे हुए हैं। इसलिये शिव संहारकर्ता के रूप में निर्माण एवं नव-जीवन के प्रेरक भी है। सृष्टि पर जब कभी कोई संकट पड़ा तो उसके समाधान के लिये वे सबसे आगे रहे। जब भी कोई संकट देवताओं एवं असुरों पर पड़ा तो उन्होंने शिव को ही याद किया और शिव ने उनकी रक्षा की। समुद्र-मंथन में देवता और राक्षस दोनों ही लगे हुए थे। सभी अमृत चाहते थे, अमृत मिला भी लेकिन उससे पहले हलाहल विष निकला जिसकी गर्मी, ताप एवं संकट ने सभी को व्याकुल कर दिया एवं संकट में डाल दिया, विष ऐसा की पूरी सृष्टि का नाश कर दें, प्रश्न था कौन ग्रहण करें इस विष को। भोलेनाथ को याद किया गया गया। वे उपस्थित हुए और इस विष को ग्रहण कर सृष्टि के सम्मुख उपस्थित संकट से रक्षा की। उन्होंने इस विष को कंठ तक ही रखा और वे नीलकंठ कहलाये। इसी प्रकार गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिये भोले बाबा ने ही सहयोग किया। क्योंकि गंगा के प्रचंड दबाव और प्रवाह को पृथ्वी कैसे सहन करें, इस समस्या के समाधान के लिये शिव ने अपनी जटाओं में गंगा को समाहित किया और फिर अनुकूल गति के साथ गंगा का प्रवाह उनकी जटाओं से हुआ। ऐसे अनेक सृष्टि से जुड़े संकट और उसके विकास से जुड़ी घटनाएं हैं जिनके लिये शिव ने अपनी शक्तियों, तप और साधना का प्रयोग करके दुनिया को नव-जीवन प्रदान किया। शिव का अर्थ ही कल्याण है, वही शंकर है, और वही रुद्र भी है। शंकर में शं का अर्थ कल्याण है और कर का अर्थ करने वाला। रुद्र में रु का अर्थ दु:ख और द्र का अर्थ हरना- हटाना। इस प्रकार रुद्र का अर्थ हुआ, दु:ख को दूर करने वाले अथवा कल्याण करने वाले।

शिवरात्रि का पर्व भी दु:खों को दूर करने एवं सुखों का सृजन करने का प्रेरक है। भोलेनाथ भाव के भूखे हैं, कोई भी उन्हें सच्ची श्रद्धा, आस्था और प्रेम के पुष्प अर्पित कर अपनी मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना कर सकता है। दिखावे, ढोंग एवं आडम्बर से मुक्त विद्वान-अनपढ़, धनी-निर्धन कोई भी अपनी सुविधा तथा सामर्थ्य से उनकी पूजा और अर्चना कर सकता है। शिव न काठ में रहता है, न पत्थर में, न मिट्टी की मूर्ति में, न मन्दिर की भव्यता में, वे तो भावों में निवास करते हैं।

शिवरात्रि का व्रत करने वाले इस लोक के समस्त भोगों को भोगकर अंत में शिवलोक में जाते हैं। शिवरात्रि की पूजा रात्रि के चारों प्रहर में करनी चाहिए। शिव को बिल्वपत्र, धतूरे के पुष्प तथा प्रसाद में भांग अति प्रिय हैं। लौकिक दृष्टि से दूध, दही, घी, शकर, शहद- इन पाँच अमृतों (पंचामृत) का पूजन में उपयोग करने का विधान है। महामृत्युंजय मंत्र शिव आराधना का महामंत्र है। शिवरात्रि वह समय है जो पारलौकिक, मानसिक एवं भौतिक तीनों प्रकार की व्यथाओं, संतापों, पाशों से मुक्त कर देता है। शिव की रात शरीर, मन और वाणी को विश्राम प्रदान करती है। शरीर, मन और आत्मा को ऐसी शान्ति प्रदान करती है जिससे शिव तत्व की प्राप्ति सम्भव हो पाती है। शिव और शक्ति का मिलन गतिशील ऊर्जा का अन्तर्जगत से एकात्म होना है। लौकिक जगत में लिंग का सामान्य अर्थ चिह्न होता है जिससे पुल्लिंग, स्त्रीलिंग और नपुंसक लिंग की पहचान होती है। शिव लिंग लौकिक के परे है। इस कारण एक लिंगी है। आत्मा है। शिव संहारक हैं। वे पापों के संहारक हैं। शिव की गोद में पहुंचकर हर व्यक्ति भय-ताप से मुक्त हो जाता है।

भगवान शिव को रूद्र नाम से जाना जाता है रुद्र का अर्थ है रुत् दूर करने वाला अर्थात दुखों को हरने वाला अत: भगवान शिव का स्वरूप कल्याण कारक है। शिव शक्ति के प्रतीक ज्योतिर्लिंग का प्रादुर्भाव फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की निशीथ काल में हुआ था। शिव पुराण के अनुसार सृष्टि के आरंभ में ब्रह्मा ने इसी दिन रुद्र रूपी शिव को उत्पन्न किया था। शिव एवं हिमालय पुत्री पार्वती का विवाह भी इसी दिन हुआ था। अत: यह शिव एवं शक्ति के पूर्ण समरस होने की रात्रि भी है। वे सृष्टि के सर्जक हैं। वे मनुष्य जीवन के ही नहीं, सृष्टि के निर्माता, पालनहार एवं पोषक हैं। उन्होंने मनुष्य जाति को नया जीवन दर्शन दिया। जीने की शैली सिखलाई। शिवरात्रि जागृति का पर्व है, जिसमें आत्मा का मंगलकारी शिव से मिलना होता है। यह आत्म स्वरूप को जानने की रात्रि है। स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार का दुर्लभ आध्यात्मिक अनुभव है। यह स्वयं के भीतर जाकर अथवा अंतश्चेतना की गहराइयों में उतरकर आत्म साक्षात्कार करने का प्रयोग है। यह आत्मयुद्ध की प्रेरणा है, क्योंकि स्वयं को जीत लेना ही जीवन की सच्ची जीत है, शिवत्व की प्राप्ति है। काल के इस क्षण की सार्थकता शिवमय हो जाने में है। शक्ति माया नहीं है, मिथ्या नहीं है, प्रपंच नहीं है। इसके विपरीत शक्ति सत्य है। जीव और जगत भी सत्य है। सभी तत्वत: सत्य हैं। सभी शिवमय हैं।

सृष्टि की उत्पत्ति, स्थिति एवं संहार के अधिपति शिव हैं। त्रिदेवों में भगवान शिव संहार के देवता माने गए हैं। शिव अनादि तथा सृष्टि प्रक्रिया के आदि स्रोत हैं और यह काल महाकाल ही ज्योतिषशास्त्र के आधार हैं। शिवरात्रि भोगवादी मनोवृत्ति के विरुद्ध एक प्रेरणा है, संयम की, त्याग की, भक्ति की, संतुलन की। सुविधाओं के बीच रहने वालों के लिये सोचने का अवसर है कि वे आवश्यक जरूरतों के साथ जीते हैं या जरूरतों से ज्यादा आवश्यकताओं की मांग करते हैं। इस शिवभक्ति एवं उपवास की यात्रा में हर व्यक्ति में अहंकार नहीं, बल्कि शिशुभाव जागता है। क्रोध नहीं, क्षमा शोभती है। कष्टों में मन का विचलन नहीं, सहने का धैर्य रहता है। यह तपस्या स्वयं के बदलाव की एक प्रक्रिया है। यह प्रदर्शन नहीं, आत्मा के अभ्युदय की प्रेरणा है। इसमें भौतिक परिणाम पाने की महत्वाकांक्षा नहीं, सभी चाहों का संन्यास है। शिव ने संसार और संन्यास दोनों को जीया है। उन्होंने जीवन को नई और परिपूर्ण शैली दी। पृथ्वी, पानी, अग्नि, वायु, वनस्पति की जीवन में आवश्यकता और उपयोगिता का प्रशिक्षण दिया। कला, साहित्य, शिल्प, मनोविज्ञान, विज्ञान, पराविज्ञान और शिक्षा के साथ साधना के मानक निश्चित किए। सबको काम, अर्थ, धर्म, मोक्ष की पुरुषार्थ चतुष्टयी की सार्थकता सिखलाई। वे भारतीय जीवन-दर्शन के पुरोधा हैं। आज उनका सम्पूर्ण व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व सृष्टि के इतिहास का एक अमिट आलेख बन चुका है। उनका सम्पूर्ण जीवन प्रेरणास्रोत है। लेकिन हम इतने भोले हैं कि अपने शंकर को नहीं समझ पाए, उनको समझना, जानना एवं आत्मसात करना हमारे लिये स्वाभिमान और आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला अनुभव सिद्ध हो सकता है। मानवीय जीवन के सभी आयाम शिव से ही पूर्णत्व को पाते हैं।

हमारे जीवन में ईश्वरीय शक्ति के महत्व को दिखलाता है महाशिवरात्रि का पर्व

महाशिवरात्रि भगवान शिव का त्यौहार है। भारत के सभी प्रदेशो में महाशिव रात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। भारत के साथ नेपाल, मारिशस सहित दुनिया के कई अन्य देशों में भी महाशिवरात्रि मनाते है। हर साल फाल्गुन मास में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिव रात्रि का व्रत किया जाता है। हिन्दू पुराणों के अनुसार इसी दिन सृष्टि के आरंभ में मध्यरात्रि मे भगवान शिव ब्रह्मा से रुद्र के रूप में प्रकट हुए थे। इसीलिए इस दिन को महाशिवरात्रि कहा जाता है।

शिवरात्रि के प्रसंग को हमारे वेद, पुराणों में बताया गया है कि जब समुद्र मन्थन हो रहा था उस समय समुद्र में चौदह रत्न प्राप्त हुए। उन रत्नों में हलाहल भी था। जिसकी गर्मी से सभी देव दानव त्रस्त होने लगे। तब भगवान शिव ने उसका पान किया। उन्होंने लोक कल्याण की भावना से अपने को उत्सर्ग कर दिया। इसलिए उनको महादेव कहा जाता है। जब हलाहल को उन्होंने अपने कंठ के पास रख लिया तो उसकी गर्मी से कंठ नीला हो गया। तभी से भगवान शिव को नीलकंठ भी कहते हैं। शिव का अर्थ कल्याण होता है। जब संसार में पापियों की संख्या बढ़ जाती है तो शिव उनका संहार कर लोगों की रक्षा करते हैं। इसीलिए उन्हें शिव कहा जाता है। योगिक परम्परा में इस दिन और रात को इतना महत्व इसलिए दिया जाता है क्योंकि यह आध्यात्मिक साधक के लिए जबर्दस्त संभावनाएं प्रस्तुत करते हैं। आधुनिक विज्ञान कई चरणों से गुजरने के बाद आज उस बिंदु पर पहुंच गया है। जहां वह प्रमाणित करता है कि हर वह चीज जिसे आप जीवन के रूप में जानते हैं। पदार्थ और अस्तित्व के रूप में जानते हैं। जिसे आप ब्रह्मांड और आकाशगंगाओं के रूप में जानते हैं। वह सिर्फ एक ही ऊर्जा है। जो लाखों रूपों में खुद को अभिव्यक्त करती है। माना जाता है की इस दिन भगवान शंकर और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस दिन लोग व्रत रखते हैं और भगवान शिव की पूजा करते है। महाशिवरात्रि का व्रत रखना सबसे आसान माना जाता है। इसलिये बच्चों से लेकर बूढ़ो तक सभी इस दिन व्रत रखते हैं। महाशिवरात्रि के व्रत रखने वालों के लिये अन्न खाना मना होता है। इसलिये उस दिन फलाहार किया जाता है।

राजस्थान में व्रत के समय गाजर, बेर का सीजन होने से गांवों में लोगों द्वारा गाजर, बेर का फलाहार किया जाता है। लोग मन्दिरों में भगवान शिव की पूजा करते हैं व उन्हे आक, धतूरा चढ़ाते हैं। भगवान शिव को विशेष रूप से भांग का प्रसाद लगता है। इस कारण इस दिन काफी जगह शिवभक्त भांग घोट कर पीते हैं। पुराणों में कहा जाता है कि एक समय शिव पार्वती जी कैलाश पर्वत पर बैठे थी। उसी समय पार्वती ने प्रश्न किया कि इस तरह का कोई व्रत है जिसके करने से मनुष्य आपके धाम को प्राप्त कर सके ? तब उन्होंने यह कथा सुनाई थी कि प्रत्यना नामक देश में एक व्यक्ति रहता था, जो जीवों को बेचकर अपना भरण पोषण करता था। उसने सेठ से धन उधार ले रखा था। समय पर कर्ज न चुकाने के कारण सेठ ने उसको शिवमठ में बन्द कर दिया। संयोग से उस दिन फाल्गुन बदी चतुर्दशी थी। वहां रातभर कथा, पूजा होती रही जिसे उसने भी सुना। अगले दिन शिघ्र कर्ज चुकाने की शर्त पर उसे छोड़ा गया। उसने सोचा रात को नदी के किनारे बैठना चाहिये। वहां जरूर कोई न कोई जानवर पानी पीने आयेगा। अत: उसने पास के बील वृक्ष पर बैठने का स्थान बना लिया। उस बील के नीचे एक शिवलिंग था। जब वह पेड़ पर अपने छिपने का स्थान बना रहा था उस समय बील के पत्तों को तोडकर फेंकता जाता था जो शिवलिंग पर ही गिरते थे। वह दो दिन का भूखा था। इस तरह से वह अनजाने में ही शिवरात्रि का व्रत कर ही चुका था। साथ ही शिवलिंग पर बेल-पत्र भी अपने आप चढ़ते गये। एक पहर रात्रि बीतने पर एक गर्भवती हिरणी पानी पीने आई। उस व्याध ने तीर को धनुष पर चढ़ाया किन्तु हिरणी की कातर वाणी सुनकर उसे इस शर्त पर जाने दिया कि सुबह होने पर वह स्वयं आयेगी। दूसरे पहर में दूसरी हिरणी आई। उसे भी छोड़ दिया। तीसरे पहर भी एक हिरणी आई उसे भी उसने छोड़ दिया और सभी ने यही कहा कि सुबह होने पर मैं आपके पास आऊंगी। चौथे पहर एक हिरण आया। उसने अपनी सारी कथा कह सुनाई कि वे तीनों हिरणियां मेरी स्त्री थी। वे सभी मुझसे मिलने को छटपटा रही थी। इस पर उसको भी छोड़ दिया तथा कुछ और भी बेल-पत्र नीचे गिराये। इससे उसका हृदय बिल्कुल पवित्र, निर्मल तथा कोमल हो गया। प्रात: होने पर वह बेल-पत्र से नीचे उतरा। नीचे उतरने से और भी बेल पत्र शिवलिंग पर चढ़ गये। अत: शिवजी ने प्रसन्न होकर उसके हृदय को इतना कोमल बना दिया कि अपने पुराने पापों को याद करके वह पछताने लगा और जानवरों का वध करने से उसे घृणा हो गई। सुबह वे सभी हिरणियां और हिरण आये। उनके सत्य वचन पालन करने को देखकर उसका हृदय दुग्ध सा धवल हो गया और वह फूट-फूट कर रोने लगा। योगियों और संन्यासियों के लिए यह वह दिन है जब शिव कैलाश पर्वत के साथ एकाकार हो गए थे। योगिक परम्परा में शिव को ईश्वर के रूप में नहीं पूजा जाता है। बल्कि उन्हें प्रथम गुरु, आदि गुरु माना जाता है। जो योग विज्ञान के जन्मदाता थे। कई सदियों तक ध्यान करने के बाद शिव एक दिन वह पूरी तरह स्थिर हो गए। उनके भीतर की सारी हलचल रुक गई और वह पूरी तरह स्थिर हो गए। वह दिन महाशिवरात्रि था। इसलिए संन्यासी महाशिवरात्रि को स्थिरता की रात के रूप में देखते हैं।

महाशिवरात्रि आध्यात्मिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण है। इस रात धरती के उत्तरी गोलार्ध की स्थिति ऐसी होती है कि इंसान के शरीर में ऊर्जा कुदरती रूप से ऊपर की ओर बढ़ती है। इस दिन प्रकृति इंसान को अपने आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने के लिए प्रेरित करती है। गृहस्थ जीवन में रहने वाले लोग महाशिवरात्रि को शिव की विवाह वर्षगांठ के रूप में मनाते हैं। सांसारिक महत्वाकांक्षाएं रखने वाले लोग इस दिन को शिव की दुश्मनों पर विजय के रूप में देखते हैं।

सुख-सौभाग्य की प्राप्ति के रोजाना 'ऊँ नमः शिवाय' मंत्र का करें जाप

सनातन धर्म में मंत्रोच्चार का अधिक महत्व माना जाता है। हिंदू धर्म और सनातन परंपरा में जितने भी मंत्र है, उन सभी का अपना माहत्व है। साथ ही इन मंत्रों के जाप से कई लाभ भी मिलते हैं। ऐसे में अगर आप भी भगवान शिव की कृपा व आशीर्वाद प्राप्त करना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि 'ऊँ नम: शिवाय' मंत्र का जाप करने से क्या लाभ मिलता है और इस मंत्र जाप का क्या महत्व होता है।

'ऊँ नम: शिवाय' मंत्र जाप का महत्व

भगवान भोलेनाथ के 'ऊँ नम: शिवाय' मंत्र को पंचाक्षर भी कहा जाता है। धार्मिक शास्त्रों के मुताबिक भगवान शिव के इस मंत्र में पंच तत्व समाहित हैं। इस मंत्र के प्रथम अक्षर यानी की 'ऊँ' से सूर्य का निर्माण हुआ है। वहीं ऊँ अक्षर भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है।

ऐसे में जब आप ऊँ कहते हैं, तो इससे महादेव के साथ ही सूर्य की भी आराधना हो जाती है। वहीं नम: शिवाय का अर्थ है कि भगवान भोलेनाथ के चरणों में नमन कर खुद का समर्पण दिखाना। इसलिए हमें रोजाना 'ऊँ नम: शिवाय' मंत्र का जाप करना चाहिए।

पंचाक्षर मंत्र जपने के लाभ

भगवान शिव के इस मंत्र जाप से व्यक्ति में तेज पैदा होता है। जातक का व्यवहार और उसका व्यक्तित्व उसे तेजस्वी और आकर्षक बनाता है। ऐसे में जो भी व्यक्ति 'ऊँ नम: शिवाय' मंत्र का रोजाना जाप करता है, उसके जीवन के सभी संकट दूर हो जाते हैं।

बताया जाता है कि 'ऊँ नम: शिवाय' मंत्र का रोजाना जाप करने से व्यक्ति पर भगवान शिव की कृपा बनी रहती है। व्यक्ति को भोलेनाथ का सानिध्य और आशीर्वाद प्राप्त होता है। भगवान भोलेनाथ खुद उस व्यक्ति की हर नकारात्मक चीज से रक्षा करते हैं और व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि और खुशियों का आगमन होता है।

रोजाना 'ऊँ नम: शिवाय' मंत्र जाप करने से महादेव की कृपा के साथ ही सूर्यदेव की कृपा भी प्राप्त होती है। बता दें कि सूर्य देव नव ग्रह के राजा माने जाते हैं। ऐसे में सूर्य देव के शांत होने से अन्य सभी ग्रह भी शांत हो जाते हैं।